

অসম সাহিত্য সভা
ভাৰতী প্ৰিন্সিপাল নকৰা উলুবাৰ
ও হা হা হা

আপকী অসমীয়া

অসমীয়া স্বয়ংশিক্ষক



লেখক
মুকুন্দমাধব শৰ্মা

অনুবাদক
পৰেশ চন্দ্ৰ দেব শৰ্মা

[Handwritten signature]

২৬০ (বি.)



অসম সাহিত্য সভা



आपकी असमीया

असमीया स्वयंशिक्षक

लेखक

सुकुन्दमाधव शर्मा, एम्. ए.

अनुवादक

परेश चन्द्र देव शर्मा एम्. ए.



1963

असम साहित्य सभा

चन्द्रकांत सन्दिकै भवन

योरहाट : असम

APKI ASAMIYA ; A primer for teaching the Assamese language to non-Assamese speakers, by Shri Mukunda Madhava Sharma, Lecturer, Gauhati University, Assam, translated into Hindi by Shri Paresh Chandra Deva Sarma, Sahayak Pariksha Sachiv, Asam Rastra-bhasha Prachar Samiti, Gauhati, and published by Dr. Maheswar Neog, General Secretary, Asam Sahitya Sabha, Chandrakanta Handiqui Bhavan, Jorhat, 1963

प्रकाशक :

डॉ महेश्वर नेओग

प्रधान सम्पादक

असम साहित्य सभा

योरहाट, असम

कीमत : दो रुपये

राष्ट्रभाषा प्रेस, गुवाहाटी में मुद्रित

भूमिका

हमारे गैर-असमीया बन्धुओंके हाथ असमीया भाषाकी सामान्य जानकारी हेतु गुवाहाटी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के प्राध्यापक श्रीमुकुन्दमाधव शर्मा द्वारा लिखित 'Assamese for All' किताब का यह हिन्दी रूपान्तर "आपकी असमीया" भेंट करते हुए हमें बड़ी खुशी हो रही है। दूसरे महायुद्ध के बाद—जबसे असमका अन्तर्राष्ट्रीय सम्पर्क गहरा हुआ—इस तरह की एक किताब की बड़ी आवश्यकता महसूस की जा रही थी। असम साहित्य सभा की वर्तमान कार्यपालिका ने (1960-62) अपने कार्यकालके प्रारंभ में ही इस काम को अपने हाथमें लिया। गुवाहाटी विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ० विरिचि कुमार बरुवा और कॉटन कालेज के भूतपूर्व अध्यापक श्री अतुलचन्द्र हाजरिका जी के सुझाव से कार्यपालिकाने श्री शर्मा द्वारा रचित उक्त अंग्रेजी पुस्तक को प्रकाशनार्थ चुना। खासकर डॉ० बरुवा जीने उक्त पुस्तक को सही वैज्ञानिक पद्धति से लिखने के लिये अनेकों परामर्श दिये। (Marlborough's self taught Series London 1947) के अन्तर्गत प्रो० सुनीति कुमार चटर्जी लिखित "Bengali Self-taught" पुस्तक ही उसका आदर्श रही। उक्त किताब को प्रेसमें देने से पहले ठीक ढंग से संशोधन आदि कर सही रूप देनेमें श्री शर्माजी को अनेकों कष्ट उठाने पड़े। इसलिये मैं श्रीशर्माजी को तथा हमारे इस प्रयत्न में सक्रिय सहयोग देनेवाले गुवाहाटी विश्वविद्यालय के असमीया विभाग के प्राध्यापक श्री विरिचि कुमार बरुवाजी और श्री गोकुलचन्द्र गोस्वामी जी को धन्यवाद देता हूँ।

हम भारत सरकारके वैज्ञानिक अनुसंधान तथा सांस्कृतिक कार्य मंत्रालय के बड़े ही आभारी हैं—जिनके उदार अनुदानसे इस प्रारंभिक पुस्तक का प्रकाशन संभव हो सका। हम यह सूचित कर देना उचित समझते हैं कि इस किताब का अंग्रेजी संस्करण Assamese for All का प्रकाशन भी साथ साथ हो रहा है। मैं अपने तहग बन्धु श्रीपरेश चन्द्र देव शर्मा को यह हिन्दी संस्करण प्रस्तुत करने के हेतु तथा इस पुनीत प्रयत्न में प्रेम पूर्वक हाथ बँटाने वाले मेरे आदरणीय श्रीरजनीकांत चक्रवर्ती को धन्यवाद देता हूँ।

अन्तमें राष्ट्रभाषा प्रेस के मुद्रण-परिचालक श्रीगोविन्द महन्त को भी धन्यवाद देता हूँ—जिन्होंने बहुत ही थोड़ी अवधिमें इसकी छपाई का काम पूरा कर दिया जबकि स्थानीय या बाहर का कोई भी प्रेस इसके लिये प्रस्तुत नहीं हो रहा था ।

इस किताब के प्रकाशनमें अपने अमूल्य परामर्श देकर दूसरे जिन बन्धुओंने इसकी श्रीवृद्धिमें सहायता पहुंचाई है—मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूँ ।

चन्द्रकांत संदिकै भवन
योरहाट (आसाम)
मार्च 27, 1963

महेश्वर नेओग
प्रधान सम्पादक,
असम साहित्य सभा

आभार

मैं अपने उन अनगिनत बन्धुओं और सहयोगियों को धन्यवाद देना अपना पुनीत कर्तव्य समझता हूँ जो इस पुस्तक के प्रकाशन में बड़ी दिलचस्पी लेते आये हैं । खासकर श्री विश्वनारायण शास्त्री और श्री अतुलचन्द्र हाजरिका जी जिन्होंने इस किताब के सुधारने में अनेकों परामर्श दिये; प्राध्यापक डॉ० विरिचि कुमार बरुवा जी जिन्होंने इस किताब की पूरी रूप-रेखा बनाने में अपने अमूल्य सुझाव दिये—; आदरणीय सहयोगी श्री गोकुलचन्द्र गोस्वामी—जिन्होंने प्रस्तुत पुस्तकमें प्रयुक्त ध्वन्यात्मक नियम योजना (phonetic scheme) को लिखने में मदद पहुंचाई ; मेरी पत्नी श्री एलिमा शर्मा—जो एक नहीं बल्कि अनेकों रूपों में मुझे सहयोग देती रही—मैं इन सभी का चिरकृतणी हूँ ।

मैं असम साहित्य सभा के प्रधान-संपादक डॉ० श्रीमहेश्वरजी नेओग के प्रति अत्यन्त कृतज्ञ हूँ—जिनकी प्रेरणा और अथक परिश्रम के बिना इस पुस्तक का प्रकाशन ही नहीं हो पाता । उन्होंने खासकर असम साहित्य सभा द्वारा प्रकाशित मेरी Assamese for All का यह हिन्दी रूपान्तर भा असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के सहायक परीक्षा सचिव और बी. बरुवा कालेजके अध्यापक श्री परेश चन्द्र देव शर्मा जी से प्रस्तुत करवाकर प्रकाशित किया है । इस बावत मैं उनका चिर आभारी हूँ ।

यह किताब प्रकाशित करने के हेतु असम साहित्य सभाको और बहुत ही कम अवधिमें इसे मुद्रित कर देने के कारण राष्ट्रभाषा प्रेस के सभी कर्मियोंको मैं हार्दिक धन्यवाद देता हूँ ।

गुवाहाटी विश्वविद्यालय

27-3-63

मुकुन्द माधव शर्मा

विषय-सूची

अवतरण	1
असमीया भाषा	2
वर्णमाला—उच्चारण	3
स्वरवर्ण	3
मात्राएँ	4
व्यंजनवर्ण	5
संयुक्त व्यंजनवर्ण	9
संख्या	11
यतिचिह्न	11
पढ़ना व लिखना	11
हिज्जे संबंधी दो बातें	11
असमीया शब्दों की उच्चारण पद्धति	14
शब्दावली	16
घरेलू चीज	16
कपड़ा, प्रसाधन सामग्री और अलंकार आदि	21
खाद्यादि	23
शाक सब्जो, पेड़ पौधा आदि	26
विश्व और प्रकृति	27
भूमि और पानी	29
खनिज धातु आदि	30
पशु, पक्षी, मछली, कीट पतंगादि	31
अङ्ग प्रत्यंगादि	33
स्वास्थ्य, रोग इलाज संबंधी	35
रं आदि	38

समय और ऋतु आदि	38
माहका नाम	40
ऋतुका नाम	41
नगर और गाँव	42
परिवार और रिस्तेदार	44
पानी और आकाश पथ द्वारा भ्रमण	47
कला, साहित्य, विद्या, धर्म, अनुभूति इत्यादि	48
कानून और राजनीति आदि	54
व्यवसाय संबंधी	58
नौकरी और पेशा आदि	61
खेल कूद	63
मूल संख्या और क्रमिक संख्या	64
समूह वाचक और खण्डात्मक संख्या आदि	68
सर्वनाम	70
क्रिया	77
क्रिया विशेषण, अव्यय और कारक बोधक शब्द	86

व्याकरण संबंधी सामान्य बातें

वचन	91
लिंग	94
विशेषण	95
कारक	96
कर्त्ता कारक : प्रथमा विभक्ति	97
कर्मकारक द्वितीया विभक्ति	97
संबंध कारक : षष्ठी विभक्ति	98
अधिकरणकारक : सप्तमी विभक्ति	99
करण कारण : तृतीया विभक्ति	99
संप्रदान कारक : चतुर्थी विभक्ति	100

अपादान कारक : पंचमी विभक्ति	100
संबोधन कारक : अष्टमी विभक्ति	100
सर्वनाम			
उत्तम पुरुष	101
मध्यम पुरुष	101
अन्त्य पुरुष	103
क्रिया प्रकरण	106
धातु रूप			
सामान्य वर्तमान काल	107
तात्कालिक वर्तमान	107
पूर्ण भूतकाल	108
सामान्य भविष्यत काल	109
सामान्य भूत आसन्न भूत	109
प्रश्नबोधक वाक्य	110
निषेधात्मक कथन	111
क्रिया विशेषण	112
अनुज्ञा वाक्य	113
चाहिये और नहीं चाहिये के समानार्थी शब्द	114
सकना की समानार्थी क्रिया	114
असमापिका क्रिया	115
होना क्रिया का समानार्थी क्रिया	115
अनियमित क्रियाएँ	116
कर्मवाच्य	116
अविभक्तिक संभाव्य क्रिया	119
क्रियावाचक विशेषण	119
भावबोधक वाक्यांश	120

संयुक्त क्रियाएँ	120
भाग धातु	123
निश्चयात्मक, अंतर्भुक्तकारी, अतिरिक्त और अन्य प्रत्यय	124
कुछ अव्ययों के व्यवहार	125
अकर्मक सकर्मक और प्रेरणार्थक	126
शब्दावली और प्रत्यय संबंधी नोट	127
वाक्य रचना	128
प्रत्यक्ष और परोक्ष कथन	128
विशेषणों की तुलना	130
कुछ वाक्यांश	131
बातचीत और कुछ उपयोगी कथन	

অসম সাহিত্য সভা
ভগবতী প্রসাদ বৰুৱা ভৱন
গুৱাহাটী।

अवतरण

भारतीय संविधान द्वारा स्वीकृत असमीया भाषा भारतकी आधुनिक भाषाओं में से एक है। असम राज्यमें यह भाषा बोली जाती है। आजके असम राज्यके अतिरिक्त उ० पू० सीमांत अंचल (N.E.F.A.), नगाल्याण्डकी यह सामान्य भाषा (lingua franca) है। यद्यपि असमके पहाड़ी इलाकों में अनेक पाहाड़ी बोलियाँ बोली जाती हैं उनकी सामान्य भाषा भी असमीया ही है। इसी १४ वीं सदीसे इस भाषाकी एक समृद्ध परंपरा है।

असमीया भाषाकी अनेक बोलियाँ हैं। खासकर ये बोलियाँ कामरूप और गुवालपारा जिलेमें ही बोली जाती हैं। लेकिन इस किताबमें असमीया भाषाके साहित्यिक रूपको ही लिया गया है। इसे सभी प्रकार की असमीया बोली बोलनेवाले व्यक्ति आसानी से समझ सकते हैं और सभी प्रकारके लिखनेके कामोंमें इस रूपका ही व्यवहार होता है।

चाय उत्पादनमें असम बहुत ही समृद्ध है। खनिज तैलके क्षेत्रमें भी असमका स्थान भारतमें प्रथम है। सामुहिक क्षेत्रमें पहला तेल शोधनागार असमके गुवाहाटी शहरमें ही बना है। आज असम औद्योगिक युगमें प्रवेश कर रहा है। इन उद्योगोंमें

असमके बाहरसे अनेक कारीगर और शिल्पपति, कर्मी आने लगे हैं जो असमीया भाषासे परिचित होना चाहते हैं। इसके अतिरिक्त असमके प्राकृतिक दृश्यका ही बाहरके भ्रमणकारियों के लिये एक स्थायी आकर्षण है। हर साल देशी, विदेशी बहुत भ्रमणकारी यहाँका चमकीला नजारा देखने आते हैं। इस स्थितिमें यहाँके लोगों से परिचय पानेके लिये—यहाँ की स्थितियोंसे अवगत होने यहाँकी भाषाकी जानकारी आवश्यक हो जाती है। इससे संबंध गाढ़ और दृढ़ होता है और सभी प्रकारकी गलतफहमियां दूर होनेमें सहायता मिलती है।

ब्रिटिश साम्राज्यके अन्तर्भुक्त होनेसे पहले तक असमके पहाड़ और भूयामके लोगोंके बीच व्यावहारिक भाषा असमीया थी। लेकिन विदेशी शासनके कारण पहाड़ोंमें कुछ प्रतिबंध लग गया और धीरे धीरे मिसनारियोंके प्रभावसे वहाँके लोगोंने अपनी भाषाके लिये रोमन लिपिको अपनाया और अंग्रेजीकी ही हिमायती होने लगे। लेकिन आज स्थिति बदल रही है। भारत आज स्वाधीन है। स्वाधीन भारतकी अपनी राष्ट्रभाषा है। राष्ट्रभाषा हिन्दी पहाड़ी इलाकोंमें भी जनप्रिय हो रही है। और उधर बाहरसे आनेवाले अधिक संख्यक लोग हिन्दीसे परिचित हैं। अतः इस पुस्तकमें हिन्दी भाषाके माध्यमसे ही असमीया भाषा सीखानेकी व्यवस्था की जा रही है। इससे सभी श्रेणीके लोगों की सुविधा होगी—ऐसी आशा हमें है।

असमीया भाषा

असमीया भाषा का मूल संस्कृत है। संस्कृत के मागधी प्राकृतसे असमीया भाषा निकली है। असमीया भाषाकी शब्दावली मुख्यतः संस्कृतके तत्सम और तद्भव शब्द ही हैं। इसका व्याकरण भी संस्कृत

व्याकरण पर ही आधारित है। असमीया लिपि प्राचीन संस्कृत भाषाकी लिपि ब्राह्मी लिपि से निकली है जिसमें प्राचीन भारतीय बोलियाँ इस्वी० 200 से पहले तक लिखी जाती थी ! असमीया भाषा बाएँसे दाहिनी तरफ लिखी जाती है।

वर्णमाला व उच्चारण

असमीया और देवनागरी (हिन्दी) वर्णमाला प्रायः एक ही है। दोनों के मूल प्राचीन ब्राह्मी लिपि है।

असमीया भाषा ठीक हिन्दी की तरह ही पढ़ी जाती है। असमीया भाषाका उच्चारण हिन्दी भाषाके उच्चारण से कोमल और आसान है। नीचे एक एक करके प्रत्येक वर्णका उच्चारण निर्देश किया गया है। यों तो सही उच्चारणका ज्ञान असमीया भाषी व्यक्ति की मुंहसे सुनकर ही प्राप्त किया जा सकता है। फिर भी व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करानेके उद्देश्य से ही उच्चारणका विस्तृत वर्णन (सोदाहरण) यहाँ दिया जा रहा है।

स्वरवर्ण

असमीया वर्ण	हिन्दी वर्ण	उच्चारण
অ	अ	असमीया অ का उच्चारण हिन्दीका 'अ' जैसा ही है।
অ'	अ'	उर्द्ध कमा लगा होने पर অ का उच्चारण 'ओ' जैसा होता है।

असमीया वर्ण हिन्दी वर्ण उच्चारण

जा	आ	इसका उच्चारण भी हिन्दी 'आ' जैसा ही है।
इ	इ	दोनों का उच्चारण हिन्दी 'इ' जैसा है। दोनों के उच्चारणमें कोई अन्तर नहीं है। लिखनेमें दोनों का अलग अलग प्रयोग है और अर्थ भी बदलता है। ऐ को "ह्रस्व इ" और ई को "दीर्घ ई" कहते हैं।
ई	ई	
उ	उ	इनका उच्चारण भी हिन्दी 'उ' जैसा ही है। ऐ व ई की तरह इन दोनों में भी उच्चारणकी मात्रामें कोई अन्तर नहीं है। उ को "ह्रस्व उ" और ऊ को "दीर्घ ऊ" कहते हैं।
ऊ	ऊ	
ऋ	ऋ	इसका उच्चारण "रि" जैसा है।
ए	ए	ए का उच्चारण 'ए' जैसा ही है।
ऐ	ऐ	इसका उच्चारण हिन्दी "ओइ" की तरह है।
ओ	ओ	ओ का उच्चारण हिन्दी 'ओ' की तरह है।
औ	औ	इसका उच्चारण हिन्दी 'ओउ' की तरह है।

मात्रायें

हिन्दी की तरह असमीया मात्रायें भी हैं। नीचे इनका रूप दिया जा रहा है।

असमीया स्वर :— जा ऐ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ
हिन्दी स्वर :— आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

असमीया मात्रायें :— । ि ी २ २ २ २ २ २ २
हिन्दी मात्रायें :— । ि ी २ २ २ २ २ २ २

असमीया मात्रायें निम्न प्रकार व्यंजन के साथ प्रयोग होती हैं।
क + । = का, क + ि = कि, क + ी = कौ, क + २ = कु,
क + २ + कू, क + २ = कू, क + २ = के, क + २ = कै,
क + २ = को, क + २ = को

"क" की तरह दूसरे व्यंजनों में भी मात्रायें प्रयुक्त होती हैं। केवल नीचेका उदाहरण ही इसका व्यतिक्रम है।

ग + २ = गू, ब + २ = बू, ब + २ = बू,
भ + २ = भू, श + २ = शू, श + २ = शू

(चन्द्र बिन्दु) योग देकर उपरके सभी स्वरवर्ण का अनुनासीकरण किया जा सकता है। जिस स्वर या व्यंजन को अनुनासीकरण किया जाता है उसकी ऊपरी मात्रा पर ही ^० का चिह्न लगा दिया जाता है। हिन्दी की तरह ही यह व्यवस्था है।

व्यंजनवर्ण

असमीया वर्ण हिन्दी वर्ण उच्चारण
"अ" के साथ

क	क	हिन्दी	क जैसा ही। जैसे— कलम = कलम
ख	ख	"	ख " खण्ड = खण्ड
ग	ग	"	ग " गबम = गरमी (गर्मी)
घ	घ	"	घ " घब = घर (घर)
ङ	ङ	"	ङ " जैसे नाङल = नाङल (हल)

असमीया वर्ण 'अ' के साथ	हिन्दी वर्ण	उच्चारण
চ	च	इन दोनोंका उच्चारण हिन्दी "स" वर्ण जैसा है। जैसे চকল=संसल (चंचल) ছোবালী=सोवाली (लड़की)
ছ	छ	
জ	ज	हिन्दी "ज" जैसा
ঝ	झ	इस वर्णका उच्चारण प्रायः "ज" जैसा ही होता है। जैसे-ঝকমক=झकमक जकमक
ব্য	ब	(1) इसका उच्चारण हिन्दी "ब" जैसा ही है। (2) हिन्दी "ब" की तरह इसके पूर्ववर्ती वर्ण च छ ज स के साथ योग होने पर "न" का उच्चारण होता है। जैसे— বকম = न अ३ च ग = पनसम। (3) "ज" के बाद संयुक्त होनेपर 'ज'का उच्चारण "ग" और "ब" का 'ग्य' होता है। जैसे— আজ্ঞা = आग्न्या = आज्ञा।
ট	ट	इन दोनों का उच्चारण एकही सा है। दोनों का उच्चारण वत्स्य स्थल से होता है। अंग्रेजी Tax शब्द के 'T' का जैसा इसका उच्चारण है।
ত	त	
ঠ	ठ	ट और त जैसे ठ और थ के उच्चारणमें भी कोई अंतर नहीं। दोनों का उच्चारण वत्स्य स्थलसे होता है। लेकिन ठ को "मूर्द्धन्य ठ" और थ को "दन्त्य थ" कहते हैं। अंग्रेजी thank में "थ" का उच्चारण ही ठ और थ का उच्चारण है।
থ	थ	

असमीया वर्ण अ के साथ	हिन्दी वर्ण	उच्चारण
ড	ड	ऊपर के जैसा ही ड और द का वत्स्य उच्चारण है। ड को 'मूर्द्धन्य ड' और द को 'दन्त्य द' कहते हैं। अंग्रेजी Dog में D का उच्चारण ड और द का उच्चारण है।
দ	द	
ঢ	ढ	ढ और ध का उच्चारण भी वत्स्य ढ और ध का जैसा है। ढ को 'मूर्द्धन्य ढ' और ध को 'दन्त्य ध' कहते हैं।
ধ	ध	
ন	ण	ण को 'मूर्द्धन्य ण' और न को 'दन्त्य न' कहते हैं। दोनों का उच्चारण वत्स्य न जैसा है। अंग्रेजी N का उच्चारण से मेल है।
ণ	न	
প	प	हिन्दी प जैसा है
ফ	फ	" फ "
ব	ब	" ब "
ভ	भ	" भ "
ম	म	" म "
য	य	" य "
র	र	(हिन्दी में यह अक्षर नहीं है)
ল	ल	हिन्दी र जैसा है।
ল	ल	" ल "
ব	व	" व "
হ	ह	" ह "
ড	ड	इसे 'दरे र' कहते हैं। इसका प्रयोग बहुत कम होता है। उच्चारण हिन्दी "र" जैसा।

असमीया वर्ण हिन्दी वर्ण
अ के साथ

उच्चारण

५	ढ़	इसे "धरे र" कहते हैं। "ढ़" जैसा इसका भी प्रयोग कम है। उच्चारण "ढ़" जैसा है। जैसे पढ़ा=पढ़ा।
य	य	हिन्दी "य" जैसा ही इसका उच्चारण है। किसी व्यंजन के अंतमें प्रयुक्त होने पर इसका रूप 'ज' होता है। इसे 'यकार' कहते हैं। बाक्य=बाका वाक्य।
१	.	इसे असमीयामें भी "अनुस्वार" कहते हैं। उच्चारण हिन्दी जैसा ही है।
:	:	इसे विसर्ग कहते हैं। उच्चारण हिन्दी का जैसा ही है।
श	श	इसे तालव्य श कहते हैं।
ष	ष	इसे मूर्द्धन्य ष कहते हैं।
ञ	स	इसे दन्त्य स कहते हैं।

(1) इन तीनों अक्षरों के उच्चारणमें खास विशेषता है। भारतीय दूसरी किसी भी भाषा में ऐसा उच्चारण नहीं मिलता। सामान्य अवस्थामें इसका उच्चारण हिन्दी के ख और ह के उच्चारण के बीचका है। (न "ख" और न "ह")। [भाषा विज्ञान की दृष्टि से इसका उच्चारण कंठ्य-संघर्षी है।]

(2) संयुक्ताक्षरका पहला अक्षर होनेपर इनका उच्चारण वत्स्य "स" जैसा होता है। जैसे बझ—बस्र, बाधे—राष्ट्र

असमीया वर्ण हिन्दी वर्ण
अ के साथ

उच्चारण

(3) संख्याओंके अंत्याक्षर होने पर श का उच्चारण वत्स्य "स" जैसा होता है। जैसा विश-विस्।

(4) संयुक्ताक्षर के अंतिम वर्ण होने पर प्रायः इसका उच्चारण "ख" और "ह" का बीचका उच्चारण ही होता है।

९ त् इसे हसन्त त (खण्डित) कहते हैं। यह स्वरहीन त् का रूप है। त, थ, न, ब, भ, य, र के अतिरिक्त दूसरे किसी व्यंजन के साथ युक्त होने पर पहला अक्षर "त्" "९" की तरह लिखा जाता है। जैसे :—उत्साह, उत्साह—उत्साह

संयुक्त व्यंजनवर्ण

सामान्य व्यवहार आनेवाले कुछ संयुक्त व्यंजनवर्ण का उदाहरण नीचे दिया जा रहा है। हिन्दी की तरह असमीया में भी दूसरा अक्षर पहले अक्षरके नीचे लिखा जाता है। "यकार" इसका व्यतिक्रम है। जैसे :—

क के साथ क+क=क, क+ठे=के, क+न=क, क+व=क, क+ल=क, क+ष=क। क्ष के उच्चारणमें अंतर है।

(i) क्ष शब्द का पहला-अक्षर होने पर इसका उच्चारण "ख्य" जैसा होगा। जैसे कमता—ख्यमता।

(ii) और बीच में प्रयुक्त होने पर इसका उच्चारण कुछ जैसा होगा—जैसे प्रबोका—परीक्खा।

बाकी व्यंजन का योग भी “क” के जैसा ही होगा। जैसे :—

म + क = क	(स + क = स्क)
ज + ज = ज	(ज + ज = ज)
न + द = न्द	(न + द = न्द)
ल + म = ल्म	(ल + म = ल्म)
श + व = श्व	(श + व = श्व) इत्यादि।

लेकिन संयुक्त होने पर कुछ व्यंजनोंका अपने रूप नहीं रह जाता है। उसकी एक सूची नीचे दी जा रही है।

क + त = क्त	(क + त = क्त)
ग + ध = ग्ध	(ग + ध = ग्ध)
क + ष = क्ष	(क + ष = क्ष)
ङ + क = क्क	(ङ + क = क्क)
ङ + ग = ग्ग	(ङ + ग = ग्ग)
ञ + च = च्च	(ञ + च = च्च)
ञ + ज = ज्ज	(ञ + ज = ज्ज)
ञ + छ = च्छ	(ञ + छ = च्छ)
द + ध = द्ध	(द + ध = द्ध)
ब + ध = ब्ध	(ब + ध = ब्ध)
त + थ = त्थ	(त + थ = त्थ)
क + र = क्र	(क + र = क्र)
त् + र = त्र	(त् + र = त्र)
त् + र + उ = त्रु	(त् + र + उ = त्रु)
ण + ड = ण्ड	(ण + ड = ण्ड)

ह + न = ह्न	(ह + न = ह्न)
न् + त + उ = न्तु	(न् + त + उ = न्तु)
स् + त + उ = स्तु	(स् + त + उ = स्तु)
ह + म = ह्म	(ह + म = ह्म)

हिन्दी की तरह असमीयामें र के बदले ८ (रकार) और ९ (रेफ) का प्रयोग है।

क + व = क्व, ग + व = ग्व, घ + व = घ्व
अक्क = अर्क, (अर्क) गूक्थ = गूर्थ (मुख) गूक्गौ = गूर्गौ (मुर्गी)

संख्या

१ = १, २ = २, ३ = ३, ४ = ४, ५ = ५,
६ = ६, ७ = ७, ८ = ८, ९ = ९, ० = ०,
इस तरह—१९६२ = १९६२, ३४०७८५ = ३४०७८५ इत्यादि

यति चिह्न

असमीया का यति चिह्न हिन्दी की तरह है। सिर्फ “पूर्णविराम” को असमीयामें “दारि” कहते हैं। लेकिन प्रतीक चिह्न एक ही है।

पढ़ना व लिखना

असमीया भाषा की पढ़ने और लिखने की प्रक्रिया हिन्दी भाषा जैसी है। इसमें कोई अंतर नहीं है।

हिजे संबंधी दो बातें

अब तक यह स्पष्ट हो गया है कि असमीया भाषामें एकाधिक अक्षरों की एक ही उच्चारण-ध्वनि है। नीचे इस तरह के कुछ अक्षर समूह को दिखाया जा रहा है।

इ, ई = इ (इ)
उ, ए = उ (उ)

छ, छ	=	छ (स)
श, ष, ञ	=	ज (X)
उ, ट	=	उ (त)
थ, ठ	=	थ (थ)
द, ड	=	द (द)
ध, ढ	=	ध (ध)
न, न	=	न (न)
य, ज	=	ज (ज)

उच्चारण करते समय सम उच्चारण के ध्वनियों में कोई अंतर नहीं रहता है। लेकिन लिखते समय हम एक ध्वनि के बदले उच्चारण साम्य पर दूसरी ध्वनिका प्रयोग नहीं कर सकते। क्योंकि उन अक्षरों का एक ही उच्चारण होने पर भी अलग अलग अक्षरों के प्रयोग से शब्द का अर्थ ही बदल जाता है। जैसे शटे=बजार, जबकि शत=हाथ, डेटि=बुनियाद, डेजे=रिश्वत। बातचीत करते समय इस तरह के शब्द आने पर आलोच्य वस्तु, अथवा वक्ता के उद्देश्य से प्रकृत शब्द का पता लगाया जाता है। लेकिन लिखते समय परंपरा को कठोर रूपसे मानना पड़ता है? हम दीघल (दीघल)=लंबा को दिघल कभी नहीं लिख सकते। नीचे इस तरह के शब्दों के कुछ उदाहरण दिये जा रहे हैं।

असमीया शब्द	देवनागरीमें	हिन्दी अर्थ
कूटे	कुट	काटना
कूटे	कूट	मिथ्या, कुटनीति अमित्र व्यक्ति
खालि	खालि	खाया (क्रि०)
खालि	खालि	रिक्त

असमीया शब्द	देवनागरीमें	अर्थ
छल	चल	सुयोग
छल	छल	कपट
छाई	चाइ	देखकर
छाई	छाई	राख
छूबो	छुरी	चाकु
छूबि	चुरि	चोरी
पाण	पाण	पाण
पान	पान	पीना
वाकि	वाकि	ढालकर
वाकौ	वाकी	बकाया
शाप	शाप	अभिशाप
साप	साप	सांप
शुचि	शुचि	पवित्र
सूची	सूची	सूची

अभ्यास ?

देवनागरी अक्षरों में लिखिये—

ব্রাহ্মণীয়েও বর আনন্দ পাই বজাক আশীর্ব্বাদ জনাই ক'লে—
“মহাবাজ ! নিজর মনত ধর্ম্মর ভাব থকা লোকেহে এনেদরে গোপন
পাপকো ধবা পেলাব পাবে। আপোনার দরে এনে ধার্ম্মিক আক
ন্যায়নিষ্ঠ বজাব বাজ্যব প্রজাব দুখ হব কেনেকৈ ? কিন্তু এনে বঙ্গ
কার্ত্তবীৰ্য্যব পাচত কেবল আপুনিহে জন্ম গ্রহণ কৰিছে।

(বাজতবজ্জিনীৰ গল্প)

देवनागरी अक्षरोंमें :—

ब्राह्मणीयेओ बर आनन्द पाइ रजाक आशीर्व्वाद जनाइ क'ले—
“महाराज ! निजर मनत धर्मर भाव थका लोकेहे एनेदरे गोपन

पापको धरा पेलाव पारे। आपोनार दरे एने धार्मिक आरु
न्यायनिष्ठ रजार राज्यर प्रजार दुख हव केनेकै? किन्तु एने रजा
कार्त्तवीर्यर पाचत केवल आपुनिहे जन्म ग्रहण करिछे।
(राजतरंगिणीर गल्प)

अभ्यास २

असमीया लिपिमें लिखिये—

अनुवादर विषये आरु एटा लागतियाल कथा कब पारि।
अनेक अनुपयो (जो) गी अंश एकेबारेइ बाद दिव पारि; कारण
अनेक समयत किछुमान अंश आमार रुचि आरु अभिज्ञतार उप-
योगी नहय। अवश्ये सूक्ष्म समालोचनाशील अनुवादर कथा बेलैग;
आमि तार कथा कोवा नाइ।

[श्री कृष्ण कांत सन्तिकै]

असमीया आखतः—

अनुवादर विषये आरु एटा लागतियाल कथा कब पारि।
अनेक अनुपयोगी अंश एकेबारेइ बाद दिव पारि; कारण अनेक
समयत किछुमान अंश आमार रुचि आरु अभिज्ञतार उपयोगी
नहय। अवश्ये सूक्ष्म समालोचनाशील अनुवादर कथा बेलैग;
आमि तार कथा कोवा नाइ।

[श्रीकृष्णकांत सन्तिकै]

असमीया शब्दोंकी उच्चारण-पद्धति

(1) मात्रा विहीन एकही व्यंजनके शब्दों के उच्चारणमें
'अ' युक्त रहता है जैसे—ल (ल्—La) तुम लो, थ (Tha)
(रखो) द (द) गभीर इत्यादि।

(2) सामान्यतः असमीया शब्दोंका उच्चारण हिन्दी शब्दोंकी
तरह ही है। स्वर मात्रा विहीन अंतिम व्यंजन का उच्चारण
स्वर विहीन होता है। जैसे—कलम् = कल्म्, आपोन = आपोन्
(अपना), बहल् = बहल् लेकिन अंतिम व्यंजन में हलन्त् चिह्न
का प्रयोग नहीं किया जाता है।

(3) अंतिम व्यंजनको छोड़कर बाकी व्यंजन का, मात्रा विहीन
होने पर भी स्वर युक्त उच्चारण ही होता है—जैसे—अल्प = अल्प्
(थोड़ा) कल्म् = कल्म्। लेकिन इसका व्यतिक्रम भी मिलता है।
जैसे—मयला = मयला (मैला), कयला = कयला (कोयला), इत्यादि।

(4) मध्यम पुरुष के वर्तमान कालके क्रिया-पद का अंतिम
व्यंजन मात्रा युक्त न होने पर भी 'अ' युक्त उच्चारण होता
है जैसे—तइ दिछ = तइ दिछ्अ (Disa) = तू दे रहा है।

तइ याव = तइ या (जा)व = तू जा रहा है।

आपुनि याव = आपुनि या (जा) व्अ = आप जायेंगे।

(5) संस्कृतके कुछ तत्सम शब्दोंके अंतिम व्यंजन मात्रा हीन
होने पर भी 'अ' के साथ उच्चारण होता है—जैसे—

अथऽ = अथच्अ = (चूँकि), तथाऽ = तथाच्अ } (तथापि)
तत्राऽ = तत्राच्अ

शुभ = शुभ्अ (शुभ), ज्ञाण = द्रोण्अ (द्रोणाचार्य)। इस तरहके
शब्दों को सूक्ष्म पर्यवेक्षण से ही जाना जा सकता है।

(6) दूसरा कोई स्वर अंतिम वर्ण नहीं होने पर प्रायः क्रमिक
संख्याओं के अंतमें 'अ' उच्चारण होता है—जैसे—त्रितीय, द्वितीय्अ
तृतीय = तृतीयअ।

(7) असमीया कुछ विशेष शब्दों के उच्चारणमें 'अ' स्वर
अंतमें रहता है : जैसे—पल = पल्अ (मछली पकड़ने का एक साधन)
पांभ = पाभ्अ (एक प्रकार की मछली)

(8) एघार (ग्यारह) से उठ्ठ (अठारह) तक संख्याओंके उच्चारण में 'अ' स्वर अंतमें रहता है जैसे—एघार—एघार्अ (ग्यारह), दार=वार्अ (वारह)

(9) अंतमें स्वर मात्रा नहीं रहने पर भी युक्ताक्षर (व्यंजनवर्णका) का अंतिम वर्णका उच्चारण 'अ' के साथ होता है—जैसे—अक=अकअ (अंक), शब्द=शब्दअ (शब्द) नम्र=नम्रअ (नम्र), तर्क=तर्कअ (तर्क), लेकिन कान्न का उच्चारण इस नियमका अपवाद है।

शब्दावली

व्याकरण की जटिलता तक जानेसे पहले साधारण व्यवहार में आनेवाले असमीया शब्द भंडार से परिचय कर लेना अच्छा होगा। शिक्षार्थियों की सुविधाको दृष्टिमें रखकर उन्हें विषयानुसार विभाजित कर लिया गया है। हिन्दी शब्दोंके असमीया प्रति शब्दोंके (असमीया लिपिमें) साथ नागरी लिप्यंतर भी दिया गया है। उच्चारण के संबंधमें वर्णमालाके उच्चारण अध्यायको ठीक से देख लें।

घरेलू चीज

(घरवा, बलु-बाशनि=घरवा वस्तु-बाहानि)

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
वायु, हवा	বতাহ, বায়ু	बताह, वायु
आराम कुर्सी	আরামী চকী	आरामी चकी
क्षेत्र	কালি	कालि
पिटारा, टोकरी	খবাহি	खराहि

हिन्दी शब्द

नहाना, स्नान
गुसलखाना, स्नानागार
बाँस
बिछौना
शयनकक्ष
घण्टा
किताब
शीशी
कटोरा
पेटी
झाड़ू
सीमा
बेंत की कुर्सी
मोमबत्ती
मोंढ़ा
दरी, गलीचा
गाड़ी
भीतरी छत
कुर्सी
दराज
घड़ी
कोयला
लकड़ी का कोयला
गो शाला (गौवों को बांधनेका स्थान)
गोबर
हिंदोला, झूलना

असमीया शब्द

জান, গা ধোৱা
গা ধোৱা ঘৰ
বাঁহ
বিছনা
শোৱা ঘৰ
ঘণ্টা
কিতাপ
বটল
বাটি
বাকচ
বাড়নি, সোতা
সীমা
বেতৰ চকী
মমবাতি
মুড়া
দলিছা
গাড়ী
চিলিঙি
চকী
দেৰাজ
ঘড়ী
কয়লা
কাঠ কয়লা
গোশালি
গোবৰ
ডোলা, দোলনা

हिन्दी अक्षरोंमें

स्नान, गा धोवा
गा धोवा घर
बाँह
बिछना
शोवा घर
घण्टा
किताप
बटल
बाटि
बाकच
बाढ़नि, सोता
सीमा
बेतर चकी
ममबाति
मूढ़ा
दलिछा
गाड़ी
चिलिङि
चकी
देराज
घड़ी
कयला
काठ कयला
गोहालि
गोबर
डोला, दोलना

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
प्याला	पियला	पियला
पर्दा	पर्दा	पर्दा
मसनद, गद्दी	गादी	गादी
भोजनशाला	खोरा घर	खोवा घर
किवाड़	छराब	दुवार
थाली	थाल	थाल
बैठकखाना	च'रा घर	च'रा घर
लिफाफा	खाम, लेफाफा	खाम, लेफाफा
फर्श	मजिया	मजिया
पंखा	बिचनि	बिचनि
मेड़, खावों	जेओरा, चकोरा	जेओरा, चकोरा
कटोरा	वाटि	वाटि
आग	जूइ	जुइ
अंगोठी	जुहाल	जुहाल
दो मंजिला	दुइतला	दुइतला
उपर तल्ला	ओपर महला	ओपर महला
कड़ाही	केराहि	केराहि
पुष्पकलश	फुलदानि	फुलदानि
फुलवारी (फुलका बगीचा)	फुलनि	फुलनि
शाकवाटिका	बागानबारी	बागानबारी
गिलास	गिलाछ	गिलाछ
नीचेकी मंजिल	तलमहला	तलमहला
फाटक	जपना, पदुलि	जपना, पदुलि
फाटक (समान्तराल बाँस द्वारा बनाया गया)	नंगला	नंगला
घर	घर	घर
स्याही, मसी	चियाँहि	चियाँहि

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
दावात	दोरात	दोवात
केतलि	केटलि	केटलि
चाभी	चाबि	चाबि
रसोई (घर)	{ बाकनी घर पाक घर	रांधनी घर पाक घर
छुरी, चाकू	छुरि, कटेबी	चुरि, कटारी
सीढ़ी	जखला	जखला
कलछुल, कलछी	हेता	हेता
लैम्प, लालटेन	लेम, लण्ठन	लेम, लण्ठन
पायखाना, सण्डास	पायखाना	पायखाना
पत्र, चिट्ठी	चिटि	चिटि
पुस्तकालय	पुथिभराल	पुथिभराल
ढकन	ढाकनि	ढाकनि
ताला	तला	तला
आईना	आर्चि, आयना	आर्चि, आयना
दियासलाई	दियाचलाइ, जूइशला	दियाचलाइ, जुइशला
सलाई	जूइशला काठि	जुइशला काठि
मसहरी, मच्छरदानी	आठुवा	आठुवा
चुल्हा	चौका	चौका
तवा	टावा, केराहि	टावा, केराहि
कलम	कलम, काप	कलम, काप
पेंसिल	पेंछिल	पेंछिल
छबि, चित्र	छवि	छवि
फोटो	फटो	फटो
कागज	कागज	कागज
पथ	वाट	वाट
तकिया	गारु	गारु

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
तश्तरी	काँहि	काँहि
मुँडेरा	बेलि	रेलि
किराया	भाड़ा	भाड़ा
किराये का घर	भाड़ाघर	भाड़ाघर
छत	छाल	छाल
कमरा	कोठा, खोटीली	कोठा, खोटीली
रस्सी	बटि, जरी	रचि, जरी
डेकची	देकचि	देकचि
पिरच	थाल	थाल
मुहर	मोहर	मोहर
मुहर लगानेकी लाख	ला	ला
आसन	आसन	आसन
कुदाल	कोर, फां	कोर, फां
चम्मच	चामुच	चामुच
छलनी	चेकनि	चेकनि
मेज	टेबुल, मेज	टेबुल, मेज
मेजपोश	मेजर कापोर	मेजर कापोर
फूस, पुआल	थेब	खेर
गमछा, तौलिया	गामोछा	गामोछा
छतरी	छाति	छाति
बरामदा	बारान्दा	बारान्दा
दीवार, परकोटा	देवाल, बेर	देवाल, बेर
खिड़की	जानाला, खिड़की	जानाला, खिड़की

कपड़ा, प्रसाधन सामग्री और अलंकार आदि
(कापोर, प्रसाधन सामग्री आर अलंकार आदि)

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
शय्यापट	बिछना चादर	बिछना चादर
कम्बल	कम्बल	कम्बल
बलय कंगन	बाला, थारु	बाला, थारु
बटन	बुटाम	बुटाम
टोप	टुपी	टुपी
कपड़ा	कापोर	कापोर
पोशाक	पोछाक	पोछाक
टाँगनेका ढाँचा	आलना, डार	आलना, डार
कोट	केटि	कोट
कंधा, कंधी	फणी	फणी
गलाबंद, गुलूबंद, गलाव	गलाबंद	गलाबंद
गुलूपोष		
रुई, तूल	तुला	तुला
पायजामा	पायजामा	पायजामा
कर्णफूल, भुमका	काणफूल	काणफूल
दस्ताना	हातमोजा	हातमोजा
क्लिप	किलिप	किलिप
जूड़ेका कांटा	काटा	काटा
जेवर	गहना	गहना
लैस, फीता	जरी, फिटा	जरी, फिटा
कण्ठहार	हार, गलपता	हार, गलपता
सुई	वेजी	वेजी
तकियेका गिलाफ	गारु गिलिप	गारु गिलिप
जेब	जेप	जेप

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
बटुआ	गाँथि	गांथि
उस्तुरा	कूब	कुर
अंगुठी, नथ	आङ्ठी	आङ्ठी
खराऊँ	खबम	खरम
कैची	केचो	कैची
चादर	चादब	चादर
लहंगा	मेथेला	मेथेला
कमीज	कामिज	कामिज
जूता	जोता	जोता
जुतोंके फीते	जोताब फिटो,	जोतार फिटो
पाट, रेशम	पाटे,	पाट
मुंगा	मुगा	मुगा
एड़ि	एड़ि	एड़ि
सावुन	चाबोन	चाबोन
नील	नील	नील
मोजा	मोजा	मोजा
छड़ी	लाठि	लाठि
प्रसाधन	प्रसाधन	प्रसाधन
दुथब्रश	दात घाँ बुरुज	दात घहाँ बुरुज
दातुन	दातोन	दातोन
पायजा मा	पायजामा, लंसेपन्टे	पायजामा, लंपेण्ट
बनियान	गेज्जि, बनियन	गेंजि, बनियन
घुंघट	ओबनि	ओरणि

खाद्यादि

(खाद्यादि)

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
रोटी, पावरोटी	कटौ. पाँकटौ लोफ	रुटी, पाओरुटी, लोफ
कलेवा	पुलाव आशब, जलपान	पुवार आहार, जलपान
मक्खन, माखन	माखन	माखन
पीठा	पिठा	पिठा
	(असमीया पीठा विभिन्न तरीके से बनाया जाता है)	
पूरी	लुछि	लुछि
छेना	चाना	चाना
पनीर	पनीर	पनीर
चटनी	चाटनि	चाटनि
दही	दै	दै
कढ़ी, शोरवा	आञ्जा	आंजा
सायं भोजन	रातिब आशब	रातिर आहार
आटा	आटा	आटा
मैदा	मयदा	मयदा
सूजी	चुजि	चुजि
ताजा, नूतन	ताजा, नतून	ताजा, नतुन
खाद्य	आशब, थादा	आहार, खाद्य
मधु, शहद	मो	मौ
बर्फ	बरफ	बरफ
मध्याह्न भोजन	दुपरीयाब आशब	दुपरीयार आहार
मांस	मांस, मडह	मांस, मडह
पका हुआ	सिद्ध, सिजोवा	सिद्ध, सिजोवा
भुना हुआ	भज्जा	भजा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
सेकना	सेका, पोवा	सेका, पोरा
दूध	गाथीब	गाखीर
पायस	पायस, प्रबमान	पायस, परमान्न
क्षीर	क्षीब	क्षीर
गुड़	गुब	गुर
राई	नबियह, रेहाव	सरियह, बेहार
तेल	तेल	तेल
मिर्च	जलकीया	जलकीया
काली मिर्च	जालुक	जालुक
अचार	आचार	आचार
चावल	चाउल	चाउल
भात	भात	भात
चुरा	चिरा	चिरा
नमक	लोण, निमख	लोण, निमख
धुवाँ	धोंवा	धोंवा
धूम्रपान	धुम पान करा	धुमपान करा
तम्बाकू	तामाखु, धपात	तामाखु, धपात
सिगारेट	चुरट, चिगारेट	चुरट, चिगारेट
बिड़ी	बिड़ि	बिड़ि
हुक्का, गुड़गुड़ी	होका, गुबगुबी	होका, गुरगुरी
मसाला	मछला	मछला
चीनी	चेनि	चेनि
वालू, निशाहार	वातिब आहार	रातिर आहार
मिठाई	मिठाई	मिठाई
चायपत्ती	चाहपात	चाहपात
चाय	चाह	चाह
पानी	पानी	पानी

शाक सब्जी, पेड़ पौधा आदि

(शाक-पाछनि गह-गहनि आदि)

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
सेब	आपेल	आपेल
बेल	बेल	बेल
ताम्रुल	तामोल	तामोल
बांस	बाँह	बांह
केला	कल	कल
पान	पान	पान
जामुन	क'ला जामु	कला जामु
शाखा	डाल	डाल
बैंगन	बेङेना	बेङेना
बन्दगोभी	बन्धाकबि	बंधाकबि
गाजर	गाजब	गाजर
फूलगोभी	फूलकबि	फूलकबि
दारचीनी	दालचेनि	दालचेनि
लौंग	लं	लं
नारियल	नारिकल	नारिकल
कपास	कपाह	कपाह
रुई	तुला	तुला
लता	लता	लता
ककड़ी	तियँह	तियँह
खजूर	खेजूर	खेजूर
गूलर	डिमरु	डिमरु
फूल	फूल	फूल
फल	फल	फल
माला	माला	माला

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
लहसुन	नहरु	नहरु
अदरक	आदा	आदा
लौकी	लाओ	लाओ
अंगूर	आङ्गूर	आङ्गूर
बास	बन, बाँस	बन, बाँस
चीनाबादाम	बादाम	बादाम
अमरुद	मधुरिआम	मधुरिआम
सन	सन	सन
कटहल	कठाल	कठाल
वेर	बगरि	बगरि
पत्ता	पात	पात
नोम्बु	नेमु, नेमुटेडा, कागजि	नेमु, नेमुटेडा, कागजि
पद्म	पद्म	पद्म
गम	गोमधान	गोमधान
आम	आम	आम
पदिना	पदिना	पदिना
प्याज	पियाज	पियाज
अंडा	कणी	कणी
सन्तरा	कमला, सुमथिरा टेडा	कमला, सुमथिरा टेडा
ताड़	ताल	ताल
नाशपत्ती	नाचपति	नाचपति
मटर	मटेब गाह	मटर माह
अनन्नास	आनाबस	आनारस
पेड़	गछ	गछ
दाड़िम्ब	डालिम	डालिम
आलू	आलू	आलू
शकरकन्द	बडा आलू	रडाआलू

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
घीया, कुम्हड़ा	कोमोबा	कोमोरा
मूली	मूला	मूला
किशमिश	खिचमिच	खिचमिच
चावल	चाउल	चाउल
धान	धान	धान
गुलाब	गोलाप	गोलाप
चंदन	चन्दन	चन्दन
बीज	गुटि	गुटि
छिलका	फलर बाकलि	फलर बाकलि
तिल	तिल	तिल
पालक साग	पाले शाक	पाले शाक
ईख, गन्ना	कुँहिया	कुँहियार
इमली	तेतेली	तेतेली
टमाटर	बिलाही वेडेना	बिलाही वेडेना
शलजम	चालगोम	चालगोम
साग-सब्जी	शाक-पाछलि	शाक-पाछलि
गेहूँ	गम	गम

विश्व और प्रकृति

(विश्व आक प्रकृति)

वायु	वायु	वायु
बतास	बताह	बताह
मेघ	मेघ	मेघ
आवोहवा	जलवायु	जलवायु
ठंडक	ठाण्डा	ठाण्डा
अंधकार	अन्धकार, आन्धकार	अंधकार

हिन्दी शब्द	असमोया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
दिन	दिन	दिन
तुहिन	नियब	नियर
मिट्टी	माटि	माटि
पृथ्वी	पृथिवी	पृथिवी
पूर्व	पूर	पूर
ग्रहण	ग्रहण	ग्रहण
चन्द्रग्रहण	छन्द्र ग्रहण	चन्द्रग्रहण
सूर्यग्रहण	सूर्या ग्रहण	सूर्यग्रहण
कुवाँसा	कुराँलि	कुवँलि
शिलावृष्टि	शिल बबयुण	शिल वरपुण
उत्ताप, गर्मी	ताप, गर्म	ताप, गरम
रोशनी	पोहर	पोहर
बिजली	बिजुलि	बिजुलि
चांद	छन्द, ज़ोन	चन्द्र, जोन
पूर्णमासी	पूरणिमा	पूर्णमा
अमावस	अमावस्या	अमावस्या
प्रकृति	प्रकृति	प्रकृति
चांदनी रात	जोनाक बाति	जोनाक राति
उत्तर	उत्तर	उत्तर
रात, निशा	बाति, निशा	राति, निशा
ग्रह	ग्रह	ग्रह
बरसात	बरयुण	वरपुण
इन्द्रधनुष	बागधेनु	रामधेनु
छाया	छाँ	छाँ
आकाश	आकाश	आकाश
बवण्डर	धुमुश	धुमुहा
दक्षिण	दक्षिण	दक्षिण

हिन्दी शब्द	असमोया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
नक्षत्र	तरा, नक्षत्र	तरा, नक्षत्र
सूर्य	सूर्या	सूर्य
धूप	ब'द	र'द
वज्रपात	बज्रपात	वज्रपात
पानी	पानी	पानी
जलप्रपात	जलप्रपात	जलप्रपात
मौसम	बतब	बतर
पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम
विश्व	विश्व	विश्व

भूमि और पानी

(माटि आक पानी)

किनारा	पाव	पार
समुद्र तीर	सागबब पाव	सागरर पार
स्रोत	स्रोत	स्रोत
ज्वार	जोराब	जोवार
भाटा	भाटा	भाटा
पहाड़	पाशाब	पाहार
द्वीप	द्वीप	द्वीप
ह्रद	ह्रद	ह्रद
पर्वत	पर्वत	पर्वत
महासमुद्र	महासागब	महासागर
समुद्र	सागब	सागर

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
समतल	समतल	समतल
पोखरा	पुथुबौ	पुखुरी
गढ़ा, ढाबर	डोवा	डोवा
नदी	नै, नदी	नै, नदी
नद	नद	नद
पत्थर	शिल	शिल
बालू	बालि	बालि
धूल	धूलि	धूलि
झरना	जान, जूबि	जान, जुरि
उपत्यका	उपत्यका	उपत्यका
लहर	ढो	ढौ
कुवाँ	कूवाँ	कुवाँ

खनिज धातु आदि
(खनिज धातु आदि)

फिटकिरी	फिटकिबि	फिटकिरि
काँसा	काँह	काँह
पितल, पीतल	पितल	पितल
ईंट	इंटा	इंटा
सीमेण्ट	चिमेट, बिलाति माटि	चिमेट, बिलाति माटि
कीचर	बोका	बोका
ताम्र, ताम्बा	ताम	ताम
प्रवाल	प्रवाल	प्रवाल
स्फटिक	फटिक	फटिक
हीरक	हीरा	हीरा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
काच, शीशा	काँच, आइना	काच, आइना
सोना	सोण	सोण
लोहा	लोहा, लो	लोहा, लो
सीस, रांग	सोह	सोह
चूना	चूण	चूण
पारद, पारा	पारा	पारा
धातु	धातु	धातु
खनिज वस्तु	खनिज वस्तु	खनिज वस्तु
मोती	मुक्ता	मुक्ता
रूप	रूप	रूप
तीखा, इस्पात	तीख	तीखा
पत्थर	पाथर	पाथर
टीन	टिं, टिन	टिं, टिन
लकड़ी	काँठ	काठ
दस्ता	दस्ता	दस्ता

पशु, पक्षी, मछली, कीट पतंगादि
(पशु, पक्षी, माछ पकड़ा आदि)

पशु,	पशु	पशु
कीट	पकड़ा	पकड़ा
गधा	गाधा	गाधा
खटमल	उबह	उबह
भालू	भालुक	भालुक
चिड़िया	चराइ	चराइ
भैंस	म'ह (मुइह)	म'ह (मुइह)

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
साँड़	षाड़	षाड़
तितली	पखिला	पखिला
बछड़ा	दांगुरी	दामुरी
ऊट	उटे	उट
बिल्ली	मेकुरी	मेकुरी
मुर्गी	मुर्गी	मुर्गी
गाय	गाइ, गाइगरु	गाइ, गाइगरु
केंकड़ा	केकोरा	केकोरा
कौवा	काउरी	काउरी
कोयल	कुली	कुलि
हिरण	हरिणा	हरिणा
कुत्ता	कुकुर	कुकुर
कपोत	कपो	कपो
हंस, बत्ताख	हँह	हाँह
हाथी	हाती	हाती
पंख	पाखी	पाखी
मछली	माछ	माछ
मकखी	माखि	माखि
शियार	शियाल	शियाल
मेढक	वेङ्, भेकुली	वेङ्, भेकुली
बकड़ी	छागली	छागली
रोम, लोम	नोम	नोम
झुंड	दल, पाल	दल, पाल
टाप	थुवा	खुरा
सींग	शिं	शिं
घोड़ा	घोवा	घोड़ा
पैर, टांग	ठै	ठै

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
सिंह	सिंह	सिंह
छिपकली	जेठी	जेठी
बंदर	बान्दर	बान्दर
मत्सर	मह	मह
मूषक	निगनि	निगनि
उल्लू	फेचा	फेचा
बैल	बलद	बलद
तोता, शुक	भाटौ	भाटौ
मोर	म'रा चराई	म'रा चराइ
कबूतर	पार	पार (अ)
चूहा	एन्दुर	एन्दुर
गेंडा	गड़	गड़
भेड़	भेड़ा	भेड़ा
साप	साप	साप
मकड़ा	मकरा	मकरा
लांगूल, पूंछ	नेज	नेज
शेर	बाघ	बाघ
कच्छप	काच	काच
गीध, गृध्र	शगुण	शगुण
दीमक	उइ परवा	उइ परवा

अङ्ग प्रत्यंगादि

(अङ्ग प्रत्यङ्गादि)

पिंडली

बाह

सक गांठि

बाह

सरु गांठि

बाहु

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
बगल	काषलति	काषलति
पीठ	पिठि	पिठि
दाढ़ी	दाड़ि	दाड़ि
पेट	पेट	पेट
खून	तेज	तेज
शरीर	देह, शरीर	देह, शरीर
हड्डी	हाड	हाड
मगज	मगज	मगज
स्तन	स्तन, पियाह	स्तन, पियाह
छाती	बुकु	बुकु
गाल	गाल	गाल
ठोड़ी	ठूतबी	ठूतरी
शरीर का रंग	गाँव बरग	गार बरण
कान	काँ	काण
कुहनी	किलाकुटि	किलाकुटि
आँख	चकु	चकु
तारा	चकुर मणि	चकुर मणि
भृकुटी	चेलाउबि	चेलाउरि
पलक	चकुर पता	चकुर पता
मुंह	मुख	मुख
मोटा	शकत	शकत
चर्बि	चर्बि	चर्बि
अंगुली	आङ्गुलि	आङ्गुलि
पैर, टांग	भरि	भरि
कपोल	कपाल	कपाल
लोम	लोम	लोम
बाल, केश	चुलि	चुलि

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
हाथ	हात	हात
माथा	मूव	मूर
हृदय	हृदय	हृदय
कलेजा	कलिजा	कलिजा
एड़ी	गोबोहा	गोरोहा
नितम्ब	नितम्ब	नितम्ब
घुटना	आठु	आठु
होंठ	ओठ	ओठ
मूँछ	गोफ	गोफ
नाखून	नख	नख
गला	डिडि	डिडि
नाक	नाक	नाक
कन्धा	कांध	कांध
कोख	काष	काष
खाल	चाल	चाल
पाकस्थली	पाकस्थली	पाकस्थली
अंगूठा	बुडा आङ्गुली	बुडा आङ्गुली
जीभ	जिभा	जिभा
दाँत	दाँत	दाँत
नाड़ी	शिरा	शिरा

स्वास्थ्य, रोग (बीमारी) और इलाज संबंधी

(स्वास्थ्य, बीमारि आर चिकित्सा सम्बन्धी)

दुर्घटना	दुर्घटना	दुर्घटना
काटना	कामोरा	कामोरा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
दंशन करना	मापे कागोवा	सापे कामोरा
अन्धा	कणा	कणा
रौंदना, खरोंचना	थेतेला थोरा	थेतेला खोवा
दग्ध, दाई	पोरा	पोरा
कपूर	कर्पूर	कर्पूर
यत्न	यत्न	यत्न
चेचक	बसन्त, सक आइ	बसन्त सरुआइ
सर्दी	पानालगा	प.नीलगा
यक्ष्मा	यक्ष्मा	यक्ष्मा
खाँसी	काइ	काह
नीरोग करना	भाल कबा, आबोग्य कबा	भालकरा आरोग्य करा
पथ्य	पथ्य	पथ्य
बोमार	बोग, असुथ, बेगाव	रोग, असुख, बेमार
डाक्टर	डाक्टर	डाक्टर
कविराज, वैद्य	कविबाज	कविराज
हकीम	हेकिम	हेकिम
औषध, दवा	औषध, दबब	औषध, दरब
गूंगा	बोवा	बोवा
महामारी, छूतका(रोग)	महामारी, माविमबक	महामारी, मारिमरक
व्यायाम	व्यायाम	व्यायाम
बेहोश	मूर्च्छा	मूर्च्छा
सिर चकराना	मूर्च्छाबनि	मूर घूरणि
ज्वर, बुखार	ज्वर	ज्वर
हड्डी टूटना	हाड्डभङ्गा	हाड्डभङ्गा
सेक	सेक	सेक
गठिया, वात	वात	वात
सरदर्द	मूर कामोबनि	मूर कामोरणि

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
स्वास्थ्य	स्वास्था	स्वास्थ्य
हिचकी	हिकति	हिकति
अस्पताल	आस्पताल	आस्पताल
दवाखाना	डाक्टरखाना	डाक्टरखाना
असुस्थ	असुस्थ	असुस्थ
स्वास्थ्यवान	स्वास्थावान	स्वास्थ्यवान
जलन	पोरणि	पोरणि
उन्माद, मानसरोग	उन्माद बोग	उन्माद रोग
पागलपन	पगला होरा	पागल होवा
विक्षिप्तता	बलिया होरा	बलिया होवा
लंगड़ा	थोरा	थोरा
धाय, दाई	धाइ	धाइ
परिचारिका	शुश्रूषाकारिणी	शुश्रूषाकारिणी
मरहूम	मलम	मलम
विष	विष	विष
वटी, गोली, टिकिया बड़ि		बड़ि
विश्राम	विश्राम, जिबनि	विश्राम, जिरणि
घाव	घा	घा
मोचखाना, मरोड़	मोचोका थोरा	मोचोका खोवा
चुभोना	बिन्धा, हुल फुटा	बिन्धा, हुल फुटा
खुदकशी, आत्महत्या	आत्महत्या	आत्महत्या
बली	बली	बलि
सूजन, फुलाव	उखहा	उखहा
उल्टी, कै	बमि, बाँति	बमि, बाँति
कृमि	क्रिमि, पेलु	क्रिमि, पेलु
दुर्बल	दुर्बल	दुर्बल
आघात, घाव	आघात घा	आघात, घा

रं आदि (रं आदि)

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
काला	कला	कला
नील	नीला	नीला
आकाशी	आकाशी	आकाशी
बादामी	बादामी	बादामी
गहरा रंग	गाढ़ रं	गाढ़ रं
हरा	सेउजीया, कलपटीया	सेउजीया, कलपटीया
भूरा रंग	माटीया	माटीया
हलका रंग	पातल रं	पातल रं
वैंगनीया, जामुनी	बेङ्गुनीया	बेङ्गुनीया
लाल	रङ्गा	रङ्गा
गुलाबी	गोलापी	गोलापी
सेंदुरी, ईगुरी	सेन्दुरीया	सेन्दुरीया
नील लोहित (रंग)	बेङ्गुनीया नीला	बेङ्गुनीया नीला
सफेद	बगा	बगा
पीला	हालधीया	हालधीया

समय और ऋतु आदि (समय आरु ऋतु आदि)

शाम	आबेलि, बियलि	आबेलि, बियलि
आरंभ	आबसु	आरम्भ
जन्मदिन	जन्मदिन	जन्मदिन
बड़ादिन	बरदिन	बरदिन

हिन्दी शब्द

असमीया शब्द

हिन्दी अक्षरों में

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
युग	युग	युग
तारीख	ताबिख	तारिख
रोज	निर्तो	नितौ
दैनिक	दैनिक	दैनिक
सबरे	प्रत्यूष, बातिपूरा	प्रत्यूष, रातिपुवा
दिन	दिन	दिन
दिन व दिन	दिनकदिने	दिनकदिने
परसोंतक	परहि, परहितै	परहि, परहितै
दिनका समय	दिनर बेला	दिनर बेला
वार	बार	बार
रविवार	रबिबार, देओबार	रविवार देओबार
सोमवार	सोमबार	सोमवार
मंगलवार	मंगलबार	मंगलवार
बुधवार	बुध बार	बुधवार
बृहस्पतिवार	बृहस्पति बार	बृहस्पतिवार
शुक्रवार	शुक्र बार	शुक्रवार
शनिवार	शनिबार	शनिवार
शेष	शेष	शेष
सांझ, संध्या	सन्ध्या, सन्धिया	सन्ध्या, सन्धिया
गोधूलि	गोधूलि	गोधूलि
पक्ष	पक्ष	पक्ष
शुक्लपक्ष	शुक्ल पक्ष	शुक्ल पक्ष
कृष्णपक्ष	कृष्ण पक्ष	कृष्णपक्ष
बंद	बन्ध	बंध
घण्टा	घण्टा	घण्टा
आधाघण्टा	आधाघण्टा	आधा घण्टा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
मुहूर्त्ता	मुहूर्त	मुहूर्त्ता
दोपहर	{ दुपबौया दुपब बेला	दुपरीया दुपरवेला
मध्यरात्रि	माजनिशा	माजनिशा
मिनट	मिनिटे	मिनिट
महीना	माह	माह
मासिक	माहकोश	माहेकीया

माहका नाम

(माहब नाम)

वैशाख	वशाग	बहाग
जेष्ठ	जेठ	जेठ
आषाढ़	आशब	आहार
श्रावण (सावन)	शा०ग	शाओण
भाद्र (भादों)	भाद्र	भाद्र
आश्विन (कवार)	आशिन	आहिन
कार्तिक	काति	काति
अग्रहण (अघैन)	आघोन	आघोन
पौष (पूस)	पूह	पुह
माघ	माघ	माघ
फाल्गुण (फागुन)	फा०ग	फागुण
चैत्र (चैत)	च'त	च'त
सुवह	बातिपूरा, आगबेला	रातिपुवा, आगबेला
रात	बाति, निशा	राति, निशा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
अब	एतिशा	एतिया
आजकल	आजिकालि	आजिकालि
ऋतु	ऋतु	ऋतु

ऋतुका नाम

(ऋतुब नाम)

ग्रीष्म	ग्रीष्म, गवमदिन	ग्रीष्म, गरमदिन
वर्षा, वरसात	वर्षा, बारिषा	वर्षा, बारिषा
शरत्	शरत्	शरत्
हेमन्त	हेमन्त	हेमन्त
शीत	शीत	शीत
जारेका मौसम	जाबकालि	जारकालि
वसन्त	वसन्त	वसन्त
सेकेन्द	चेकेन्द	चेकेन्द
सूर्योदय	सूर्योदय	सूर्योदय
सूर्यास्त	सूर्यास्त, बेलिमार	सूर्यास्त, बेलिमार
काल	काल, समय, बेला	काल, समय, बेला
आज	आजि	आजि
कल	काइलै, अहाकालि	काइलै, अहाकालि
रातको	निशा, आजिनिशा	निशालै, आजिनिशा
सप्ताह	सप्ताह	सप्ताह
प्रति सप्ताह	प्रति सप्ताहे	प्रतिसप्ताहे
सामाहिक	साप्ताहिक	साप्ताहिक
वर्ष	वर्ष	वर्ष
प्रतिवर्ष	प्रति वर्षे	प्रति बछरे

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
वार्षिक	बह्वेकीया	बह्वेकीया
कल (गत)	कालि, योराकालि	कालि, यो(ज)वाकालि

नगर और गांव

(नगर आरु गाँव)

पुल	मल	दल
घर	घर	घर
कब्रिस्तान	कबरस्थान	कबरस्थान
श्मशान	श्मशान	श्मशान
गीर्जा	गीर्जा	गीर्जा
खेतका मैदान	खेतिपथार	खेतिपथार
देश	देश	देश
गांव	गाँव	गांव
आंगन	चोताल	चोताल
चौराहा	चाबिआलि	चारिआलि
फूलवारी	फूलनि	फूलनि
खेत, मैदान	पथार	पथार
पताका	पताका	पताका
वन	वन	वन
अरण्य	अरण्य	अरण्य
जंगल	जंगल	जंगल
कारखाना	काबथाना	कारखाना
होटल	होटेल्	होटेल
कुटीर	पजा	पजा
अतिथिशाला	आलशैघर	आलहीघर

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
घाट	घाटे	घाट
बाजार	बजार	बजार
मील	माइल	माइल
मिल, कारखाना	मिल, कल	मिल, कल
मस्जिद	मचजिद	मचजिद
प्रासाद	प्रासाद	प्रासाद
राज अट्टालिका	राजकाबे	राजकारें
उद्यान	उद्यान	उद्यान
पुलिस थाना	थाना	थाना
पुलिस	पुलिच	पुलिच
डाकघर	डाकघर	डाकघर
जेल	जेन	जेल
चाय दूकान	चाइदोकान	चाह दोकान
डाक बांला	डाकबडला	डाक बडला
रास्ता	बांला, आलि	रास्ता, आलि
स्कूल	स्कूल	स्कूल
पाठशाला	पाठशाला	पाठशाला
मदरसा	मक्ताब, माद्राछा	मक्ताब, माद्राछा
संस्कृत पाठशाला	टोल	टोल
कॉलेज	कलेज	कलेज
दूकान	दोकान	दोकान
साइनबोर्ड, नामपटल	चाइनबोर्ड	चाइनबोर्ड
मंदिर	मन्दिर	मन्दिर
रंगशाला	थियेटार	थियेटार
नाटघर	नाटघर	नाटघर
भाओना (नौटंकी)	भाओना	भाओना
कब्र	कबर	कबर

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
नगर	नगब	नगर
महानगर	महानगब	महानगर
विश्वविद्यालय	विश्वविद्यालय	विश्वविद्यालय
राह	राटे	बाट
चिड़ियाखाना	चिड़ियाखाना	चिरियाखाना

परिवार और रिस्तेदार

(पवित्रान आरु हेके कुटुम्ब आदि)

पूर्वज, पुरखा	पूर्व पुरुष	पूर्व पुरुष
बुआ, फूफी	पेशो	पेही
काकी	जेठाई	जेठाइ
मौसी	माशौ	माही
चाची	थुबी	खुरी
मामी	माशौ	मामी
कुवाँरा	दङ्गुरा	दङ्गुवा
लड़का	ल'बा	ल'रा
दुलहिन	कइना	कइना
दुल्हा, वर	बर, दवा	बर, दरा
बड़ा भाई	ककाई [संबोधन करते समय "ककाई-देउ" कहते हैं]	ककाइ
भाई	भाई	भाइ
बहनोई	बैनाई	बैनाइ
जीजा	जेठेबी	जेठेरी
साला	थुलशाली	खुलशाली
भासुर	बरजना	बरजना

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
देवर	देउब	देओर
साढ़ू	शालपति	शालपति
शिशु	केचुवा	केचुवा
भांजा	भतिजा	भतिजा
सौत	सतिनी	सतिनी
लड़की	छोवाली	छोवाली
बेटा	जी, जीयेक	जी, जीयेक
बहू	बोवारी	बोवारी
पिताजी	पिता, देउता, बोपाई	पिता, देउता, बोपाइ
शशुर	शहुर	शहुर
पोता, पोती	नाति-पुति	नाति-पुति
पोती वा नतिनी	नातिनी नातिनी, छोवाली नातिनी,	नातिनी छोवाली
नाना	कका, ककादेउता	कका, ककादेउता
नानी	आइता, बुढी आइ	आइता, बुढी आइ
पोता, नाती	नाति, नाति लवा	नाति, ताति लरा
उत्तराधिकार	उत्तराधिकार	उत्तराधिकार
स्वामी	स्वामी	स्वामी
कुमारी	कुमाबी	कुमारी
पुरुष	पुरुष	पुरुष
मनुष्य, आदमी	मानुह	मानुह
नौकरानी	चाकरनी, बेटी	चाकरनी, बेटी
व्याह, विवाह	बिया, बिवाह	बिया, बिवाह
माँ	आइ, मा	आइ, मा
सास	शाह	शाहु
भागिन	भागिन	भागिन

हिन्दी शब्द	असमोया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
भांजी	ভতিজা জী	भतिजा जी
भागिनी	ভাগিনি	भागिनि
संपर्क	সম্পর্ক	सम्पर्क
संबंध	সম্বন্ধ	संबंध
संपर्कीय	সম্পর্কীয়	सम्पर्कीय
भाभी	নব্বী	नव्वी
ननद	নন্দক	नन्देक
पुत्र	পো, পুতেক	पो, पुतेक
जामाता	জোঁরাই	जोंबाइ
नौकर	চাকর, লগুৱা	चाकर, लगुवा
सौतेली माँ	মাঁহী আই, মাঁহী মাক	माही आइ, माही माक
चाचा	খুঁবা, দদাই	खुरा, ददाइ
मामा	মোমাঁই, মাঁমা	मोमाइ, मामा
फूफा	পেশা	पेहा
मौसा	মহা	महा
विधवा	বিধবা	विधवा
विधुर	বধনা	वरला
पत्नी, स्त्री	ঘৈনী, পত্নী, তিবোতা	घैणी, पत्नी, तिरोता
औरत, स्त्री	মাঁহীকী মানুহ	माइकी मानुह
सधवा	সধবা	सधवा
भाइयों का क्रम		
बड़ा	বব	बर
मंकेला	মাঁজু	माजु
छोटा	জক	सरु

पानी और आकाश पथ द्वारा भ्रमण

(पानी आक आकाश पथद्वि भ्रमण)

हिन्दी शब्द	असमोया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
विमानपोत	বিমান কোঠ	विमान कोठ
आगमन	আগমন	आगमण
आ पहुंचना	আহি পোৱা	आहि पोवा
थैला	মোনা	मोना
नाव	নাও	नाओ
केवट, मल्लाट	নাৱবোঁৱা	नावरीया
टिकटघर	টিকটঘর	टिकटघर
पेटी	বাকচ	बाकच
लगाम	লাকাম	लाकाम
गाड़ी	গাড়ী	गाड़ी
बैलगाड़ी	গরু গাড়ী	गरु गाड़ी
तांगा, घोड़ागाड़ी	ঘোঁবা গাড়ী	घोरागाड़ी
गद्दी	গাদী	गादी
कमरा	কোঠা	कोठा
श्रोत	সোঁত	सोंत
यात्रा	যাত্রা	यात्रा
द्राइभार	ড্রাইভার	द्राइभार
खर्च	খরচ	खरच
किराया	ভাড়া	भारा
पताका	পতাকা, নিচান	पताका, निचान
गार्ड	গার্ড	गार्ड
निर्देशक	নির্দেশক	निर्देशक
सामान	লাগেজ, মালবস্তু	लागेज, मालवस्तु
पत्तवार, चधु	বঠা	बठा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
कार्यालय, अफिस	अफिच	अफिच
यात्री	यात्री	या(जा)त्री
घाट	घाट	घाट
चालक	चालक	चालक
बंदरघाट	बन्दर	बंदर
रेलपथ	बेलपथ	रेलपथ
रेलगाड़ी	बेलगाड़ी	रेलगाड़ी
रसीद	रचिद	रचिद
पाल, बादवान	पाल	पाल
स्टेशन	क्वेटन	स्टेशन
खानसामा	खानचागा	खानचामा
टिकट	टिकट	टिकट
भ्रमणकारी	भ्रमणकारी	भ्रमणकारी
भ्रमण	भ्रमण	भ्रमण
मालगाड़ी	मालगाड़ी	मालगाड़ी
डाकगाड़ी	डाकगाड़ी	डाकगाड़ी
नौ यात्रा	नौ यात्रा	नौ या(जा)त्रा
विश्राम गृह	जिबनि घर	जिरणि घर

कला, साहित्य, विद्या, धर्म, अनुभूति इत्यादि

(कला, साहित्य, विद्या, धर्म, अनुभूति इत्यादि)

अंक	अंक (नाटकका)	अंक
शीत-ताप नियंत्रित	शीत-ताप नियंत्रित	शीत-ताप नियंत्रित
भिक्षा	भिक्षा	भिक्षा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
देवदूत	देवदूत	देवदूत
नृतत्व	नृत्य	नृतत्व
कला	{ ललित कला शकुमार कला	ललित कला सुकुमार कला
नास्तिक	नास्तिक	नास्तिक
गुस्सा	खड्	खड्
सहायता	सहाय	सहाय
गाथा	गाथा, गीत	गाथा, गीत
सौंदर्य	सौन्दर्य	सौन्दर्य
विश्वास	विश्वास, प्रत्यय	विश्वास प्रत्यय
प्राणीविद्या, जीवविद्या	जौरविद्या	जीवविद्या
तूलिका	तुलि	तुलि
दया	दया	दया
ममता	ममता	ममता
दान	दान	दान
रसायन	रसायन	रसायन
शीर्षविन्दु	परिणति	परिणति
मिलनान्तक नाटक	मिलनान्तक नाटक	मिलनान्तक नाटक
यंत्र संगीत	यंत्र संगीत	यंत्र संगीत
विवेक	विवेक	विवेक
सौजन्य	सौजन्य	सौजन्य
हिम्मत	साह	साह
समालोचक	समालोचक	समालोचक
संस्कृति	कृष्टि, संस्कृति	कृष्टि, संस्कृति
नृत्य	नाच, नृत्य	नाच, नृत्य
मृत्यु	मृत्यु	मृत्यु
प्यारे	मदमद	मदमद

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
राक्षस	बाक्म	राक्षस
स्वर्गीय	श्वर्गीय	स्वर्गीय
पूजा	पूजा	पूजा
अविश्वास	अविश्वास	अविश्वास
सन्देह	सन्देह	सन्देह
नाटक	नाटक	नाटक
चित्र	छवि	छवि
शिक्षा	शिक्षा	शिक्षा
भाव	भाव	भाव
अनुभूति	अनुभूति	अनुभूति
दुस्मनी, शत्रुता	शत्रुता	शत्रुता
महाकाव्य	महाकाव्य	महाकाव्य
विश्वास	आस्था, विश्वास	आस्था, विश्वास
उपवास	उपवास (धार्मिक)	उपवास
अनशन	अनशन (राजनैतिक)	अनशन
कल्पना	कल्पना	कल्पना
भय	भय	भय
क्षमा	क्षमा	क्षमा
चालबाज	थग	थग
बंधुत्व	बन्धुत्व	बन्धुत्व
भूगोल	भूगोल	भूगोल
भूविद्या	भूविद्या	भूविद्या
आनन्द	आनन्द	आनन्द
ईश्वर	ईश्वर	ईश्वर
भगवान	भगवान	भगवान
खुदा	खोदा	खोदा
अल्लाह	अल्ला	अल्ला

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
मंगल	मङ्गल	मंगल
घृण	घिण, घृणा	घिण, घृणा
आदत	अभ्यास	अभ्यास
स्वर्ग	श्वर्ग	स्वर्ग
नरक	नरक	नरक
नायक	नायक	नायक
वीरत्वपूर्ण	वीरत्वपूर्ण	वीरत्वपूर्ण
वीरत्व	वीरत्व	वीरत्व
इतिहास	बुख्शी	बुरंजी
पवित्र	पवित्र	पवित्र
पवित्रता	पवित्रता	पवित्रता
सन्मान	मान	मान
आशा	आशा	आशा
हास्यरस	हास्यरस	हास्यरस
विनोदपूर्ण	खुहतीया	खुहतीया
मूर्ति	मूर्ति	मूर्ति
प्रतिमा	प्रतिमा	प्रतिमा
मनोभाव	मनोभाव	मनोभाव
अवतार	अवतार	अवतार
बुद्धि	बुद्धि	बुद्धि
यीशु	यीशु	यी(ज)शुखुष्ट
ईर्ष्या	ईर्ष्या	ईर्ष्या
ज्ञान	ज्ञान	ज्ञान
दया	दया	दया
दयालु	दयालु	दयालु
जीवन	जीवन	जीवन
प्राण	प्राण	प्राण

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
ज्योति, रोशनी	পোহৰ	पोहर
प्रभु	প্রভু	प्रभु
प्रेम करना	ভালপোৱা	भालपोवा
प्रेम	প্রেম	प्रेम
प्यार	মৰম	मरम
प्रीति	প্ৰীতি	प्रीति
स्नेह	স্নেহ	स्नेह
गीतिकाव्य	গীতিকাব্য	गीतिकाव्य
इच्छा	ইচ্ছা, হাবিলাস	इच्छा, हाबियास
अंकशास्त्र	গণিত	गणित
करुणा	করুণা	करुणा
सुर, स्वर	সুৰ	सुर
स्मृतिशक्ति	স্মৃতিশক্তি	स्मृतिशक्ति
मन	মন	मन
बुरा लगना	বেয়াপোৱা	वेया पोवा
धर्मयाजक	ধর্ম প্রচারক	धर्म प्रचारक
पादरी	পাদুরী	पादुरी
संगीत	সংগীত	संगीत
उपन्यास	উপন্যাস	उपन्यास
आशावाद	আশাবাদ	आशावाद
दुःख	দুঃখ	दुःख
अमन, शान्ति	শান্তি	शान्ति
निराशावाद	নিরাশাবাদ	निराशावाद
भाषाविज्ञान	ভাষাতত্ত্ব	भाषातत्व
पदार्थ विज्ञान	পদার্থবিজ্ঞান	पदार्थ विज्ञान
दर्शन	দর্শন	दर्शन
कविता	কবিতা	कविता

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
दरिद्र	দরিদ্র	दरिद्र
दरिद्रता	দরিদ্রতা	दरिद्रता
प्रशंसा	প্রশংসা	प्रशंसा
प्रार्थना	প্রার্থনা	प्रार्थना
गद्य	গদ্য	गद्य
धर्म	ধর্ম	धर्म
छंद	छন্দ	छन्द
अधिकार	অধিকার	अधिकार
ऋषि	ঋষি	ऋषि
संत	সাধু	साधु
सन्त	সন্ত	सन्त
मुक्ति	মুক্তি	मुक्ति
शैतान	চয়তান	चयतान
त्राणकर्त्ता	ত্রাণকর্তা	त्राणकर्त्ता
नजारा, दृश्य	দৃশ্য	दृश्य
विज्ञान	বিজ্ঞান	विज्ञान
शिल्पकला, भास्कर विद्या	ভাস্কর্য্য	भाष्कर्य
अनुभूति	অনুভূতি	अनुभूति
भावप्रवण	ভাবপ্রবণ	भावप्रवण
सेवा	সেবা	सेवा
नमस्कार	নমস্কাৰ	नमस्कार
पाप	পাপ	पाप
आत्मा	আত্মা	आत्मा
आध्यात्मिक	आধ্যাত্মিক	आध्यात्मिक
कहानी	গল্প	गल्प
प्रतीक	প্রতীক	प्रतीक
चिन्ह	চিহ্ন	चिन्ह

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
सहानुभूति	महानुभूति	सहानुभूति
आख्यायिका	साधुकथा	साधुकथा
प्रलोभन	अलोभन	प्रलोभन
चिन्ता	चिन्ता	चिन्ता
क्षणस्थायी	क्षणशायी	क्षणस्थायी
पुनर्जन्म	पुनर्जन्म	पुनर्जन्म
विश्वास	{ विश्वास भरषा	विश्वास भरषा
सत्य	सत्ता	सत्य
पद्य	पद्य	पद्य
पुण्य	पुण्य	पुण्य
ज्ञान	ज्ञान	ज्ञान
विस्मय	विस्मय	विस्मय
आश्चर्य	{ आचरित आचरित होवा	आचरित आचरित होवा
लेखक	लेखक	लेखक
लेखिका	लेखिका	लेखिका
कवि	कवि	कवि
कवयित्री	कवयित्री	कवयित्री

कानून और राजनीति आदि

(आइने आक राजनीति विषयक)

फरार होना	पलोवा	पलोवा
फरार	पलरीया	पलरीया
आभयोग लाना	दोषारोप करा	दोषारोप करा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
मुजरिम	आचामी	आचामी
दोषी	दोषी	दोषी
रिहाई	खालाच	खालाच
कानून	आइने	आइने
स्थगित	स्थगित रखा	स्थगित रखा
दत्तकपुत्र	तोलनीया पो	तोलनीया पो
साबालक, प्राप्तवयस्क	प्राप्तवयस्क	प्राप्तवयस्क
नसीहत, उपदेश	उपदेश	उपदेश
वकील	उकल	उकल
शपथ	शपथ	शपथ
सर्त	स्वर्त	स्वर्त
तरफसे	ओरफे	ओरफे
पैतृक	पैतृक	पैतृक
सूचना	गोहावि (जनताको) गोहारि	गोहारि
अपील	आपील (न्याय लयमें) आपील	आपील
दरखास्त	दरखास्त	दरखास्त
मध्यस्थता, पंचनिर्णय	मध्यस्थता	मध्यस्थता
तर्क	तर्क	तर्क
बंदी	बन्दी	बन्दी
गिरफ्तार	ग्रेप्तार	ग्रेप्तार
मारपीट	मारपिट	मारपिट
सदन	सदन	सदन
जमाबन्दी	जमाबन्दि	जमाबन्दि
कुर्की, जब्ती	क्रोक	क्रोक
अधिकार	अधिकार	अधिकार
जामीन	जामिन	जामिन
पक्ष, ओर	पक्ष	पक्ष

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
उत्कोच, घूस, रिश्वत	घोच	घोच
प्रार्थी	प्रार्थी	प्रार्थी
प्रचार	प्रचार	प्रचार
मुकद्दमा	मोकद्दमा	मोकद्दमा
जनगणना, आदमसूमारी	मानुहपियल	मानुहपियल
दायित्व	दायित्व	दायित्व
खर्च	खर्च	खर्च
दावा	दावी	दावी
मुआवजा, क्षतिपूरण	क्षतिपूरण	क्षतिपूरण
आपत्ति	आपत्ति	आपत्ति
सम्मति	सम्मति	सम्मति
कचहरी	काछाबी	कछारी
अदालत	आदालत	आदालत
दीवानी कचहरी	देवानौ आदालत	देवानी आदालत
फौजदारी कचहरी	फौजदाबी आदालत	फौजदारी आदालत
जिरह, परिपरीक्षण	जेरा	जेरा
अपराध	अपराध	अपराध
हिसाब	हिचाब	हिचाब
प्राप्ति, स्वीकार	प्राप्ति स्वीकार	प्राप्ति स्वीकार
पता	ठिकना	ठिकना
विज्ञापन	बिज्ञापन	बिज्ञापन
सत्त	चुक्ति	चुक्ति
वाक्री वकया	वाक्री	वाक्री
नीलाम	निलाग	निलाग
हिसाब परीक्षक	हिचाब परीक्षक	हिचाब परीक्षक
औसत	गड़, गड़े	गड़, गड़े

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
दलील	दलील	दलील
मानहानि	मानहानि	मानहानि
आत्मरक्षा	आत्मरक्षा	आत्मरक्षा
प्रजातंत्र, गणतंत्र	प्रजातंत्र	प्रजातंत्र
अस्वीकार करना	अस्वीकार कबा	अस्वीकार करा
दावा	दावी	दावी
इजाहार, वयान	एजाहार	एजाहार
बरखास्त	बरखास्त	बरखास्त
तालाक	तालाक	तालाक
निर्वाचन	निर्वाचन	निर्वाचन
संपत्ति	संपत्ति	संपत्ति
साक्ष्य	साक्ष्य	साक्ष्य
अर्थनीति	अर्थनीति	अर्थनीति
जुरमाना	जुरिमाना	जुरिमाना
सरकार	सरकार	सरकार
दोषी	दोषी	दोषी
वंशगत	वंशगत	वंशगत
शिनाख्त करना	चिनाख्त कबा	चिनाख्त करा
कारावास	कारादण्ड	कारादण्ड
अन्याय	अन्याय	अन्याय
न्याय	न्याय	न्याय
इलाका	एलेका	एलेका
वालिंग, साबालक	साबालक	साबालक
नाबालिग	नाबालक	नाबालक
खबर	बातरि, खबर	बातरि, खबर
अखबार	बातरि काकत, खबर कागज	बातरिकाकत, खबर कागज

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
दखल	दथल	दखल
मौखिक	मोखिक	मौखिक
विभाजन	बिभाजन	बिभाजन
पक्ष	पक्ष	पक्ष
दल	दल	दल
दंड	दण्ड	दण्ड
व्यक्ति	व्यक्ति	व्यक्ति
व्यक्तिगत	व्यक्तिगत	व्यक्तिगत
वादी, दावेदार	फरियादी	फरियादी
राजनीति	राजनैति	राजनीति
जनता	राइज	राइज
तहरीर, दस्तावेज	नथि	नथि
रिहाई	खालाच	खालाच
विद्रोह	बिद्रोह	बिद्रोह
भेदिया, गुप्तचर	गुप्तचर	गुप्तचर
व्ययानत	जवानबन्दी	जवानबन्दी
चोरी	चुरि	चुरि
विचार	बिचार	बिचार
बनाम	बनाम	बनाम
साक्षी	साक्षी	साक्षी
जय	जय	जय
पराजय	पराजय	पराजय

व्यवसाय संबंधी
(व्यावसाय शब्द)

हिसाब	हिचाब	हिचाब
प्राप्ति, स्वीकार	प्राप्ति स्वीकार	प्राप्ति स्वीकार
पता	ठिकना	ठिकना
बिज्ञापन	बिज्ञापन	बिज्ञापन
सत्त	चुक्ति	चुक्ति
बाकी बकया	बाकी	बाकी

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
नीलाम	निलाम	निलाम
हिसाब परीक्षक	हिचाब परीक्षक	हिचाब परीक्षक
औसत	गड़, गड़े	गड़, गड़े
व्यापार व्यवसाय	वेपार	वेपार
दिवाला निकलना	देवलीया	देवलीया
चुक्तिनामा, दस्तावेज	चुक्तिपत्र	चुक्तिपत्र
दलाल	दालाल	दालाल
दलाली, दस्तुरी	दालाली	दालाली
व्यवसाय	व्यावसाय, कारबार	व्यवसाय, कारबार
खरीदार, ग्राहक	किनोता, ग्राहक	किनोता, ग्राहक
राजधानी	राजधानी	राजधानी
मूलधन	मूलधन	मूलधन
नगद	नगद	नगद
दावा	दावी	दावी
ठेका	ठिका	ठिका
वाणिज्य	वाणिज्य	वाणिज्य
सहयोग	सहयोग	सहयोग (जो) ग
जमा	जमा	जमा
क्षति, नुकसान	क्षति, लोकचान, शानि	क्षति, लोकचान, हानि
उधार	धार	धार
असाधु	असाधुता	असाधुता
दुर्नीति	दुर्नीति	दुर्नीति
नियमानुवर्तिता	नियमानुवर्तिता	नियमानुवर्तिता
कर्जदार	धरवा	धरवा
साहिदा	चाहिदा	चाहिदा
निर्यात	रप्तानि	रप्तानि
किराया	भाड़ा	भाड़ा
आयात	आमदानि	आमदानि
आय	आय, उपार्जन	आय, उपार्जन
आयकर	आयकर	आयकर

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
बीमा	बीमा	बीमा
जीवन बीमा	जीवनबीमा	जोवन बीमा
सूद	सूत	सुत
लगाना	{ खटा	खटा
रुपये लगाना	{ टका खटा	टका खटा
दायित्व	दायित्व	दायित्व
बजार	हाट, बजार	हाट, बजार
बजार भाव	बजार दर	बजार दर
बजार का दिन	हाटवार	हाटवार
एकाधिकार	एकचेतिया	एकचेतिया
सामेदार, अंशीदार	अंशीदार	अंशीदार
सामेदारी	अंशीदारी	अंशीदारी
औसतन	शतकरा	शतकरा
मूल्य, दाम, कीमत	दाम, मूल्य, दर भाओ	दाम, मूल्य, दर, भाओ,
मूल्यसूची	मूल्य तालिका	मूल्य तालिका
लाभ	लाभ	लाभ
खरीदना	क्रय	क्रय
फुटकर, खुदरा	खुचुरा	खुचुरा
नमूना	नमूना	नमूना
विक्री	विक्री	विक्री
अंश	अंश	अंश
जहाज	जाहाज	जाहाज
संभरण	योगान	यो(जो)गान
कर	खाजना, कर	खाजना, कर
लेनदेन	लेनदेन	लेनदेन
गोदाम, भण्डार	गुदाम घर	गुदामघर
थोक	पायकारी	पायकारी
तार	तार	तार

नौकरी और पेशा आदि

(चाकरी आक बावसाय आदि)

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
अभिनेता	अभिनेता	अभिनेता
अभिनेत्री	अभिनेत्री	अभिनेत्री
राजदूत	राजदूत	राजदूत
बढ़ई	मिस्त्री	मिस्त्री
कारीगर	कारिकर	कारिकर
शिल्पी	शिल्पी	शिल्पी
ज्योतिषी	ज्योतिषी	ज्योतिषी
ज्योतिर्विद	ज्योतिर्विद	ज्योतिर्विद
लेखक	लेखक	लेखक
रोटीवाला	रुटीवाला	रुटीवाला
पटवारी, महाजन	महाजन	महाजन
नाई	नापित	नापित
लोहार	कमार	कमार
पुस्तक विक्रेता	पुथि बेचोता	पुथि बेचोता
दलाल	दालाल	दालाल
कसाई	कचाइ	कचाइ
प्रार्थी	प्रार्थी	प्रार्थी
परीक्षार्थी	परीक्षार्थी	परीक्षार्थी
लिपिक, आलेखक	केराणी	केराणी
मुची	मुची	मुची
ठेकेदार	ठिकादार	ठिकादार
रसोइया (पुं)	रांघनि (पुं)	रांघनि
(स्त्री)	रांघनी (स्त्री)	रांघनी

हिन्दी शब्द	असमोया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
चरवाहा	गरखीया	गरखीया
संपादक	सम्पादक	सम्पादक
किसान	खेतियक, कृषक	खेतियक, कृषक
धीवर	जालोवा, नदीयाल	जालोवा, नदीयाल
अतिथि	आलही	आलही
सोनार	सोणारी	सोणारी
दोकानी	दोकानी	दोकानी
गृहस्थ	गृहस्थ	गृहस्थ
जादुगर	{ यादूकब बाजौकब	या (जा)दुकर बाजीकर
मजदुर	बनूरा	बनुवा
महाजन	आउद, महाजन	साउद, महाजन
गुवाल	गुवाल	गुवाल
संगीतज्ञ	संगीतज्ञ	संगीतज्ञ
धाय	धाइ	धाइ
कवि	कवि	कवि
दारोवान	दारोवान	दारोवान
कुली	मुटिया, कुलि	मुटिया, कुलि
पियन	पियन	पियन
रण्डो, वेश्या	वेश्या	वेश्या
नटी	नटी	नटी
कुम्हार	कुमार	कुमार
अध्यापक	अध्यापक	अध्यापक
नाविक	नाविक	नाविक
शिक्षक	शिक्षक	शिक्षक
शिक्षयत्री	शिक्षयत्री	शिक्षयत्री
नौकर	चाकर, लघुरा	चाकर, लघुवा

हिन्दी शब्द	असमोया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
गायक	गायक	गायक
सैनिक	सैनिक	सैनिक
छात्र	छात्र	छात्र
छात्री	छात्री	छात्री
जमादार	जमादार	जमादार
दर्जी	दर्जी	दर्जी
धोबा	धोबा	धोबा

खेल कूद

(खेल धेमालि)

लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य
बंसीसे मछली पकड़ना	बबशीबोवा	बरशीबोवा
कांटा, बंसी	बबशी	बरशी
चेष्टा	चेष्टा	चेष्टा
बन्दूकका नाल	बन्दूकब नली	बन्दुकर नली
नाव	नाओ	नाओ
नाविक	नावरीया	नावरीया
गोली	गुलि	गुलि
शिविर	शिविर	शिविर
टोप, टोपी,	टुपी	टुपी
दलपति	दलपति	दलपति
आमोद-प्रमोद	आमोद	आमोद
उपभोग	उपभोग	उपभोग
खेल	खेल	खेल
शिकार	चिकार	चिकार

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
साथ देना	যোগদে	योगदे
चाकू	কটোৰী, চুৰি	कटारी, चुरि
खेलकूद	খেলাধৰ্মা	खेलधेमालि
मैदान	খেলাপথাৰ	खेलपथार
खिलाड़ी	খেলাুৱৈ	खेलुवै

मूल संख्या और क्रमिक संख्या

(मूल संख्या आः क्रमिक संख्या)

आम व्यवहारमें आनेवाली क्रमिक संख्याओंको ही वेष्टनीके अंदर दिया गया है।

हिन्दी संख्या	असमीया अक्षरों में	हिन्दी अक्षरों में
१	এক (प्रथम)	एक (प्रथम)
२	দুই (द्वितीय)	दुइ (द्वितीय)
३	তিনি (तृतीय)	तिनि (तृतीय)
४	চারি (चतुर्थ)	चारि (चतुर्थ)
५	পাঁচ (पञ्चम)	पाच (पंचम)
६	ছয় (षष्ठ)	छय (षष्ठ)
७	সাত (सप्तम)	सात (सप्तम)
८	আট (अष्टम)	आठ (अष्टम)
९	ন (नवम)	न (नवम)
१०	দশ (दशम)	दह (दशम)
११	এগার (एकादश)	एघार (एकादश)
१२	বার (द्वादश)	बार (द्वादश)
१३	তের (त्रयोदश)	तेर (त्रयोदश)

हिन्दी संख्या	असमीया अक्षरों में	हिन्दी अक्षरों में
१४	চৈধ্য (चतुर्दश)	चेध्य (चतुर्दश)
१५	পোন্ধর (पञ्चदश)	पोन्धर (पंचदश)
१६	ষোল্ল (षष्ठदश)	षोल्ल (षष्ठदश)
१७	সাতর (सप्तदश)	सोतर (सप्तदश)
१८	ওঠর (अष्टदश)	ओठर (अष्टदश)
१९	উনৈশ (उनविंश)	उनैश (उनविंश)
२०	বিশ (विंश)	विश (विंश)
२१	একৈশ (एकविंश)	एकैश (एकविंश)
२२	দ্বাইশ (द्वाविंश)	बाईश (द्वाविंश)
२३	ত্রেইশ (त्रयोविंश)	तेइश (त्रयोविंश)
२४	চব্বিশ (चतुर्विंश)	चब्बिश (चतुर्विंश)
२५	পচিশ (पञ्चविंश)	पचिश (पंचविंश)
२६	চাষিশ (षाड—)	चाब्बिश (षड—)
२७	সাতাইশ (सप्त—)	साताइश (सप्त—)
२८	আঠাইশ (अष्ट—)	आठाइश (अष्ट—)
२९	উনত্রিশ (उनत्रिंश)	उनत्रिश (उनत्रिंश)
३०	ত্রিশ (त्रिंश)	त्रिश (त्रिंश)
३१	একত্রিশ (एकत्रिंश)	एकत्रिश (एकत्रिंश)
३२	বত্রিশ (द्वा—)	बत्रिश (द्वा—)
३३	ত্রেত্রিশ (त्रायस—)	तेत्रिश (त्रायस—)
३४	চৌত্রিশ (चतुस—)	चौत्रिश (चतुस—)
३५	পয়ত্রিশ (पञ्च—)	पयत्रिश (पंच—)
३६	ছয়ত্রিশ (षट्—)	छयत्रिश (षट्—)
३७	সাতত্রিশ (सप्त—)	सातत्रिश (सप्त—)
३८	আঠত্রিশ (अष्ट—)	आठत्रिश (अष्ट—)
३९	উনচল্লিশ (उनचत्वारिंश—)	उनचल्लिश (उनचत्वारिंश)
४०	চল্লিশ (चत्वारिंश)	चल्लिश (चत्वारिंश)

हिन्दी संख्या	असमीया अक्षरों में	हिन्दी अक्षरों में
४१	एकचल्लिश (एक—)	एकचल्लिश (एक -)
४२	बियाल्लिश (दुई—)	बियाल्लिश (दुई—)
४३	तियाल्लिश (त्रि—)	तियाल्लिश (त्रि—)
४४	चौवाल्लिश (चतुस—)	चौवाल्लिश (चतुस—)
४५	पंचल्लिश (पंचा—)	पंचल्लिश (पंचा—)
४६	छयचल्लिश (सट—)	छयचल्लिश (षट—)
४७	सातचल्लिश (सप्त—)	सातचल्लिश (सप्त—)
४८	आठचल्लिश (अष्ट—)	आठचल्लिश (अष्ट—)
४९	उनपक्काश (उनपक्काशतम)	उनपंचाश (उनपंचाशतम)
५०	पक्काश (पक्काशतम)	पंचाश (पंचाशतम)
५१	एकारन	एकावन
५२	बारन	बावन
५३	त्रेपन	त्रेपन
५४	चौरन	चौवन
५५	पचपन	पचपन
५६	छापन	छापन
५७	सातारन	सातावन
५८	आठारन	आठावन
५९	उनषाठि	उनषाठि
६०	षाठि	षाठि
६१	एषष्टि	एषष्टि
६२	बाषष्टि	बाषष्टि
६३	तेषष्टि	तेषष्टि
६४	चौषष्टि	चौषष्टि
६५	पयषष्टि	पयषष्टि
६६	छयषष्टि	छयषष्टि
६७	सातषष्टि	सातषष्टि

हिन्दी संख्या	असमीया अक्षरों में	हिन्दी अक्षरों में
६८	आठषष्टि	आठषष्टि
६९	उनसत्तर	उनसत्तर
७०	सत्तर	सत्तर
७१	एकसत्तर	एकसत्तर
७२	बासत्तर	बासत्तर
७३	तेसत्तर	तेसत्तर
७४	चौसत्तर	चौसत्तर
७५	पयसत्तर	पयसत्तर
७६	छयसत्तर	छयसत्तर
७७	सातसत्तर	सातसत्तर
७८	आठसत्तर	आठसत्तर
७९	उनाशी	उनाशी
८०	आशी	आशी
८१	एकाशी	एकाशी
८२	बिराशी	बिराशी
८३	तिराशी	तिराशी
८४	चौराशी	चौराशी
८५	पचाशी	पचाशी
८६	छयाशी	छयाशी
८७	साताशी	साताशी
८८	आठाशी	आठाशी
८९	उननब्बै	उननब्बै
९०	नब्बै	नब्बै
९१	एकानब्बै	एकानब्बै
९२	बिरानब्बै	बिरानब्बै
९३	तिरानब्बै	तिरानब्बै
९४	चौरानब्बै	चौरानब्बै

हिन्दी संख्या	असमीया अक्षरों में	हिन्दी अक्षरों में
९५	पचानवै	पचानवै
९६	छयानवै	छयानवै
९७	सातानवै	सातानवै
९८	आठानवै	आठानवै
९९	निरानवै	निरानवै
१००	एश	एश
१०१	एश एक	एश एक
१०२	एश दुइ	एश दुइ
२००	दुश	दुश
३००	तिनिश	तिनिश
४००	चारिश	चारिश
१०००	एहाजार	एहाजार
१०,०००	एक अयुत, दहशंजार	एक अयु(जु)त, दह हजार
१००,००००	एक लाख	एक लाख
१०००,०००	एक नियुत, दह लाख	एक नियु(जु)त दह लाख
१०,०००,०००	एक कोटि	एक कोटि
१९६३	उनैशश तेषष्टि	उनैशश तेषष्टि

समूह वाचक और खण्डात्मक संख्या आदि

(दलवाचक आरु भग्नांशवाचक संख्या आदि)

[दलवाचक आरु भग्नांशवाचक संख्या आदि]

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
जोड़ा, जोड़ी	जोब, शाल	जोर, हाल
युगल	युगल	यु(जु)गल
एक जोड़ा	एजोब, एशल	एजोर, एहाल

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
दजन	दजन	दजन
चार एक साथ	अँबा	अँरा
एक चार का समूह	एअँबा	एअँरा
अस्सी का समूह	पोण	पोण
बीसी (बिसका समूह)	कूबि	कुरि
दोनों	दुयो	दुयो
तीन (सभी)	तिनिओ	तिनिओ
चार (सभी)	चारिओ	चारिओ
हर एक	गाइपति	गाइपति
फीसदी	शतकबा	शतकरा
शतक	शतक	शतक
पहली सदी	प्रथम शतिका	प्रथम शतिका
पहली शताब्दी	प्रथम शताब्दी	प्रथम शताब्दी
आधा	आधा	आधा
डेढ़	डेड़	डेड़
पाव	पोवा	पोवा
ढाई	आढे	आढे
साढ़े तीन	चाबे तिनि	चारे तिनि
साढ़े चार	चाबे चाबि	चारे चारि
तीन घंटे एक	तिनि भागब एभाग	तिनि भागर ए भाग
एक बार	बार	ए बार
दो बार	दुबार	दुबार
तीन बार	तिनिबार	तिनि बार
चार बार	बिबार	चारि बार

सर्वनाम
(सर्वनाम)

[विभक्ति रहित सर्वनामोंको यहां दिया जा रहा है]

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
कुछ	केइटोमान	केइटामान
दो चार	दुटोमान	दुटामान
थोड़ा सा	अलपमान	अलपमान
दुसरा एक	{ आन एजन आन एटो	आन एजन आन एटा
जो कोई	(यि कोनो (येइ मेइ	यि [जि] कोनो ये (जे) इ सई
प्रत्येक लोग	प्रत्येक जन	प्रत्येकजन
हर एक	प्रत्येक टो	प्रत्येक टो
परस्पर	परस्परे	परस्परे
सभी	सकलोबिलाक	सकलो बिलाक
कितना	{ किमान केइटो	किमान केइटा
स्वकीय	निज	निज
कोई	कोनो, कोनो	कोनो कोनो, कोनोकोनो
कुछ	किवा	किवा
इतना	{ इमान बिलाक इमान खिनि	इमान बिलाक इमान खिनि
वह	{ सेइ जन सेइ डाल	सेइ जन सेइ डाल
कि	ये	ये [जे]
ये	{ एइ सकल एइ बिलाक	एइ सकल एक बिलाक

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
यह	{ एइ जन एइ टो	एइ जन एइ टो
वे	{ सेइ सकल सेइ बिलाक	सेइ सकल सेइ बिलाक
क्या	कि	कि
जो	यि	यि (जि)
कौन	कोन	कोन
सक्षम	सक्षम	सक्षम
सुयोग्य	सुयोग्य	सुयो (जो) ग्य
ताकि	येन	ये (जे) न
बुरा	बेया	बेया
सुन्दर	{ सुन्दर धुनीया	सुन्दर धुनीया
सुन्दरी	सुन्दरी	सुन्दरी
बड़ा	डाङ्क	डाङ्क
कड़वा	तिता	तिता
अंधा	कणा	कणा
चौड़ा	बहल	बहल
साहसी, हिम्मतदार साहसी		साहसी
व्यस्त	व्यस्त	व्यस्त
सावधान	सावधान	सावधान
सस्ता	सस्ता	सस्ता
सफाई	चाफा	चाफा
परिस्कार	परिस्कार	परिस्कार
चालाक	चतुर	चतुर
सुविधानक	सुविधाजनक	सुविधाजनक
ठण्डा	चेचा, थाण्डा	चेचा, थाण्डा
नमी	सेमेका	सेमेका

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
भयंकर	ভয়ঙ্কর	भयंकर
अंधेरा	আন্ধার	आंधार
काला	ক'লা	क'ला
बहरा	কলা	कला
प्रिय	প্রিয়	प्रिय
प्यारा	মবগব	मरमर
प्रिया	প্রিয়া	प्रिया
कीमती	মহঙা	महङा
गभीर	গভীর, দ	गभीर, द
दूसरा, अन्य	আন, অন্য	आन, अन्य
अलग	বেলেগ	बेलेग
कठिन,	কঠিন, টান	कठिन, टान
गंदा	লেতেবা	लेतेरा
दूर	দূর, আঁতর	दूर, आँतर
दूर	নিলাগ	निलग
सूखा	শুকান	शुकान
मूर्ख	মূর্খ, ভোদা	मूर्ख, भोदा
गूंगा	বোবা	बोबा
जल्दी	সোনকাল	सोनकाल
आसान	সহজ	सहज
खाली	খালি	खालि
समान	সমান	समान
चिकना	মিহি	मिहि
झूठ, मिथ्या	মিছা	मिछा
तेज	খব	खर
मोटा	শকত	शकत
पतला	পাতল	पातल

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
विदेशी	বিদেশী	विदेशी
स्वाधीन	স্বাধীন	स्वाधीन
ताजा	তাজা	तात्का
पूरा	পূৰ্ব	पूरा
संपूर्ण	সম্পূর্ণ	संपूर्ण
विनोदशील,	খুঁতীয়া	खुहुतीया
विनोदी, प्रसुदित	বঙীয়াল	रङ्गीयाल
शान्त	শান্ত	शान्त
भद्र	ভদ্র	भद्र
आनन्दित	আনন্দিত	आनन्दित
सुखी	সুখী	सुखी
अच्छा	ভাল	भाल
विरात्	বিরাৎ	बिरात्
महत्	মহৎ	महत्
कच्चा	কেচা	केचा
निष्ठुर	নিষ্ঠুর	निष्ठुर
वजनदार, भारी	গধূর	गधूर
ऊंचा	ওঁচ	ओख
गर्म	গরম	गरम
तप्त	তপ্ত	तपत
तीता	জলা	जला
सत्	সৎ	सत्
निकम्मा	এনেছা	एलेहुवा
असुस्थ	অসুস্থ	असुस्थ
आवश्यकीय	आৱশ্যকীয়	आवश्यकीय
दर्कारी	দরকারী	दरकारी
असंभव	অসম্ভব	असंभव

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
असुविधाजनक	असुविधाजनक	असुविधाजनक
निर्दोष	निर्दोष	निर्दोष
बुद्धिमान	बुद्धिमान	बुद्धिमान
बुद्धिमती	बुद्धिमती	बुद्धिमती
न्याय्य	न्याय्य	न्याय्य (ज्य)
लंगरा	खोवा	खोरा
स्वर्गीय	स्वर्गीय	स्वर्गीय
बाई	बाँ	बाआं
छोटा	सक	सह
थोड़ा	अल्प	अल्प
अकेला	अकलशरीर	अकलशरीर
निर्जन	निर्जन	निर्जन
लंबा	दीर्घ	दीर्घ
ढीला	ढिला	ढिला
कुनकुना, कवोष्ण	कुलभीया	कुहुभीया
पागल	{ पागल बलिया	पागल बलिया
बहुत	बहुत	बहुत
अधिक	अधिक	अधिक
ज्यादा	बेहि	बेछि
उकता देनेवाला, एकरस	आमनिलगा	आमनिलगा
सकरा, तंग	ठेक	ठेक
दुष्ट	दुष्ट	दुष्ट
नया, नूतन	नतून	नतून
नजदीक, पास	ओचर	ओचर
बुढ़ा	बुढ़ा	बुढ़ा
पुराना	पुराणि	पुराणि

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
विपरीत	विपरीत	विपरीत
दुःखजनक	दुःखजनक	दुःखजनक
आदर	आदर	आदर
नम्र	नम्र	नम्र
गरीब, दुखीया	दुखीया	दुखीया
दग्ध	दग्ध	दग्ध
अंदरूनी	भितरुवा	भितरुवा
गोपनीय	गोपनीय	गोपनीय
अहंकारी	अहंकारी	अहंकारी
पवित्र	पवित्र	पवित्र
चरपटा	केहा	केहा
विरल	विरल	विरल
नियमित	नियमीया	नियमीया
अमीर, रइस	धनी, चहकी	धनी, चहकी
दाहिना	सों	सों
ठीक	ठिक	ठिक
शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
धार्मिक	धार्मिक	धार्मिक
पका हुआ	पका	पका
खुरदरा, खरखरा	खहता	खहता
गोल	घूरणीया	घूरणीया
निरापद	निरापद	निरापद
एकही	एक	एके
कम गहरा, ओछा	बाम	बाम
तीव्र	चोका	चोका
नीचा	चाप	चाप
ह्रस्व, छोटा	चुटी	चुटी

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
धीर	धीर	धीर
झकहरा, हल्का	लाशै	लाही
छोटा	मक	सरु
मसृन, मुलायम	कोमल	कोमल
खट्टा	टेडा	टेडा
विशेष	विशेष	विशेष
सीधा	पोण	पोण
सरल	सबल	सरल
अचरज	आचरित	आचरित
अद्भुत	अद्भुत	अद्भुत
अजनबी	आचरुवा	आचरुवा
बली	बली	बली
मिठा	मिठा	मिठा
घन	डाठ	डाठ
सत्य, सच	सता, सँचा	सत्य, सँचा
कुरूप	कुरूप	कुरूप
जरूरी	जरूरी	जरूरी
विभिन्न	विभिन्न	विभिन्न
दुर्बल	दुर्बल	दुर्बल
सुस्थ	सुस्थ	सुस्थ
भूल	भूल	भूल
अशुद्ध	अशुद्ध	अशुद्ध
ज्ञानी	ज्ञानी	ज्ञानी
जवान, युवक	डेका	डेका
युवती	गाभरु	गाभरु
बछरा	पोरानी	पोरानी
उत्साही	उत्साही	उत्साही

क्रिया

(क्रिया पद)

मूल धातुरूप ही यहां दिया जा रहा है। हिन्दी की तरह असमीयामें भी यह रूप ही अनुज्ञा (भविष्यत अनुज्ञा) अर्थमें प्रयोग होता है। [तुच्छार्थ मध्यम पुरुष दोनों वचनों में]

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
हो	इ	ह
बो	जि ठ	सिँच
जा	या	या (जा)
आ	आश्	आह
ला	आन	आन्
गा	गा	गा
रो	कान्द	कान्द
खो	हेकरा	हेरुवा
सो	शो	शो
सी	सि, जी	सि, सी
पी	पि	पि
खा	खा	खा
पा	पा	पा
दे	दे	दे
ले	ल	ल
ढा	ढाँड	भाङ
भेज	पठा	पठा
भिज	भिजा	भिजा
सोच	भाव	भाव
फैल	बिगपा	बिगपा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
खींच	টোঁ	टान
सिखा	শিক	शिक
बह	বৈ যা	वै या (जा)
मुक	আঠ কাড়	आठु काड़
फेंक	দলিয়া	दलिया
बढ़	আগ বাঢ়	आग बाढ़
फाड़	ফাল	फाल
खोद	খান্দ	खान्द
भोग	ভোগ কৰ	भोगकर
चरा	চৰ	चार
गला	গলা	गला
लेट	বাগব দে	बागर दे
उड़	উৰ	उर
जमा	জমা কৰ	जमा कर
सह	সহ, সহকৰ	सह, सहकर
डरा	ভয় কৰ	भय कर
लुट	লুট চুরিকৰ	लुट, चुरिकर
छाप	ছপাকৰ	छपा कर
जोड़	যোগ দে	यो(ज)ग दे
घटा	কম কৰ	कम कर
दबा	হেচা দে	हेचा दे
नाप	জোখ কৰ	जोख कर
रोक	বন্ধ কৰ	बंध कर
मिटा	দূৰ কৰ	दूर कर
पोंछ	ঘাঁহি পেলা	घँहि पेल
पूछ	সোধ	सोध
धो	ধো	धो।

हिन्दी शब्द	असमोया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
सोख	শুকুৱা	शुकुवा
नाच	নাচ	नाच
लाद	বোজা দে	बोजा दे
पीस	পিহ	पिह
लगा	লগা	लगा
थाम	বাখ	राख
शोध	শোধন কৰ	शोधन कर
सक	পাব (অ)	पार (अ)
मिल	লগ হ	लग ह
खेल	খেলা	खेल
कर	কৰ	कर
मर	মৰ	मर
मार	মাৰ	मार
गिर	পৰ	पर
चल	খোজ কাড়	खोज काड़
बोल	ক	क
बैठ	বহ	बह
उठ	উঠ	उठ
जगा	জগা	जगा
जाग	জাগ, মাৰ পা	जाग, सार पा
रह	থাক	थाक
पढ़	পঢ়	पढ़
सीख	শিক	शिक
पढ़ा	পঢ়া	पढ़ा
खोल	খোল	खोल
सुन	শুন	शुन
चुन	बिচাৰি ল, নিৰ্বাচন কৰ	बिचारि ल, निर्व्वाचन कर

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
खिला	খুউয়া	खुउवा
सजा	সজা	सजा
देख	দেখা	देखा
दिखा	দেখুয়া	देखुवा
हँस	হাঁহ	हाँह
भाग	পলা	पला
दौड़	দৌর	दौर
बजा	বজা	बजा
काट	কাট	काट
फूंक	ফুক	फुक
गिन	গণ, লেখ	गण, लेख
रख	রাখ	राख
घेर	বেব, মেবাই ধর	वेर, मेराइ धर
हटा	হুটা	गुचा
हिल	ডোল	डोल
तैर	সাতোর	सातोर
कह	ক	क
ताक	ভুমুক মার, ভুমুকি মার	भूमूक मार, भूमूकि मार
पीट	মার	मार
बांध	বান্ধ	बांध
रांध	বান্ধ	रांध
पका	সিঁজা	सिजा
कमा	উপার্জন কর	उपार्जन कर
तोड़	ভাঙ	भाङ
बुन	বো	बो
जीत	জয় কর	जय कर
हरा	ঘটা, ঘটুর	घटा, घटुवा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
हार	পরাজয় হ	पराजय ह
लिख	লিখ	लिख
जला	জলা	जला
बना	সজা	सजा
बेच	বেচ, বিক্রী কর	वेच, विक्री कर
छोड़	এরি দে	एरि दे
ढूढ़	বিচার	विचार
भेज	পঠা, পঠিরা	पठा, पठिवा
सूँघ	সুঙ	सुङ
खींच	টান	टान
हाँक	চলা	चला
लड़	যুদ্ধকর	यु (ज) ज कर
आरंभ कर	আবস্ত কর	आरंभ कर
उधार ले	ধাবে ল	धारे ल
अनुमान कर	अनुमान कर	अनुमान कर
हानि कर	ক্ষতিকর, লোকচান কর	क्षतिकर, लोकचान कर
घृणा कर	ঘৃণা কর	घृणा कर, विणा
सहायता कर	সহায় কর	सहाय कर
आग लग	জুইলগা,	जुइ लगा
कल्पना कर	কল্পনা কর	कल्पना कर
कैद कर	बন্দীকর	बन्दी कर
अपमान कर	अपमान कर	अपमान कर
निमंत्रण दे	मात, निमন্ত্রণ কর	मात, निमंत्रण कर
समर्थन कर	সমর্থন দে	समर्थन दे
रक्षा कर	বক্ষা কর	रक्षा कर
लात कर	লাঠি মার লঠিরা	लाठि मार, लठिवा
कोड़े मार	চাবুক মার	चबुक मारा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
मार डाल	माबि पेला	मारि पेला
उधार दे	धावे दे	धारे दे
रास्ता दिखा	बाटे देखुवा	बाट देखुवा
पसन्द कर	पछन्द कर	पछंद कर
तलाश कर	{ बिचाव कर, अनुसन्धान कर	बिचार कर, अनुसंधान कर
ठीक कर	ठिक कर	ठिक कर
मेहरबान हो	दयावान ह	दयावान ह
भुगतान कर	परिशोध कर	परिशोध कर
मुलाकात कर	साक्षात् कर	साक्षात् कर
रोशन कर	उज्जल कर, उजला	उज्जल कर, उजला
स्थापन कर	स्थापन कर, प्रतिस्था कर	स्थापन कर, प्रतिस्था कर
सुनहरा कर	सोनाली कर	सोनाली कर
मालूम हो	बुजि पा	बुजि पा
बंचित कर	बंचित कर	बंचित कर
चिपका रह	लागि धर	लागि धर
छल्लांग मार	जाप दे, जपिवा	जाप दे, जपिवा
गोली मार	गुली मार	गुली मार
हजामत कर	दादी खुरा	दादी खुरा
सवार हो	घोरात उठ	घोरात उठ
वकालत कर	ओकालति कर	ओकालति कर
भूल जा	पाहर, पाहरि या(जा)	पाहर, पाहरि या(जा)
बाट देख	बाट चा	बाट चा
गायब हो	लुप्त ह, नाइकिया ह	लुप्त ह, नाइकिया ह
बातचीत कर	कथा बतरा ह, वा कर	कथा बतरा ह, वा कर
शपथ खा	शपत खा	शपत खा
सफल हो	सफल ह	सफल ह

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
रवाना हो	बाजा कर	या (जा) वा कर
प्रार्थना कर	प्रार्थना कर	प्रार्थना कर
भगड़ा कर	काजिया कर	काजिया कर
झूठ बोल	मिछा क	मिछा क
हंसी कर	ठाट्टा कर	ठाट्टा कर
आशा कर	आशा कर	आशा कर
मर जा	मरि या	मरि या (जा)
उपवास कर	{ लघोणे थाक, उपवासे थाक	लघोणे थाक, उपवासे थाक
विफल हो	बिफल ह	बिफल ह
स्वप्न देख	सपोन देख	सपोन देख
राजी हो	सन्मत ह	सन्मत ह
व्यवहार कर	व्यवहार कर	व्यवहार कर
धन्यवाद दे	धन्यवाद दे	धन्यवाद दे
परीक्षा ले	परीक्षा ल	परीक्षा ल
गला घोट	गलत टिपि मार	गलत टिपि मार
उत्तेजित कर	उत्तेजित कर	उत्तेजित कर
चोरी कर	चोर कर	चोर कर
छुरी मार	छुरी मार	छुरी मार
हिज्जे कर	वानन कर	वानन कर
दस्तखत कर	चही कर	चही कर
चुप रह	मने मने थाक	मने मने थाक
बंद कर	बंध कर	बंध कर
प्रेम कर	प्रेम कर, भाल पा	प्रेम कर, भाल पा
प्रबंध कर	व्यवस्था कर	व्यवस्था कर
विवाह कर	बिया कर	बिया कर
विश्वास कर	विश्वास कर	विश्वास कर

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
अविश्वास कर	अविश्वास कब	अविश्वास कर
हस्तान्तर कर	हस्तांतर कब	हस्तान्तर कर
आज्ञा पाल	आदेश पालन कब	आदेश पालन कर
एवजी कर	प्रतिनिधित्व कब	प्रतिनिधित्व कर
ज्यादती कर	बलात्कार कब	बलात्कार कर
देख भाल कर	{देखा सुना कब, चोरा चिन्ता कब}	देखा सुना कर चोरा चिन्ता कर
काम कर	काम कब	काम कर
वँटवारा कर	भगाई ल, भाग कबि ल	भगाइ ल, भाग करि ल
क्षमा कर	क्षमा कब	क्षमा कर
निकाल दे	उलियाई दे	उलियाइ दे
अनुभव कर	अनुभव कब	अनुभव कर
पूर्ति कर	पूरण कब	पूरण कर
अनुसरण कर	पिछ ल, अनुसरण कब	पिछ ल, अनुसरण कर
दया कर	दया कब	दया कर
देर कर	पलम कब	पलम कर
प्रशंसा कर	प्रशंसा कब	प्रशंसा कर
अर्ज कर	अनुबोध कब, खोज	अनुरोध कर, खोज
पवित्र कर	पवित्र कब	पवित्र कर
उद्धृत कर	उद्धृति दे	उद्धृति दे
मंजूर कर	मंजूर कब	मंजूर कर
समझौता कर	मिट्माटे कब	मिट्माट कर
संशोधन कर	संशोधन कब	संशोधन कर
संक्षेप कर	चमू कब, संक्षेप कब	चमुकर, संक्षेप कर
आश्रय दे	आश्रय दे	आश्रय दे
तेज कर	चोका कब	चोका कर
दण्डाज्ञा दे	दण्ड दे	दण्ड दे

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
चाकरी कर	{	चाकरि कर
नौकरी कर		
आक्रमण कर	आक्रमण कब	आक्रमण कर
नाम ले	नाम ल	नाम ल (अ)
संतुष्ट कर	सन्तुष्ट कब	संतुष्ट कर
अर्पण कर	अर्पण कब	अर्पण कर
शासन कर	शासन कब	शासन कर
पुनरुद्धार कर	पुनरुद्धार कब	पुनरुद्धार कर
नया कर	न कब, न नूतन कब	न कर, न नूतन कर
अस्वीकार करना	अस्वीकार कब, आसैमात	अस्वीकार कर, आसैमात
अनुताप कर	अनुताप कब	अनुताप कर
वयान कर	वर्णना दे	वर्णना दे
त्याग दे	त्याग कब	त्याग कर
यकीन दिला	विश्वास दे, कथा दे	विश्वास दे, कथा दे
बदला ले	प्रतिशोध ल	प्रतिशोध ल
सीमित कर	सीमावद्ध कब	सीमावद्ध कर
उत्तर दे	उत्तर दे	उत्तर दे
सम्मान कर	सम्मान देखुवा	सम्मान देखुवा
प्रतिज्ञा कर	प्रतिज्ञा कब	प्रतिज्ञा कर
दमन कर	दमन कब	दमन कर
मरम्मत कर	मेरामति कब	मेरामति कर
उत्पन्न कर	उत्पन्न कब	उत्पन्न कर
खून बह	तेज बो	तेज बो
आज्ञा दे	आज्ञा दे, आदेश दे	आज्ञा दे, आदेश दे
अर्थ कर	अर्थ कब,	अर्थ कर
प्रमाण दे	प्रमाण दे	प्रमाण दे
प्रमाणित कर	प्रमाणित कब,	प्रमाणित कर

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
मना कर	बाधा दे,	बाधा दे
खड़ा हो	ठिय ह	ठिय ह
भूखा मार	भोकत गाव, शुकाई गाव	भोकत मार, शुकाई मार
खर्च कर	खबह कर	खरछ कर
कोशिश कर	} चेष्टा कर, य(ज)ल कर	चेष्टा कर, य(ज)ल कर
चेष्टा कर		
अपराध कर	अपराध कर	अपराध कर
चोट कर	आघात कर	आघात कर
गाली दे	गाली दे, गाली पार	गाली दे, गाली पार
वापस कर	घूराई दे	घूराई दे
जमा कर	जमा कर	जमा कर
मुअत्तल कर	वरखास्त कर (सामयिक भावे)	वरखास्त कर (सामयिक भावे)
उन्नति कर	उन्नति कर	उन्नति कर
वायदा कर	कथा दे, प्रतिज्ञा कर	कथा दे, प्रतिज्ञा कर

क्रिया विशेषण, अव्यय और कारक बोधक शब्द

(क्रिया विशेषण अव्यय आर कारक बोधक शब्द)

प्रायः, कराव	प्राय	प्राय
ऊपर	उपरत	ओपरत
अधिक, ज्यादा	अधिक, बेछि	अधिक, बेछि
अनुसार, तरह	मते, अनुसारे	मते, अनुसारे
पीछे, पश्चात्	पाछत	पाछत
फिर	आकौ	आकौ
पुनः	पुनर	पुनर

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
बार बार	बाबे बाबे	बारे बारे
विपक्ष, प्रतिपक्ष, विरुद्ध	विपक्षे	विपक्षे
अकेला	अकले	अकले
यद्यपि,	यदिओ	यदिओ
इत्यवसरे, इस बीचमें	इतिमाथे	इतिमध्ये
सदा, रोज	सदाय	सदाय
अंदर	भितरत	भितरत
और	आरु	आरु
जैसे तैसे	येने तेने	ये(जे)ने तेने
जहाँ तहाँ	य'ते त'ते	य'(ज')ते त'ते
चारों तरफ	चारिओफाले	चारिओफाले
अभी	एतियाओ	एतियाओ
पहले	{ प्रथमे प्रथमते	प्रथमे प्रथमते
अंतमें	अवशेषत	अवशेषत
तुरंत	तत्क्षणात्	तत्क्षणात्
उसी जगह	थिताते	थिताते
वर्तमान	वर्तमान	वर्तमान
कारण	कारण	कारण
लिये	कारण	कारण
पहले, आगे (समय)	आगेये	आगेये
पहले	आगत	आगत
पीछे	पाचत	पाचत
नीचे	तलत	तलत
बगलमें	काषत	काषत
अलावा, अतिरिक्त	उपरिओ	उपरिओ
बीचमें	माजत	माजत

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
लेकिन, किन्तु	किन्तु	किन्तु
द्वारा	द्वारा	द्वारा
सावधानीसे	सावधाने	सावधाने
बीच बीचमें	{ माजे माजे माजे समये	माजे माजे माजे समये
एकदम	एकेबारे	एकेबारे
रोज, सदा	नि.तौ	नितौ
दिन ब दिन	दिनक दिने	दिनक दिने
नीचे	तलले	तलले
ठीक तरह	ठिकमते	ठिकमते
समयानुसार	समयमते	समयमते
जल्दी	सोनकाले	सोनकाले
या, अथवा	वा, अथवा	वा, अथवा
आसानीसे,, अनायास	महजे, अनायासे	सहजे, अनायासे
विशेषकर, खासकर	विशेषकै	विशेषकै
इत्यादि	इत्यादि	इत्यादि
यहांतक कि	आनकि	आनकि
अलावा, अतिरिक्त, सिवाय	बाहिरे	बाहिरे
दूरतक	दूरले, आँतरले	दूरले, आँतरले
लिये	बावे	बावे
कारण	कियनो	कियनो
से	परा	परा
यहाँ	इयात	इयात
किस तरह, कैसे	केनेकै	केनेकै
जो भी हो	यि कि नहओक	यि कि नहओक
यदि	यदि	य (ज) दि
जल्दी, शीघ्र	शीघ्रे	शीघ्रे

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
अवश्य	अवश्ये	अवश्ये
बदले	सलनि	सलनि
ठीक	ठिक	ठिक
अभी	एतियाइ	एतियाइ
गत	यो(ज)वा	यो(ज)वा
शेष	शेष	शेष
देरसे	{ पलमकै देरीकै	पलमकै देरीकै
तरह	{ निचिना दरे	निचिना दरे
बहुत	बहुत	बहुत
नजदीक, समीप	ओचरत	ओचरत
कभी	केतियाओ	केतियाओ
नहीं	नहय	नहय
(होने) पर भी	सत्वेओ	सत्वेओ
अब	एतिया	एतिया
आजकल	आजिकालि	आजिकालि
प्राय	प्राये	प्राये
केवल, मात्र, सिर्फ	{ केवल मात्र	केवल मात्र
नहीं तो	नहले	नहले
बाहर	बाहिरत	बाहिरत
संभवतः, शायद	{ बोधहय सम्भवतः	बोधहय सम्भवतः
तेज जल्दी	{ खरकै वेगाइ	खरकै वेगाइ

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
सच	मठाकै	सचाकै
हालहीमें	अनपते	अलपते
नियमानुसार	{ नियममते नियमोयाकै	नियममते नियमीयाकै
चूंकि	येहेतु	ये(जे)हेतु
धीरे धीरे	लाहे लाहे	लाहे लाहे
उसीतरह, वैसे	सेइदरे	सेइदरे
इस तरह, ऐसे	एनेदरे	एनेदरे
कभी	केतियावा	केतियावा
कहीं	क'बवात	क'रबात
हठात्	हठात्	हठात्
तथापि	{ तथापि तत्रात्	तथापि तत्रात्
कि	ये	ये (जे)
तब, इसीलिए	तेनेहले	तेनेहले
वहां	तात	तात
इसीलिए	{ सेइ कारणे सेइ बावे	सेइ कारणे सेइ बावे
बीच	माजेदि	माजेदि
तक, पर्यन्त	पर्यास्त	पर्य्य(ज्य)न्त
तक	लै	लै
तरफ	फाले	फाले
एकसाथ	एकेलगे	एकेलगे
साधारणतः	{ साधारणतः साधारणते	साधारणतः साधारणते
बड़ा	बर	बर

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षर में
कब	केतिया	केतिया
जब	येतिया	ये(जे)तिया
कहाँ	क'त	क'त
जहाँ	य'त	य'(ज')त
क्यों	{ किय केलेइ	किय केलेइ
साथ	{ सैते लगत	सैते, लगत
हाँ	इय	इय
हालांकि	अथच	अथच
अंदर	भितरत	भितरत

ध्याकरण संबंधी सामान्य बातें

वचन

1. हिन्दी भाषाकी तरह असमीयामें भी वचन दो प्रकारके हैं एक वचन संज्ञा शब्द ही उस जाति अथवा उस वर्गके अर्थमें होता है।
गकब गाथीब = गाय का दूध [गक (एक वचन) + ब (संबंध कारक का चिह्न - षष्ठी विभक्ति] कुलनि थन ल'बाव कावणे यह बगीचा बच्चों के लिये है [ल'बा (एक वचन) + ब (संबंध कारक)]
2. असमीया संज्ञा शब्दों का बहुवचनांत रूप नहीं होता। कुछ प्रत्यय जोड़कर ही बहुवचन बनाया जाता है।
एक वचन—मानूशटे = आदमी
बहुवचन—मानूशविलाक = आदमी (बहु वचन) ठे एक वचन निर्देशक प्रत्यय है। ठे जैसे एक वचन निर्देशक प्रत्यय अनेक हैं।

एक वचन निर्देशक प्रत्यय के पर्यायवाची बहु वचन निर्देशक प्रत्यय भी हमें मिलते हैं।

3. “क” स्तरके मध्यम पुरुषके बहु वचन में और अन्य पुरुष शब्दों के साथ “और दूसरे लोग” के अर्थमें ईत (हँत) प्रत्यय जोड़ा जाता है। बागईत [रामहँत] = राम और दूसरे लोग। भईत (सिहँत) = वह और दूसरे लोग = वे।

4. सिर्फ कुछ व्यक्तिवाचक सर्वनामों का नियमित (Regular) बहुवचन रूप मिलता है।

5. हिन्दी “दोनों” की तरह “दूगो” का प्रयोग होता है। राम और यदु दोनों आये थे = बाग आक यदु दूगो आशिछिन।

एकवचन निर्देशक प्रत्यय

1. असमीया भाषाके संज्ञा शब्दों के साथ एकवचन निर्देश करने के लिये कुछ प्रत्यय जोड़े जाते हैं जिन्हें एकवचन निर्देशक प्रत्यय कहा जा सकता है। लिंगानुसार इन प्रत्ययों का परिवर्तन होता है।

2. उदाहरण :—

एक वचन	बहु वचन
सम्मान्य व्यक्ति के (पुं) साथ	किजन या केइजन
जन प्रत्यय :— गान्गुइ जन (आदमी)	गान्गुइ किजन (आदमी-बहु वचन)
गवाकौ अधिकतर सम्मान्य	किगवाकौ या केइगवाकौ
व्यक्ति के साथ (पुं तथा स्त्री)	या मुकन
महिलागवाकौ—भद्रमहिला	
जनौ स्त्रीलिंग या पशुओं के साथ	किजनौ या केइजनौ
छोशालीजनौ = लड़की	
दाल लम्बी चीजों के साथ	किदाल, केइदाल,
बछोदाल—रस्सी	बिलाक, बाव।

सपाट चीजों के साथ “थन”

किथन, केइथन, बिलाक

कापोबथन = कपड़ा

साधारण आदमी, पशु अथवा

किटो, केइटो, बिलाक

वस्तुके साथ टो

बोव और पशुओं के साथ

ठाकबटो = नौकर

जाक।

3. विभक्ति निर्देशक प्रत्यय के बाद जोड़ी जाती है। गान्गुइब (आदमीका) गान्गुइटोब (आदमीका), ‘ब’ संज्ञा कारक का चिह्न है।

4. कुछ प्रत्यय ऐसे हैं जो सिर्फ किसी एक विशेष वस्तु के साथ ही प्रयोग होते हैं जैसे—कून पाइ (फुलगाइ) कून (निर्दिष्ट)। टो के बदले टि का प्रयोग ‘बहुत प्यारा’ अर्थमें होता है।

5. एक आदि अर्थ निर्दिष्ट करने के लिये वस्तुके स्वभाव और प्रकृतिके अनुसार कुछ प्रत्ययों का प्रयोग किया जाता है। ऊपरोल्लिखित प्रत्ययों के (थन, जन) आगे ए (ए) संयुक्त कर ये प्रत्यय बनते हैं। सपाट चीजों के साथ व्यवहार में—ए + थन = एथन = (एथन) = एक। साधारणतः निर्देशक वस्तुके पहले ये प्रत्यय जोड़े जाते हैं।

6. उदाहरण :—एथन कापोब = एक कपड़ा, एजनौ गान्गुइ = एक औरत, एपाइ कून = एक फूल।

7. एटो [एक] (सामान्य मनुष्य अथवा वस्तुके अर्थ में) टो से अनियमित रूपसे निकला है। ‘प्यारा’ अर्थमें ‘एटो’ का प्रयोग होता है।

ठीक उसी तरह इजन, इटो, इथन, इपाइ आदि दो एक के अर्थ में व्यवहार होते हैं। दो इइ। हम दो आदमी के लिये कह सकते हैं—इइजन गान्गुइ या इजन गान्गुइ लेकिन इइ गान्गुइ नहीं कह सकते। इस तरह के अर्थों में आवश्यकतानुसार उपयुक्त

निर्देशक प्रत्यय जोड़े जाते हैं। जैसे :—तीन आदमी—तिनिजन मानुश। चार लड़के=चारिठि ल'वा।

9. एक निर्देशक प्रत्यय निर्देशक शब्द के बाद भी प्रयुक्त हो सकता है। एऊन मानुश=मानुश एऊन (एक आदमी)। कारक चिह्न द्वितीय शब्दों (Latter member) के बाद जोड़ा जाता है। एक आदमी की दो किताबें=एऊन मानुश दुथन किताप या मानुश एऊन दुथन किताप।

लिंग

1. व्याकरण की उपयोगिता की दृष्टि से असमीया भाषा में दो लिंग माने जाते हैं—पुं लिंग और स्त्रीलिंग। कुछ संज्ञा और सर्वनामों के विशेषण शब्द का रूप स्त्रीलिंगमें बदल जाता है।

2. स्त्रीलिंग अथवा नपुंसक लिंग के शब्दों के धातु रूप या शब्द रूप बनाने का कोई विशेष नियम नहीं है।

3. अन्य पुरुषके मि (वह) और ऐ शब्द का ही स्त्रीलिंगमें पर्यायवाची अलग शब्द है। मि=वह (पुं)—तारे (वह—स्त्री) ऐ (वह)=ऐरे (वह—स्त्री)

4. पुंलिंगके संज्ञा और विशेषण शब्दोंके साथ कुछ प्रत्यय जोड़ कर स्त्रीलिंग रूप बनाया जाता है।

प्रत्यय = आ (आ) = प्रियतम + आ = प्रियतमा (प्रियतमा)

ऐ पागल + ऐ = पागली (फगली)

सुन्दर + ऐ = सुन्दरी (सुंदरी)

अनौ या नौ = ठाकुर + अनौ = ठाकुरनौ (नौकरानी)

पुंलिंग शब्दों के अंतिम अक्षर के बदले ऐका =

गायक + गाय + ऐका = गायिका (गायिका)

इसी तरह पाठक = पाठिका (पाठिका)

गायक = गायिका (गायिका)

लेखक = लेखिका (लेखिका)

5. मता (पुंलिंगमें) और गाहेकौ (स्त्रीलिंगमें) जोड़ कर भी लिंग निर्देश किया जाता है :— मता मानुश (पुं) = आदमी, गाहेकौ मानुश = (स्त्री) औरत। केवल मानुश शब्द के स्त्रीलिंगमें तिवोता शब्द काफ़ी प्रयोग होता है। तिवोता का अर्थ पत्नी या एक स्त्री होता है। मता कूकुरा = मुर्गा, गाहेकौ कूकुरा = मुर्गी।

6. एक वचन निर्देशक प्रत्यय के स्त्रीलिंग वाचक रूप से लिंग निर्देश होता है जैसे :— छांगलौटो = बकरा, छांगलौजनी = बकड़ी, एऊन छात्र = एक छात्र, एऊनौ छात्रौ = एक छात्रा।

7. ऐ कारांत पुंलिंग शब्दमें ऐ प्रत्यय जोड़ कर स्त्रीलिंग बनाया जाता है :— मथि = बंधु (पुं), मथी + बांगत्री (स्त्री) बाकनि = रसोइया (पुं), बाकनौ = रसोइया (स्त्री)।

8. आत्मीय संबंध वाचक और दूसरे कुछ स्त्रीलिंग शब्द उपरोक्त प्रत्यय जोड़ने के नियम के अधीन नहीं हैं :—

[शब्दावली देखें]

पुं

ल'वा = लड़का

भाइ = भाई

बजा = राजा

स्त्री

छोरांगौ = लड़की

भनौ = बहन

बानौ = रानी

विशेषण

1. संज्ञा शब्द के कारक अथवा वचनोंके अनुसार उसके विशेषण शब्द का रूप बनता है।

2. साहित्यिक व्यवहार में स्त्रीसंज्ञा के कुछ विशेषण पद का स्त्रीलिंग रूप बनता है।

3. कुछ विशेषणों का केवल संज्ञा के साथ ही प्रयोग होता है।

4. विशेषण का विशेषण :—बब, अलि, खुब, अठाक, भोषण, आदिका बड़ा और बहुत अर्थ में विशेषण के पहले प्रयोग होता है। निचेरे, एकेबाबे, ठेनेरे इत्यादि 'नितान्त' अर्थमें विशेषण पदके पूर्व जोड़े जाते हैं। अनप थोड़ासा अर्थ में, बेछि—'ज्यादा' अर्थमें बहुत—'बहुत' अर्थमें, आगेरेठेके 'सबसे' या 'सबमें' अर्थमें विशेषण पद के पहले व्यवहृत होते हैं।

बब बडल—बड़ा चौड़ा, खुब भोषण—बहुत लंबा, निचेरे अक—नितान्त छोटा, अनप ओथ—थोड़ा ऊंचा, बेछि बुकिगती—ज्यादा होशियार (स्त्री), घबठो बड डाडब—घर (वह) बहुत बड़ा है। नता आगेरेठेके धुनौशा छेडालौ—लता सबसे सुन्दरी लड़की है।

कारक

1. हिन्दी की तरह असमीयामें भी आठ कारक माने जाते हैं—कर्त्ता, कर्म, करण, संप्रदान, अपादान, संबंध, अधिकरण और संबोधन। विभक्ति जोड़कर (शब्दरूप) कारक बनाया जाता है जिन्हें प्रथमा विभक्ति, द्वितीया विभक्ति आदि कहते हैं।

2. कर्मवाच्यके कर्ममें किसी विभक्तिका योग नहीं होता। कर्त्तामें ही तृतीया विभक्ति का चिह्न जोड़ा जाता है। यहाँ सिर्फ कर्त्तृवाच्यकी चर्चा ही की जायगी।

3. कर्त्तृवाच्यमें अकर्मक क्रिया के कर्त्ता में (संज्ञा या सर्वनाम) विभक्ति जोड़ी नहीं जाती।

यहाँ एक दूकान है—इशात एशन दोकान आछ।
मां गयी—आरे ग'न।

कर्त्ता कारक : प्रथमा विभक्ति

1. सकर्मक क्रिया के कर्त्तामें नीचे लिखे अनुसार विभक्ति जोड़ी जाती है—

संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्द (कर्त्ताके) अंत्याक्षर	विभक्ति होती है	जैसे
व्यंजन वर्ण-होने पर	ए	भिक्षक + ए = भिक्षके (शिक्षकने)
अ "	इ	मिश्रित + ए = मिश्रिते (वे)
आ, ए "	इ	शिव(अ) + इ = शिवइ (शिवजीने)
ऐ, ऐ, वा "	इ	मा + इ = माइ (माँ)
उ, उ, ओ, उ "	इ	नदी + इ = नदीइ (नदीने)
	इ	यौहू + इ = यौहूइ (यौहूने)

कर्मकारक : द्वितीया विभक्ति

1. सभी व्यक्तिवाचक सर्वनाम और दूसरे कुछ शब्दों के अंत में मूल रूप का सामान्य परिवर्तन के बाद क [स्वरके बाद] और अक, [व्यंजनके बाद] विभक्ति जोड़ी जाती है। प्रथमा विभक्ति को छोड़ कर अन्य विभक्तियाँ सर्वनामों के विकृत रूपों के साथ ही जोड़ी जाती है। [सर्वनाम देखें]

2. कर्मकारक के दूसरे सर्वनाम और संज्ञा शब्दों के साथ क. —अक— का व्यवहार अनियमित है। चाकबक गाँवाँ = नौकर को बुलाओ; लेकिन मि काम कबिछे = वह काम करता है। यहां काम के साथ विभक्ति नहीं लगी है। व्यक्ति, जन्तु और व्यक्तिबोधक सर्वनाम के साथ प्रायः यह विभक्ति जोड़ी जाती है।

3. नमस्कार और धन्यवाद देनेमें जिसे दिया जाता है उस शब्द के अंतमें द्वितीया विभक्ति जोड़ी जाती है :—

श्रेष्ठक नमस्कार—ईश्वरको प्रणाम,
अथवा धन्यवाद—या धन्यवाद।

संबंध कारक : षष्ठी विभक्ति

1. सभी संज्ञा और सर्वनामों (विकृत रूप) के साथ संबंध कारकमें —व (स्वरांत होने पर) और —अव (व्यंजनांत शब्दों में) का प्रयोग होता है। असम + अव असमय जनवायू = असमकी में) का प्रयोग होता है। असम + अव असमय जनवायू = असमकी आबोहवा, एप्रिल + अव = एप्रिलव प्रथम दिन = अप्रैलका पहला दिन। कनौ + व = कनौव आंझा = अंडेका सूप। [यहां यह उल्लेख कर देना आवश्यक है कि हिन्दी की 'का, के, की' तरह लिंगानुसार असमीया विभक्ति का रूप नहीं बनता। सभी लिंगोंमें विभक्ति चिह्न एकसे ही रहते हैं]

2. विशेषण शब्दों के साथ भी षष्ठी विभक्ति का चिह्न जोड़ा जाता है :— शयम (प्यार), शयमव (प्यारा), दुःख (दुःख) दुःख + व दिन (दुःखका दिन), सुख (सुख) सुख + व दिन (सुखका दिन) पढ़ा (पढ़ना) पढ़ा + व समय (पढ़नेका समय)।

3. दिक् वाचक कुछ अव्यय और दूसरे शब्दों (शब्दावली देखे) के व्यवहारमें भी षष्ठी विभक्ति-व का (उसके पूर्ववर्ती शब्दमें) प्रयोग होता है।

तेजपुर ब्रह्मपुत्र के उत्तरी तरफ है—तेजपुर ब्रह्मपुत्र + व उदबे
फर्शपर, आंगन पर—छातान + व उपबत
घरके पास—घर + व उपबत

अधिकरणकारक : सप्तमी विभक्ति

1. अधिकरण कारकमें संज्ञा और सर्वनाम के विकृत रूपों में —त (स्वरांत शब्दोंमें)—अंत (व्यंजनांत शब्दोंमें) विभक्ति जोड़ी जाती है।

2. कालवाचक संज्ञा अथवा सर्वनामके साथ विभक्ति जोड़ी नहीं जाती।

मैंने पुत्रा आशिम = मैं सवेरे आऊंगा। तूमि केतिशा आशिम = तुम कब आओगे? तूमि जाजि आशिम = तुम आज आओगे।

3. कुछ शब्दोंके साथ—त और—अत के बदले—ए प्रयुक्त होता है—बारों के नाममें—देउवावे (देउवाव + ए) रविवार को बुधवावे (बुधवारमें—को), दिशाबोधक—उदबे—(उत्तरमें) पूबे = पूर्वमें, मुहावरों और वाक्यांशमें—घरे घरे = (घर घरमें) देशे बिदेशे—(देश विदेश में)।

4. दिन शब्दके साथ अत या आ युक्त होता है। दूसरे दिन—द्वितीय दिनत, द्वितीया दिन। किस दिन—कोन दिन?

करण कारक : तृतीया विभक्ति

1. तृतीया विभक्ति = षष्ठी विभक्ति + वा।

2. कर्मवाच्य के कर्तामें तृतीया विभक्ति जोड़ी जाती है।

3. काम करने के लिये जिस चीजका व्यवहार किया जाता है उस शब्दमें—व (स्वरांत शब्दोंमें) और एवे—(व्यंजनांत शब्दोंमें) योग होता है—मुथ + एवे = मुथवे कैछे—मुँहसे बोला। कटोबी + वे = कटोबीवे काटिछे = चाकूसे काटा।

संप्रदान कारक : चतुर्थी विभक्ति

1. असमीया में को, लिये, के अर्थ में चतुर्थी विभक्ति का प्रयोग होता है।

2. संज्ञा और सर्वनाम के विकृत रूपों में संप्रदान कारक में —ले (स्वरांत शब्दों में) और—अले (व्यंजनांत शब्दों में) विभक्ति जोड़ी जाती है।

अतिथियों के लिये चाय बनाओ —आलशेटेन छाश् कवा।

पिताजी बाजार (को) गये —पेटेता बजाबले गन।

अपादान कारक—पंचमी विभक्ति

1. हिन्दी के “से” “सेंसे” आदि अर्थों में पंचमी विभक्ति जोड़ी जाती है।

2. पंचमी विभक्ति = षष्ठी विभक्ति + पवा। अतः संज्ञा और सर्वनाम के विकृत रूपों के साथ व पवा (स्वरांत शब्दों में) और अब पवा (व्यंजनांत शब्दों में) विभक्ति जोड़ी जाती है।

3. घरसे = घरव पवा, पृथ्वीसे—पृथिवीव पवा। दूध (में) से मक्खन निकाला जाता है = गाथीवव पवा माथन कवा भय।

संबोधन कारक—अष्टमी विभक्ति

1. संबोधन कारक में कर्त्ता का अविकृत रूप ही व्यवहार होता है। उसके पूर्व निम्नलिखित विस्मयादि बोधक अवयव जोड़कर संबोधन कारक बनाया जाता है।

हे (देवता ईश्वर आदि के लिये) हेवि (सम्मान्य व्यक्ति के लिए) हेवा (समवयस्क और दोस्तों के लिए), हेव (छोटों के लिए) ए, एहे (अनादर—उपेक्षणीय व्यक्ति के लिये)

सर्वनाम

उत्तम पुरुष

1. पुरुष वाचक सर्वनाम :—

कारक	एकवचन	विकृतरूप	बहुवचन	विकृतरूप
कर्त्ता (विभक्ति रहित)	महे—मैं	मो—	आमि=हम	आमा—
कर्म	मो-क		आमा-क	
करण	{ मो-बे मो-ब दावा		{ आमा-बे आमा-ब दावा	
संप्रदान	मो-ले		आमा-ले	
अपादान	मो-व पवा		आमा-व पवा	
सम्बन्ध	मो-व		आमा-व	
अधिकरण	मो-त		आमा-त	

मध्यम पुरुष

2. (क) तहे (तू) हिन्दी की तरह कम उम्रवाले अथवा निम्नतर श्रेणी के लिये प्रयोग किया जाता है। यहां इसे मध्यम पुरुष के “क स्तर” का सर्वनाम कहा जायगा।

(ख) तूमि (तुम) हिन्दी तुम की तरह ही असमीया में इसका प्रयोग होता है। यहां इसे मध्यम पुरुष के “ख स्तर” का सर्वनाम कहा जायगा।

(ग) आपुनि (आप)। हिन्दी “आप” की तरह असमीया आपुनि भी (1) अपने से बड़े दर्जेवाले मनुष्य के लिये (2) बराबरवाले और अपने से कुछ छोटे दर्जे के मनुष्य के लिये (3) आदर सूचक आदि अर्थ में प्रयोग होता है। हम यहां उसे मध्यम पुरुष के “ग स्तर” का सर्वनाम कहेंगे। अब निम्नलिखित शब्द रूपों को देखें।

स्तर	वचन	अविकृत रूप कर्ता कारक	विकृत रूप	अन्य कारकों में (क्रमशः २, ३, ४, ५, ६, ७ वीं)
क	एक वचन	तई	তো	তোক, তোব দ্বাৰা, তোলৈ, তোবপৰা, তোব, তোত
ক	बहु वचन	तईत	×	তইতক, তইতৰ দ্বাৰা, তইতলৈ ইत्यादि
ख	एक वचन	तूमि	তোমা	তোমাক, তোমাৰ দ্বাৰা, তোমালৈ ইत्यादि
ख	बहु वचन	तूमालोक	×	তোমালোকক, তোমা- লোকৰ দ্বাৰা, তোমালোকলৈ ইत्यादि
ग	एक वचन	आपुनि	আপোনা	আপোনাক, আপোনাৰ দ্বাৰা, আপোনালৈ ইत्यादि
ग	बहु वचन	आपुनी- लोक	×	আপোনালোকক ইत्यादि

अन्य पुरुष

3. (अ) अन्य पुरुष “क स्तर” जि (तई के अनुरूप)
 (आ) अन्य पुरुष “ख स्तर” तेई (तूमि के अनुरूप)
 (इ) अन्य पुरुष “ग स्तर” तेथेत (आपुनि के अनुरूप)

स्तर	वचन	अविकृत रूप	विकृत रूप	कारक २, ३, ४, ५, ६, ७, विभक्ति रूप
क	एक वचन	जि	তা	তাক, তাৰ দ্বাৰা, তালৈ इत्यादि
क	बहु वचन	तेईत	×	তইতক ইत्यादि
ख	एक वचन	तेई	×	তেইক, তেইৰ দ্বাৰা ইत्यादि
ख	बहु वचन	तेई लोक	×	তেইলোকক इत्यादि
ग	एक वचन	तेथेत	×	তেথেক इत्यादि
ग	बहु वचन	तेथेत सकल	×	তেথेत সকলক इत्यादि

‘जि’ के अनुरूप स्त्रीलिंग “तई” है।

4. पुरुष वाचक अन्य पुरुष व्यक्ति के अलावा अन्य वस्तुओं के लिये व्यवहृत—

व्यक्ति के अलावा दूसरे वस्तुबोधक अन्य पुरुष :—
 सेइ (सेइ) उस—सेइदिना गइ आहि छिले—उसदिन मैं आया था।
 सेइ में ही आवश्यकतानुसार वचन निर्देशक प्रत्यय लगाकर सेइ
 जन, सेइ थन, सेइ बिनाक आदि बनते हैं।

5. निश्चयवाचक सर्वनाम :— निकट बोधक निश्चय वाचक
 “क स्तर”—एक वचन ऐ (पुलिंग) ऐह स्त्री (यह)। ऐ का विकृत
 रूप “ऐइ” होता है। अतः इसके एकवचनमें ऐइक, ऐइब आदि
 रूप होते हैं। ऐ और ऐह का बहु वचन = ऐइत।

“ख स्तर”—ऐई (एक वचन) ऐईलोक (बहु वचन)

“ग स्तर”—एथउ (एक वचन) एथउ सकल (बहु वचन)
निकट बोधक सर्वनामोंके साथ उपयुक्त वचन निर्देशक प्रत्यय जोड़कर एथेथन, एथेजन, एथेज्मो, एथेबिनाक, एथे सकल एथेनोब (यें) आदि बनते हैं।

6. दूरत्व बोधक निश्चयवाचक ! वह ‘वह’ के साथ उपयुक्त एकवचन निर्देशक प्रत्यय जोड़कर सो शब्द का प्रयोग किया जाता है। सो या सोरा का अर्थ साधारणतः ‘वह’ ही है। सो चोरा, बडा वेनि—वह देखो रक्तिम सूर्य सोथन, सोटो (एक वचन) सोकिथन, सोकिटो, सो बिनाक वे।

7. संबंध वाचक सर्वनाम :— यि=जो

यि (जि)=जो एकवचन, यि सकल, यिविनाक=बहुवचन। इसका विकृत रूप=“या” (जा) है। अतः याक याब इत्यादि रूप होते हैं। यि के साथ भी वचन निर्देशक प्रत्यय जोड़ा जाता है। यि का दूसरा एक विकृत रूप यि अतः यिशक, यि श्व इत्यादि यि का रूपांतरित कर्त्ता कारक का रूप येये=(ये (जे)ये) है।

8. प्रश्नवाचक सर्वनाम :—

कोन—कौन—रूपान्तरित कर्त्ताकारक का रूप—कोन—विकृत रूप—का। उपयुक्त वचन निर्देशक प्रत्यय इस के साथ भी जोड़ा जा सकता है।

कि—क्या—रूपान्तरित कर्त्ताकारक का रूप—किशे, विकृत रूप—किश? उपयुक्त एक वचन निर्देशक प्रत्यय जोड़ा जा सकता है। स्थान के अर्थमें कि का विकृत रूप क होता है। इसी तरह कले (कहां) कबपरा (कहांसे) क’त (कहां)

केनेकुरा (किस तरह) केलेहे (क्यों) काशनि (कब) आदि का भी प्रश्नवाचक अर्थ में बहुतायतसे प्रयोग होता है।

9. अनिश्चयवाचक सर्वनाम :—

कोनो, कोनोवा—कोई; विकृत रूप काब होता है। कोनोवा से भी रूप बनता है। रूपांतरित कर्त्ताकारक का रूप—कोनोरे कोनोवाइ।

किवा—कुछ, रूपांतरित कर्त्ताकारक—किवाइ, किशवाइ। शब्द रूप बनाने का मूल रूप—किवा, किशवा। अतः किवाब, किवाब पवा, किशवाब पवा।

कबराउ—(कहीं) कबराब, केतिशवा—कभी।

एका—कुछ भी—(नकारात्मक अर्थ में प्रयोग होता है।)

10. निजवाचक सर्वनाम :—

निज—(अपना) एक विशेषण पद है। उपयुक्त विभक्ति जोड़कर इसे ही निजवाचक सर्वनाम के रूपमें व्यवहार किया जाता है।

कर्त्ता—निज—ए(खुद) मेहे निजे—मैं खुद, आमि निजे—हम खुद। निजक, निजब इत्यादि।

कभी कभी कर्त्ता कारकमें निज शब्द को द्वित्व करके प्रयोग किया जाता है।

11. संयुक्त सर्वनाम :—

आन कोनोवा—दूसरा कोई किवा नश्य किवा—कुछ न कुछ यि कोनो—जो कुछ।

12. सर्वनामीय विशेषण और क्रिया विशेषण

एहे=यह, एया—यह, हेमान—इतना, एने, एनेकुरा—इस तरह, मेया—वह, मिमान—उतना, तेनेकुरा—उस तरह, यिमान—जितना येने, येनेकुरा—जिस तरह, जैसा, केहेटो, केहेजन (एकवचन निर्देशक प्रत्यय जोड़ कर—टो के अनावा)—कितना, किछू, किछूमान—कुछ, अथन—तब, एतिया—अब, तेतिया—तब, येतिया—जब, केनेकै—कैसे, येनेतेने—जैसे तैसे, केनेवाकै—किसी तरह, एहेदवे—इस तरह, मेहेदवे—उसी तरह।

क्रिया प्रकरण

1. कर्ता के पुरुष रूपों के अनुसार ही क्रियाएं बनती हैं।
2. विभिन्न कालों के अलग अलग विधाओं में क्रिया के अलग अलग रूप बनते हैं।

3. कर्मवाच्य में क्रिया का एक अलग रूप बनता है—और यह रूप ही सभी कालों और पुरुषों में प्रयोग होता है। यहां केवल कर्तृवाच्य का ही धातु रूप दिखाया जायगा।

4. क्रिया के वचन में कोई अंतर नहीं होता—एक ही रूप का एकवचन और बहुवचन दोनों में प्रयोग होता है। लेकिन उत्तम पुरुष की क्रिया में (बहुवचन में) कभी कभी कमी ईक प्रत्यय का योग होता है :—

मई कबो—मैं करता हूं, आगि कबो—हम करते हैं, आगि कबो, ईक—हम करते हैं।

5. क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं। शब्दावली में इसकी एक सूची दी गयी है। धातु के साथ कालानुसार हम प्रत्यय जोड़ते हैं और तब पुरुषवाचक प्रत्यय (Personal terminations) जोड़ कर क्रिया का पूर्ण रूप बनता है।
उदाहरण—धातु-कब+ई (भविष्यत् कालका प्रत्यय)+म (उत्तम पुरुष का प्रत्यय)—कबिम (करूँगा)। मध्यम पुरुष 'क स्तर' की अनुज्ञा क्रिया का रूपांतर नहीं होता। अतः इस तरह अनुज्ञा सूचक कथन से भी मूल धातु का पता लगाया जा सकता है।

1. पुरुषवाचक प्रत्यय निम्न प्रकार के हैं :—1. उत्तम पुरुष, 2(क) मध्यम पुरुष अवज्ञा सूचक, 2(ख) मध्यम पुरुष सम्मानार्थ 2(ग) मध्यम पुरुष आदर सूचक और 3. अन्य पुरुष क, ख, ग स्तर के।

7. कुछ धातु स्वरांत होते हैं और कुछ व्यंजनान्त। ए कारांत धातु के "ए" को "इ" में परिवर्तित कर क्रिया के रूप बनाये जाते हैं।

धातु रूप

सामान्य वर्तमान काल

"मैं हूँ"—वर्ग के यहाँ और प्रत्यय जोड़ा नहीं जाता। पुरुषवाचक प्रत्यय नीचे दिये जा रहे हैं।

1. उत्तम पुरुष, धातु + उँ—मैं हूँ—मई इँ, हम हैं—आगि इँ मैं देता हूँ—मई दिँ (ध धातु दि में परिवर्तित होता है)

2. 2क स्तर—प्रत्यय (i) व्यंजनांत धातु के बाद—आ (ii) अ, आ, उ के बाद—इ (iii) ए के बाद इ (इ में परिवर्तित होता है) उई इ+इ—उई इइ—तू है।

3. 2ख स्तर प्रत्यय (i) व्यंजन के बाद—आ (ii) अ और आ के बाद—उआ (मूल धातु के अन्य स्वरों का लोप कर) (iii) ए के बाद इ (इ में परिवर्तित होता है) (iv) उ के बाद—इ।

4. 2ग स्तर—(i) व्यंजन के बाद—ए (ii) अ और आ के बाद—इ (iii) उ के बाद—इ (iv) ए के बाद—इ (इ में परिवर्तित होता है) धातु "इ"—होना मई इँ,—मैं हूँ, आगि इँ—हम हैं, उई इइ—तू है, तूगि होआ—तुम हो, आपूगि इइ—आप हैं, जि (तेउँ, तेथेत) इइ—वह है, जिइत (तेउँ लोक तेथेत मकल) इइ—वे हैं।

तात्कालिक वर्तमान

प्रत्यय—इइ (आकारांत होने पर एइ)

पुरुष वाचक प्रत्यय निम्न प्रकार हैं—

1. उत्तम पुरुष—धातु + इइ + उँ, कब (करना) + इइ + उँ = कबिई—करता हूँ। ल + इइ + उँ = लेई (लेता हूँ)

नोट :— इस कालमें धातु के (i) अंतिम ए का लोप होता है (ii) धातुका अंतिम ओ, उ होता है—धातु (ना) (सोना) + ऐह + उ = ओ + ऐह + ओऐहो—सोता हूँ। (iii) धातुका सर्वप्रथम स्वर ओ और अन्त्यक्षर व्यंजन होनेपर प्रथम ओ उ में परिवर्तित होता है—धातु बोटेन (उठा लेना)—बूटेन + ऐह + ओ = बूटेनोहो—मैं उठा लेता हूँ (बटोरता हूँ)।

2. क स्तर—धातु + ऐह + अ—उत्तम पुरुष का पूर्व उल्लिखित नोट यहां भी प्रयोज्य है। अतः तरे कैह—तू कहता है, तरे कबिह—तू करता है, तरे ओहोह—तू सोता है, तरे थूजह—तुमलोग मांगते हो [धातु थोज]।

3. ख स्तर—धातु + ऐह + आ—पहलेवाला नोट यहाँ भी प्रयोज्य है। ठूमि दिहा—तुम देते हो। ठूमि लेहा—तुम लेते हो।

4. ग स्तर—धातु + ऐह + ए। नोट—यहां भी प्रयोज्य है। आपूनि लेह—आप लेते हैं। मिहो (या मि) लेह—वे लेते हैं।

पूर्ण भूतकाल

तात्कालिक वर्तमान कालका नोट यहां भी प्रयोज्य है।
प्रत्यय :— ऐहिल—इसके बाद पुरुषवाचक प्रत्यय जोड़े जाते हैं।

1. उत्तमपुरुष—ओ—मरे कबिहिलें। मैंने किया था।
थेहिलें। मैंने रखा था।
2. 2क— ऐ— तरे कबिहिल तूने किया था।
तरे पाहिल तूने पाया था।
3. 2ख— आ— ठूमि दिहिला तुमने दिया था।
ठूमि ओहिला तुम सोये थे।

4. 2ग— ए पुरुषवाचक (या प्रत्यय विहीन)—
आपूनि आहिल या आहिल आप आये थे।
मि आहिल वह आया था।

सामान्य भविष्यत काल

पूर्वोक्त नोट यहाँ भी प्रयोज्य है।

प्रत्यय—ऐ-व्यजनांत धातुमें ही व्यवहृत होता है। पुरुषवाचक प्रत्यय निम्न प्रकार के हैं।

1. उत्तम पुरुष—ग(अ)—मरे कबिग—मैं करूंगा।
मरे बाग—मैं जाऊंगा आगि दिग—हम देंगे
(दे धातु दि होता है)

मरे क'ग—मैं कहूंगा।

2. 2क स्तर=वि—तरे कबिबि—तू करेगा, तरे पावि—तू पायेगा
3. 2ख स्तर=वा—ठूमि कबिवा—तुम करोगे, ठूमि पावा—तुम जाओगे।
4. 2ग स्तर=व—आपूनि कबिब—आप करेंगे।

आपूनि पाव—आप जायेंगे।

सामान्य भूत, आसन्न भूत

असमीया में इन्हें पूर्वा घटित वर्तमान काल कहते हैं। पूर्वोक्त नोट यहां भी प्रयोज्य है। प्रत्यय—ऐ व्यजनांत धातु में जोड़ा जाता है। पुरुषवाचक प्रत्यय निम्न प्रकार के हैं।

1. उत्तम पुरुष—लो—मरे कबिलो—मैंने किया (है)।
मरे पालो—मैंने पाया (है)।
आगि धूलो—हमने धोया (है)।
2. 2क स्तर—लि— तरे कबिलि—तूने किया (है)।
तरे पालि—तूने पाया (है)।
3. 2ख स्तर—ला— ठूमि कबिला—तुमने किया (है)।
ठूमि पाला—तुमने पाया (है)।
4. 2ग स्तर—ले—आपूनि कबिले—आपने पाया (है)।
मि पाले—उसने किया (है)।
तेओलोक लेले—उन्होंने लिया (है)।

2ग स्तर के संबंधमें नीचे की बातों को ध्यान से देखें :—

(i) धातु का अंतिम अ हमेशा 'अ' होता है।

(ii) अकारांत अकर्मक धातु में सिर्फ-ल ही जोड़ा जाता है (पुरुष वाचक प्रत्यय के रूपमें) — धातु—इ (होना) आपुनि अकत इल। आप मोटे हुए।

(iii) अकर्मक सब धातु (व्यंजनांत) में भी सिर्फ काल योग होता है—जि मदिन—वह मरा।

प्रश्नबोधक वाक्य

1. निश्चयात्मक क्रिया (Assertive Verb) के बाद ने, जानो, नेकि इत्यादि शब्दांश जोड़ कर प्रश्नबोधक वाक्य बनाया जाता है।

निश्चयात्मक

তেওঁ আহিব—वह आयेगा
তুমি তেওঁক দেখিছিল—तुमने
उसे देखा था।

प्रश्नबोधक

তেওঁ আহিবনে?—
वह आयेगा क्या?
তুমি তেওঁক দেখিছিল জানো?—
क्या तुमने उसे देखा था?

তেখেত আজি যাব-वे आज जायेंगे। तेখেত আজি যাব নেकि?—
क्या वे आज जायेंगे?

2. प्रश्नबोधक सर्वनाम शब्द जोड़कर भी प्रश्नबोधक वाक्य बनाये जाते हैं।

আপ কহাঁ জায়ेंগে? আপুনি ক'লে যাব?
আপকা নাম क्या है? আপোনাৰ নাম কি?
उनका घर कहा है? তেওঁৰ ঘৰ ক'ত?
लड़का क्यों हँसता है? লৰাটোৱে কিয় হাঁহিছে।

3. कथोपकथन करते समय ध्वनि (Voice) का परिवर्तन कर ही प्रश्नबोधक वाक्य बनाये जाते हैं। परिवर्तन के लिये

शब्दका अंतिम स्वर (Vowel) (जो प्रश्न का विषय है) का उच्चारण कुछ दीर्घ होता है—तुमि चाह थावा—तुम चाय पीओगे? तुमि चाह थावा—आ। (थावा का आ का उच्चारण दीर्घ होगा) क्या आप चाय पीयेंगे?

निषेधात्मक कथन

1. हाँ—इश, नहीं—नइश [धातु—इ हो] यह मेरा घर है—
এইটো মোৰ ঘৰ (इश)। यह मेरा घर नहीं हैं—এইটো মোৰ
ঘৰ নইশ। निषेधात्मक कथन बनाने स्वीकारात्मक क्रियाके पूर्व
'न' का योग किया जाता है।

2. निश्चयात्मक क्रियामें पूर्व प्रत्यय योग करते समय—
न के साथ निश्चयात्मक क्रिया के प्रथम स्वर का अनुरूप स्वर
युक्त होता है।

তুমি ইবা=तुम होओगे, तুমि नइवा=तुम नहीं होगे।
মই জানো=मैं जानता हूँ, মই নাজানো=मैं नहीं जानता हूँ।

नोट :— निश्चयात्मक क्रिया के प्रथम स्वर आ होने पर
वैकल्पिक रूपसे न के साथ ए युक्त होता है।

মই নেজানো—मैं नहीं जानता।

তুমি ধুবা—तुम धोओगे, তুমি নুধুবা—তুমি नहीं ধোओगे।
আমি নোঁ—हम सोते हैं, আমি নোঁনা—हम नहीं सोते हैं।
জি দেখিলে—उसने देखा, জি নেদেখিলে—उसने नहीं देखा।
মই কিয় দিম—मैं क्यों दूंगा? মই কিয় নিদিম—মैं क्यों नहीं दूंगा?

3. निश्चयात्मक क्रिया का प्रथम स्वर ए होने पर 'न' का
अ स्वर लोप नहीं होता है।

তেওঁ গৈছিল—वह गया था; तेওঁ নগৈছিল—वह नहीं गया था।

4. निश्चयात्मक क्रियाका पहला अक्षर स्वरवर्ण होने पर निषेधात्मक न का अ लोप होता है।

आছিল—था; नाँछल—नहीं था।
तুমि आनिवा—तुम लाओगे; तুমि नानिवा—तुम नहीं लाओगे।
उहे उठिबि—तू उठेगा, उहे नूठिबि—तू नहीं उठेगा।
उहे उनाबि—तू निकलेगा; उहे नोनाबि—तू नहीं निकलेगा।

5. निम्नलिखित अनियमित निषेधात्मक क्रियाएँ हैं :—नाई—नहीं हैं। क्रिया का इस रूप तात्कालिक वर्तमान काल के सभी पुरुषों में व्यवहार होता है।

नोराब धातु (नहीं सकते हो) पाब (सकते हो) का प्रति रूप (counterpart) अनियमित निषेधात्मक शब्द है। पाब और नोराब प्रायः (असमापिका) क्रिया के धातु के साथ योग होता है।

तुमि पाब पाबा—तुम जा सकते हो।

तुमि पाब नोराबा—तुम जा नहीं सकते हो।

कर्मवाच्य में अन्य धातु के साथ निषेधात्मक अर्थ में नाई क्रिया का प्रायः योग होता है। महे पोरा नाई—मुझे नहीं मिला (पोरा धातु पा से बना है) आजि खब कागज दिशा नाई—आज समाचार पत्र नहीं दिया (खब—समाचार; कागज—पत्र) (दिशा क्रिया प धातु से बनी है।)

क्रिया विशेषण

1. साधारणतः विशेषण के साथ एक योग दे कर क्रिया विशेषण बनते हैं—खब—तेज, खबेक—तेजी से, बब—अति, बहुत, बबेक—खूब, मिशि—मुलायम; मिश्टेक—मुलायम से।

2. कुछ संज्ञा के साथ एवे योग कर—

जोब—बल, जोर : जोबेबे—जोरसे

बेग—वेग, चाल : बेगेबे—चालसे

सूख—सुख : सूखेबे—सुखसे

3. 'एउ' और 'आई' योग कर—

बेग—बेगउ, बेगाई—जोरसे, त्वरा

4. संज्ञा और विशेषण शब्दको ए के साथ दुहरा कर—

लाइ—विलास : लाइ लाइ—धीरे धीरे।

धीबे—धीमा : धीबे धीबे—धीरे धीरे।

5. संज्ञाके साथ ए योग कर। पनम—विलंब, गाड़ी देरसे आयेगी—गाड़ी पनमे आशिव। क्रम—क्रम तूमि क्रम उख श्वा—तुम क्रमशः ऊंचे होओगे।

6 क्रिया विशेषण हमेशा क्रिया के पूर्व लिखा जाता है।

अनुज्ञा वाक्य

1. 2 क स्तर—प्रत्यय को छोड़कर सिर्फ मूलधातु को ही व्यवहार कीजिये।

2 2 ख स्तर—(i) व्यंजनान्त धातुके साथ—आ प्रत्यय योग कर। (ii) एकारान्त धातुके साथ य (ए ऐमें परिवर्तित होकर) योगकर दिशा—देना। (iii) स्वरांत अन्य धातु के साथ उरों योग कर—(मूल धातु का अंतिम स्तर लुप्त कर) नोरा धातु न (लेना)।

3. 2 ग स्तर—प्रत्यय—(1) आकारान्त धातुके साथ उर योग कर। धातु ङ (देश) ङउक—(देखिये)। (ii) मूल धातु का अंतिम स्वर लुप्त कर धातुके साथ वैकल्पिक तौरपर—अक योगकर। आपूनि ङक—(आप देखिये) (iii) व्यंजनान्त धातुके साथ—अक योगकर आशक कृपया आइये (iv) अ के बाद क या उक योगकर—लक या लउक (लीजिये) (v) ए कारान्त धातुके बाद—अक ए-ऐ में परिवर्तित हो जाता है) योग देकर (v) उ कारान्त धातुके बाद—उक योग देकर—मि धोरक—उन्हें धोने दीजिये। शोरक—उन्हें सोने दीजिये।

नोट :- अनुज्ञा रूपमें मूल धातु का अंतिम उ स्वर ऐ नहीं होता है। आदेश, सम्मति या अनुमति अर्थमें ही अनुज्ञा रूप व्यवहार होता है।

“चाहिये” और “नहीं चाहिये” के समानार्थी शब्द

‘चाहिये’ मूल क्रिया के साथ व्यवहृत एक सहायक क्रिया है।

1. असमीया में मूल क्रिया 2 ग स्तर के अनुज्ञा रूप में (अनुनासिक स्वरों को छोड़ कर) रखी जाती है, उसके बाद उचित शब्द का योगकर औचित्यार्थ क्रिया बनायी जाती है। (उचित एक विशेषण पद है—अर्थ ठीक)

तुम्हें कहना चाहिये—तूमि कोरा उचित।

2. ‘नहीं चाहिये’ इस शब्द को असमीया में रूपांतरित करने के लिये नश्य शब्द उचित के बाद जोड़ना पड़ता है या उचित के बदले अनुचित प्रयोग किया जाता है।

मुझे नहीं जाना चाहिये—गोब घोरा उचित नश्य
या भै घोरा अनुचित।

3. अथवा क्रिया 2 ग स्तर भविष्यत् काल के रूप के साथ “चाहिये” लिये प्राय और “नहीं चाहिये” के लिये ‘नाप्राय’ प्रयोग किया जाता है।

तुम्हें कहना चाहिये—तूमि कब प्राय

तुम्हें कहना नहीं चाहिये—तूमि कब नाप्राय।

‘सकना’ की समानार्थी क्रिया

1. सकना—पाव धातु

2. नहीं सकना—नोराव।

असमीया में मूल क्रिया को 2 ग स्तर भविष्यत् काल के रूप के अनुसार लेकर उसके साथ साधारण नियमानुसार पाव और नोराव सहायक क्रिया का रूप (पुरुषानुसार) मूल क्रिया के साथ योग दिया जाता है।

मैं कर सकता हूँ—भै कबिब पावो।

वे कर सकते थे—तेओलोक कबिब पाबिछिन।

क्या मैं इस किताबको ले सकता हूँ—भै कितापखन

नव पावोन ?

असमापिका क्रिया

1. 2ख स्तर की क्रिया के अनुज्ञा रूपसे अनुनासिक अंश बाद देने से ही क्रिया का असमापिका रूप मिल जाता है।

बजारमें मछली मिलना मुश्किल है—बजारमाछ पोरा टोन।

(टोन—मुश्किल, कठिन)

असमीया भाषा सीखना आसान है—असमीया भाषा शिकामशक।

2. 2ग स्तर के भविष्यत् रूपमें लै प्रत्यय जोड़कर भी असमापिका क्रिया बनायी जाती है।

मैं उन्हें यह काम करने को कहा था—भै तेओक कामटो कबि-
बले टैकछे।

होना क्रिया का समानार्थी क्रिया (होना—to have)

1. कर्त्ता को संबंध कारकमें (दृष्टी विभक्ति) रखें। अतीत कालमें आछिन, वर्तमान कालमें आछ और भविष्यत् कालमें शव क्रियाका व्यवहार करना चाहिये। इच्छा और सम्मति के अर्थमें शुक और संभाव्य भूतमें थका शले प्रयोग किया जाता है। पुरुष के अनुसार इन क्रियाओंका रूप नहीं बदलता है।

मेरी एक कलम है—गोब एटो कलम आछ।

उसकी एक नौकरी थी—ताव एटो टाकबि आछिन।

2. इसी तरह ‘नहीं होना’ के समानार्थी क्रियाएँ हैं—नाछिन, नाइ, नाइवा नश्यक और नथका शले (संभाव्य भूतमें)।

उनके पास हथियार नहीं था—तेओलोकद शथीशार (वा मज्जुलि)

नाछिन

अनियमित क्रियाएँ

1. भूतकाल और तात्कालिक वर्तमान कालके रूपांतर करने में या धातु (जा) का रूप 'ग' होता है और 'ग' के बाद ही प्रत्यय योग किये जाते हैं।

मि गल वह गया, मरे गैछै—मैं गया .

आपुनि गैछि—आप गये थे।

2. व'ल (चल्—मेरे साथ चल) धातु मध्यम पुरुष के अनुज्ञा अर्थमें ही व्यवहार होता है :—

आपुनि वलक (आप चलिये), तूमि व'ला (तुम चलो), उरे व'ल (तू चल)।

3. नाई (नहीं) धातुका केवल वर्तमान कालमें ही प्रयोग होता है। और कभी कभी इसका रूपांतर नहीं होता।

मरे ऐशत नाई—मैं यहां नहीं हूँ, मि ऐशत नाई—वह यहां नहीं है।

4. आइ (हो) केवल वर्तमान और पूर्ण भूतकाल में प्रयोग होता है।

मरे ऐशत आछै—मैं यहाँ हूँ, तूमि तत आछिना—तुम यहां थे। असलमें आइ धातु थाक् धातुका ही एक विकृत रूप है। और इसीलिए आइ धातुको 2 क अनुज्ञा क्रियाके रूपमें व्यवहार नहीं किया जा सकता।

अनियमित पाश् (उचित) क्रिया के संबंधमें पहले ही बताया गया ।

कर्मवाच्य

1. कर्मवाच्यमें मूल क्रिया को 2 ख स्तर के अनुज्ञा रूपमें रखा जाता है (अनुनासीकरण को छोड़ कर) और उसके साथ इ औ या धातुके कालानुसार 2 ग स्तर का प्रत्यय जोड़ा जाता है। अच्छी चाय यहां मिला करती हैं—ठांग टाई ऐशत पोरा इय (याय)

वहां किसी भी आदमीको देखा नहीं गया था— तत कोनो मान्नुइ देखा नैगैछिल [या धातुसे नैगैछिल रूप]

2. 'कर्त्ता और कृत के संबंधवाचक व्याख्यांशमें साधारणतः इ और या धातु योग किये बिना ही क्रियाका कर्मवाच्य रूप (मूल क्रिया का) व्यवहार होता है।

बामे कवा काम—रामसे किया गया काम [यहां इ या या धातु की क्रिया व्यवहृत नहीं हुई।] इस तरह के व्याख्यांश का व्यवहार विशेषण की तरह (adjectival value) होता है।

आधी पढ़ी गयी किताब—आधी पढ़ा किताप

नहीं गाया हुआ गीत—नोगोवा गौत

आधी कही हुई कहानी—आधी कोरा मान्नु

3. कर्मवाच्य की व्यंजनांत धातु (मूलक्रिया) में ऐ प्रत्यय जोड़कर (इ और या धातुका प्रयोग न कर भी परु बनाया जाता है :—यहीं से घर देखा जाता है। ऐशब पवा घबटो देखा याय। ऐशब पवा घबटो देखि।

4. आ कारान्त कुछ धातुओंके कर्मवाच्यमें ऐ के बदले विकृत रूप य योग होता है।

यहां किराये पर घर मिलता है क्या ?

ऐशत भाड़ा घब पोरा याय नेकि ?

ऐशत भाड़ा घब पाय नेकि ॥

क्रियावाचक संज्ञा (और क्रियार्थक संज्ञा)

1. 2 ख स्तर अनुज्ञा रूप को (अनुनासिक अंशको छोड़कर) प्रत्यय को धातुके साथ जोड़कर क्रियावाचक संज्ञा (क्रियार्थक संज्ञा) बनायी जाती है।

कामरूप जिले में शराब पीना मना है—

कामरूप जिलात मद थोराटो निषिक्त।

विदेशी भाषा सीखना (एक) अच्छी आदत है—

বিদেশী ভাষা শিখাটো ভাল অভ্যাস।

2. नीचे के व्यवहार भी देखे :—

তুমি অশত মই সব ভাল পায়েছা—

आपके आने पर मुझे बड़ी खुशी हुई।

('अशत' आह (आना) धातु का अनियमित क्रियार्थक संज्ञा-रूप)

তুমি হেঁসাত শকাত মই ভাল পায়েছা—

यहां तुम्हारे रहने के कारण मुझे खुशी हुई।

संभाव्य भूतकाल

1. इस कालमें दो क्रियाएँ होती हैं—एक मूलक्रिया (स्वतंत्र क्रिया) और दूसरी मूल क्रियाकी सहायक क्रिया । साधारणतः मूल वाक्यांश सहायक क्रियावाले वाक्यांशसे पहले आता है ।

मूल वाक्यांश यदि से (यदि) आरंभ होता है । दोनों क्रियाओंको सामान्य भूत या आसन्न भूत कालके रूपमें रखकर दोनोंमें हेतुन शब्द जोड़ देना होता है ।

यदि मैं कहता—

तुम आते—

यदि मई कलोलोहेतुन

তুমি আঁশিনা হেতেন।

यदि तुम (मुझे) देते—

मुझे मिल जाता ।

यदि तूमि मोक दिलाहेतुन

মই পালো হেতেন

2. अथवा मूल वाक्यांश की क्रिया को सामान्य भूत या आसन्न भूत के 2ग पुरुष स्तर में और बाकी अंश ऊपर के जैसा रखकर भी संभाव्य भूत काल का रूप प्रचलित है ।

वे अगर मुझे कहते—

मैं आता

তেওঁ মোক কোৱা হ'ল

মই আঁশিনো হেতেন।

3. अथवा, मूल वाक्यांश की क्रियाको 2ख अनुज्ञा रूपमें (अनुनासिक अंश छोड़कर) रखकर हल योग देकर भी यह रूप बनाया जाता है । द्वितीय वाक्यांश पूर्ववत् रहता है ।

अगर वे मुझे सूचित करते— मैं आ सकता—

তেওঁ মোক জনোৱা হ'ল

মই আঁশিব পাৰিলো হেতেন

[यहां द्वितीय वाक्यांश की सहायक भाव (सकना) क्रिया का ही आसन्न भूत रूप लिया गया है । इस तरह के वाक्यों में सहायक क्रियाका ही रूप बदलता है ।]

संभाव्य क्रियार्थ भेदक (Conditional Conjunctive)

संभाव्य भूतके 2 नं नियम में उल्लिखित प्रथम वाक्यांशका क्रिया रूप ही संभाव्य क्रियार्थ भेदक कालमें भी प्रयोग होता है ।

তেওঁ মোক ক'লে মই আঁশিম उनके कहने से मैं आऊंगा ।

मई गाड़ीधन निले बेया नेपावा—मेरे यह गाड़ी लेनेसे बुरा मत मानना ।

अविभक्तिक संभाव्य क्रिया

1. धातु + हे (अकारांत धातु के हे)

मई आशि कामटो कबिग—मैं आकर यह काम करूंगा ।

তেওঁ ক কিতাপখন দি তহে আকো আঁশিব—उनको किताब देकर तू फिरसे आना । अनप पब [समय] सुइ मई कुरिबले याग—थोड़ी देर सोकर मैं घूमने [कुरिबले—कुर [घूम] धातु का असमापिका रूप जाऊंगा ।

2. लेकिन क्रियार्थक संज्ञा [संबंध कारक] के साथ पाइत शब्द योग कर भी अनुरूप भाषा प्रकट किया जा सकता है—अनप पब शोराब पाइत कुरिबले याग—थोड़ी देर सोकर घूमने जाऊंगा ।

क्रियावाचक विशेषण

धातु + ओंते [कभी कभी ओते] आहँते [आते समय—]

गाओते [गाते समय] लओते [लेते समय]—

“ভোগলৈ চাওঁতে জনা দেওঁতে বিকিলে অঘৈয়া হ'ল”—

तुम्हें देखते हुए—दीवार पार होते समय मेरे पैर में एक मोटा काँटा चुभ गया [अघैया=मोटा, हल काँटा]

भावबोधक वाक्यांश

(The absolute Phrase)

[i] धातु [व्यंजनांत] + ऐलउ

[ii] धातु [स्वरांत] + लउ

[iii] क्रियार्थक संज्ञा रूप + उ [क्रियावाचक संज्ञा के 2नं नियम के अनुसार]

उनके देने पर मैंने लिया তেওঁ দিয়াত মই লৈছোঁ।

मेरे कहने से वह बैठ गयी মই ক'লত তাই বহিল

या मई कोराउ ताई रहिल

संयुक्त क्रियाएँ

1. क्रिया के साथ क्रिया—मुख्य भाव प्रकट करनेवाली क्रियाके साथ सहायक क्रिया जोड़ी जाती है जो अपना अर्थ प्रायः खो देती है और मूल क्रियाके अर्थ को महत्व देती है। सहायक क्रिया में ही प्रत्यय का योग होता है।

कै छ।—कहकर देख, थाई छ।—खाकर देख, छुटि आइ—चल आ, लइ उठै—सोकर उठ, कान्नि उठै—रो उठ। थ, दे, पेला आदि सहायक क्रियाएँ मूल क्रियाको पूर्ण क्रियाका रूप देनेके लिये प्रयुक्त होती हैं :— थाई पेला—खा ले। मूल क्रियाको जारी रखने के अर्थमें मूल क्रियाके साथ सहायक क्रिया जा और थोक योग दिया जाता है।

तुम कहते रहो—तुमि कै थका।

हम सुन रहे हैं—आमि सुनि आछोँ।

2. अनुमति अथवा मूल क्रिया के कार्य की व्यवस्था आदि करने के अर्थ में सहायक क्रिया 'दे' का प्रयोग होता है।

मोः वावेल दिशक—मुझे जाने दीजिये। ध्यान देनेकी बात है कि यहां मूल क्रियाका असमापिका रूप ही व्यवहार किया गया है।

3. मूल क्रियाके असमापिका रूपके साथ उनी, मूल क्रियाके 2 ग भविष्यत कालके रूपके साथ थोख और मूल क्रियाके 2 ग भविष्यत कालके रूपके साथ थव का प्रयोग इच्छा, आरंभ करना आदि अर्थमें होता है।

मई विदेशलेन वाव थुछिछोँ—मैं विदेश जाना चाहता हूँ।

तेथे वावलेन उनाइछे—वे जाने (के लिये) निकले हैं।

4. संज्ञाके साथ क्रिया—क्रियाके साथ संपूरक अर्थ रखनेवाला संज्ञा शब्द संयुक्त होता है—दोनों मिलकर एक ही अर्थ प्रकट करते हैं। इसकी एक संक्षिप्त सूची नीचे दी जा रही है—

लाज पा	লাজ পা
डर कर	ভয় কৰ
मार खा	মাৰ খা
आरंभ हो	আৰম্ভ হ
आरंभ कर	আৰম্ভ কৰ
सावधान हो	সাবধান হ
अच्छा हो	ভাল হ
दुख पा	দুঃখ পা
बुरा लग	বেজাব পা
शोक पा	শোক পা
उधार ले	ধাব কৰ
बन्द कर	বন্ধ কৰ
इच्छा कर	ইচ্ছা কৰ
देर कर, विलंब कर	দেবৌ কৰ, পলম কৰ
बुरा पा	বেয়া পা
विफल हो	বিফল হ
अनुभव कर	অনুভব কৰ
लज्जा कर	লাজ কৰ

सुख पा	सुख पा, बर पा
मुहब्बत कर	ভাল পা
युद्ध कर	যুদ্ধ কৰ
डरा	ভয় থুৱা
लाभकर, मुनाफा कर	লাভ কৰ
जल्दी कर	খব কৰ
सहायता कर	সহায় কৰ
सम्मान कर	মান কৰ
आशा कर	আশা কৰ
जोड़ देना	লগ लगा
पीछे हो जा	পাछ পৰ
उधार दे	ধাৰ দে
निवास कर	বাস কৰ
लंबा कर	দীঘল কৰ
मिल ले	লগ পা
शादी कर	বিয়া কৰ
प्यार कर	মৰম কৰ
शास्ति दे	শাস্তি দে
द्वन्द्वकर, मगड़ा कर	দনকৰ, কাজিয়া কৰ
वर्षा हो	বৰষুন দে
दौड़	লবমাৰ, দৌৰ দে
गुस्सा कर	খং কৰ
स्मरण कर	মনত পেলা
खड़ा हो	ঠিয় হ
बातें कर	কথা পাত
कोशिश कर, चेष्टा कर	চেষ্টা কৰ
सौगंद खा	শপত খা
झूठ बोल	ফাকি দে

पैदल चल
चकित हो, विस्मित हो

খোজ কাঢ়
আচৰিত হ

5. दूसरे पदों से युक्त नीचे की क्रियाओं को ध्यान से देखें।
उनके कर्त्ता हमेशा संबंध कारकमें [षष्ठी विभक्तिमें] होते हैं।
[यहाँ धातु रूप ही दिया गया है]

ऊब जा	आगनि लाग
ठंडा लग	ঠাণ্ডা লাগ
बुरा लग	বেয়া লাগ
अच्छा लग	ভাল লাগ
गरम लग	গৰম লাগ
भूख लग	ভোক লাগ
आनन्द लग	বং লাগ
प्यारा लग	মৰম লাগ
तरस खा	পুতো লাগ
दुख लग	দুখ লাগ, বেজাৰ লাগ
सर्दी लग	চৰ্দী লাগ
नींद आ	টোপনি ধৰ
प्यास लग	पियास লাগ
थक जा	ভাগৰ লাগ
गुस्सा उठ	খং উঠ

लाग धातु

1. लाग धातुके अनेक अर्थ हैं :—जोड़ा देना, पेड़ पर लटकना, चोट करना इत्यादि
2. कर्मकारक (द्वितीया विभक्ति) के साथ प्रयुक्त लाग धातु का अर्थ “चाहिये” (to want) होता है।

तुम्हें क्या चाहिये—तोमाक कि लागे ?

मुझे एक किताब चाहिये—गोक এখন किताप লাগিব।

इन अर्थमें धातुके साथ 2ग स्तर के प्रत्यय ही युक्त होते हैं।

3. मूल क्रियाके 2ग स्तर भविष्यत कालके रूपके साथ युक्त होने पर लाग धातुका अर्थ, अनिवार्य, आभार आदि होगा। इस स्थितिमें भी 2ग स्तर के प्रत्यय (लाग धातुके साथ) ही योग होते हैं।

मझे कि कब लागिब—मुझे क्या कहना पड़ेगा।

তুমি কালি আশিব লাগিছিল—तुम्हें कल आना चाहिये था।
লগাত পৰ কে साथ और एक संयुक्त क्रिया का प्रयोग देखें—
मुझे वहां जाना पड़ता था—मझे तारेक थाव लगাত পৰিছিল।

निश्चयात्मक, अंतर्भुक्तकारी, अतिरिक्त और अन्य प्रत्यय
(The emphatic, inclusive, exclusive and other such particles.)

1. निश्चयात्मक—इ—जि आशिवइ—वह आयेगा ही (वह जरूर आयेगा)। यह इ कभी कभी विकृत होकर—एइ,—रेइ आदि रूप लेता है। जिइइ कब पाबिब—वह खुद कह सकेगा। एइटोरेइ आमाब घब—यही हमारा घर है। एइटो आमाबेइ घब—यह हमारा ही घर है।

2. ३ प्रत्ययका “भी” के अर्थमें क्रिया, संज्ञापद और सर्वनामके साथ प्रयोग होता है—

তুমিও যাও—तुम भी जाओगे, मझे आशिम आक डेयात थाकिमो—
मैं आऊंगा और यहाँ रहूंगा भी।

3. চোঁন या দেখোঁन जोर, प्रत्यय, आश्चर्य इत्यादि अर्थमें प्रयोग होता है—मझेचोঁन তোমাक कलोरेइ—मैंनेतो आपको कह ही दिया है।

4. शायद या संभावना अर्थमें ‘श्वना’ प्रयोग होता है—
তুমি শ্বনা আছি যাও ?—आज शायद (क्या) तुम जाओगे ?

5. ‘जोर’ देना सूचित करने के लिये संज्ञा और सर्वनाम शब्दोंके साथ टो योग किया जाता है।

মহেটো কোঁরা নাছিল—मैं ने (निश्चय) कहा नहीं था

6. ऐ (या धातुका अविभक्तिक रूप) और इ (अशि का संक्षिप्त रूप) प्रत्यय क्रिया के साथ जोर सूचित करनेके अर्थमें प्रयोग होता है।

कुछ अव्ययों के व्यवहार

1. ऊपर—संबंध कारक के बाद उपबत प्रयोग होता है—
मेजके ऊपर—मेखब उपबत।
2. बिना—असमीया क्रियार्थक संज्ञा के साथ पूर्व प्रत्यय नो और प्रत्यय टैक योग कर—दिये बिना=निदिशटेक, खाये बिना=नोखावाटेक, जाने बिना=नखनाटेक।

अकर्मक, सकर्मक और प्रेरणार्थक क्रिया

सकर्मक क्रिया बनानेके लिये अकर्मक क्रियाके साथ आ और प्रेरणार्थक क्रिया बनाने के लिये—उवा प्रत्यय योग किया जाता है। निम्न लिखित उदाहरणों से यह स्पष्ट हो जायगा—

अकर्मक	सकर्मक	प्रेरणार्थक
घूब (घूमा)	घूबा	घूबोरा
उब (उर)	उबा	उबोरा
पब (गिर)	पेला	पेलोरा
झल (जल)	झला	झलोरा
लाग (जोड़ा)	लगा	लगोरा
भाज (तोड़ा)	भाउ	भाओरा

अकर्मक	सकर्मक	प्रेरणार्थक
फाँल (फाड़)	फाँल	फाँला
कान्न (रो)	—	कन्दूरा
शहँ (हँस)	—	हँसरा
मर (मर)	मर	मरा
उला (निकला)	उलिय	—
शो (सो)	शुरा	—
कब (कर)	—	कबा
पढ़ (पढ़)	—	पढ़ा
लिख (लिख)	—	लिखा
बूझ (समझ)	बूझ	—
सुन (सुना)	सुना	—
देख (देख)	देखुरा	—

शब्दावली और प्रत्यय संबंधी नोट

1. असमीया भाषामें आज बहुत से विदेशी शब्द भी हैं—खास कर वैज्ञानिक पारिभाषिक शब्द और रेडिओ, क्रिकेट आदि आधुनिक चीज संबंधी।

2 शब्दोंके साथ पूर्व प्रत्यय उपसर्ग और प्रत्यय योग कर नया शब्द बनाया जाता है। कुछ उदाहरण नीचे दिये जा रहे हैं।

दुर्बल	दुर्बल	दुर्बलता	दुर्बलता
मित्र	मित्र	मित्रता	मित्रता
मन	मन	मानसिक	मानसिक
शरीर	शरीर	शारीरिक	शारीरिक, शरीर संबंधी
अर्थ	अर्थ	आर्थिक	आर्थिक
एकदिन	एकदिन	एकदिनीय	एकदिन का

आग	पहले	आगतौरा	पहले, आगे, आग(धन)
गौरव	गौरव	गौरवमय	गौरवपूर्ण
दुर्के	दुष्ट	दुर्केली	दुष्टता
मयम	प्यार	मयमिशाल	स्नेही
असम	असम	असमीया	असमकी भाषा } असमीय। असम के लोग }
सुख	सुख	सुखी	सुखी
कपास	कपास	कपासी	कपासका बना हुआ

3 पूर्व प्रत्यय (उपसर्ग) युक्त :--

लागतिवान	जरूरी	अलागतिवान	अनावश्यक
सुविधा	सुविधा	असुविधा	असुविधा
आदर	यत्न	अनादर	अनादर
पैगल	प्रौढ़	अपैगल	अप्रौढ़

वाक्य रचना

1. हिन्दी की तरह असमीयामें वाक्य रचना प्रणाली निम्न प्रकार की है—

कर्त्ता + कर्म अप्रधान + कर्म प्रधान + क्रिया

उसने मुझे एक नयी किताब दी थी—তেওঁ মোক এখন নতুন किताप দিছিল।

कर्त्ता, कर्म अथवा क्रिया पद की वृद्धि होने [बढ़ जाने] पर पहले के शब्द के पूर्व जोड़े जाते हैं।

रामके भाई यदुने मुझे एक लाल कलम चुपचाप दी थी—

ৰামৰ ভায়েক যদুৱে মোক এটা ৰঙা কলম মনে মনে দিছিল।

2. निषेधात्मक शब्दों का वाक्य के अंतमें प्रयोग होता है—

तेওঁ মোক একো কোৱা নাই—उन्होंने मुझे कुछ भी कहा नहीं।

3. विधेयक शब्दका वाक्य में प्रयोग नहीं होता
आपका नाम क्या है—আপোনাৰ নাম কি [इय]
वह कौन है—তেওঁ কোন [इय]

4. संभाव्य भूत कालमें संयुक्त वाक्यों के उदाहरण दिये गये हैं

प्रत्यक्ष और परोक्ष कथन

प्रत्यक्ष कथनमें वक्ताके शब्दों को ही उद्धृत किया जाता है
[ऊर्द्ध कमा के अंदर रखकर]। परोक्ष कथन 'ये' 'वो' 'वुलि' 'हेनो' [कि] आदि शब्दों द्वारा सूचित होता है।

प्रत्यक्ष

परोक्ष

তেওঁ কৈছিল "মই যাম"

তেওঁ কৈছিল বোলে তেওঁ বিধা

उसने कहा था—"मैं जाऊंगा"

उसने कहा था कि वह आदर

मैंने कैंछिले—“मैं याम”

मैंने कैंछिले। ये मैंने पैंगल

मैंने कहा था—"मैं जाऊंगा"

मैंने कहा था कि मैं जाऊंगा

আপুনি কৈছিল—"মোৰ অস্থ" আপুনি কৈছিল বোলে আপোনাৰ অস্থ

आपने कहा था—"मैं अस्वस्थ हूँ।" आपने कहा था कि आप अस्वस्थ

বামে কৈছিল—"মই দেখা নাছিলো" বামে দেখা নাছিল বুলি কৈছিল;

रामने कहा था—"मैंने नहीं देखा था।" বামে দেখা নাছিল বুলি কৈছিল,

বামে কৈছিল বোলে তেওঁ দেখা নাছিল,

বামে কৈছিল তেওঁ হেনো দেখা নাছিল

विशेषणों की तुलना

1. अच्छा—ভাল, बहुत अच्छा—বেছি ভাল, सबसे अच्छा—
আটাইতকৈ ভাল। सुन्दर—धुनौया, सुन्दरतर—বেছি ধুনৌয়া, सुंदरतम—
আটাইতকৈ ধুনৌয়া। मूल विशेषण पदका रूपांतर नहीं होता
'বেছি' और 'आटাইतकै' शब्द उल्लिखित उदाहरणों की तर
योग होते हैं।

2. माला रुमी की अपेक्षा ऊंची हैं—মানা কমীতকৈ বেছি ওখ।
न्यूनता वाचक विशेषण जिसके लिये व्यवहृत होता है उसके साथ
—तक (—अतक—स्वरांत शब्दोंके साथ) योग होता है।

3. रुमी वर्ग में सबसे अच्छी लड़की है—कमी श्रेणीত আটাই-
তকৈ ভাল ছোৱালী। ध्यान देने के लायक बात यह है कि
सर्वोत्तमता सभी के (आटै) साथ तुलना करने से आती है।
अतः आटै के साथ तुलनाके समय—तक प्रत्यय योग होता है।
एक ही भाव भित्तवत, गांठ प्रयोग करके भी प्रकट किया जाता
है। वह वर्ग में सबसे अच्छा लड़का है—तेওঁ সকলো ল'বাতকৈ
ভাল। তেওঁ সকলো ল'বাব ভিত্তবত ভাল।

4. —तक शब्द का प्रयोग होने पर बेहि शब्द अनावश्यक
हो जाता है। मेरे देश से मामाजी बढ़कर नहीं—মোৰ দেশতকৈ
মোমায়ে ডাঙৰ নহয়।

5. सर्वोत्तमता सूचित करने के लिये थूब, एकेबाबे, अताकु
आदि शब्दोंका भी व्यवहार होता है। तुलना करने वाले वस्तु-
बोधक शब्द लुप्त रहने पर ही इन शब्दोंका प्रयोग होता है—
यह कपड़ा बहुत सस्ता है—এই কাপোৰখন বেছি সস্তা।

आज वह) बीमार आदमी अत्यन्त आजि बोगौजन अताकु
दुर्बल हो पड़ा है—(एकेबाबे, ममूलि, तेनेइ)

दुर्बल हो पड़ा है।

6. आक, एकेबाबे इत्यादि शब्द क्रिया विशेषणोंके पूर्व भी
प्रयोग होते हैं। वह और धीरे धीरे जायेगा—तेওঁ আক
লাহে লাহে যাব। गाड़ीको बिलकुल धीरे चलाओ—गाड़ीখন
একেবাৰে লাহে লাহে চলোৱ।

7. कुछ विशेषण पदों के साथ तब (दोमें तुलना के लिये) और
तम (सर्वोत्तमता के लिये) का प्रयोग होता है। ठुक—वजनदार,
ठुकतब—गुरुतर (कुछ ज्यादा वजनदार), ठुकतम—गुरुतम (सबसे
ज्यादा वजनदार)

(8) कुछ विशेषणोंका तुलनात्मक और सर्वोत्तमता सूचक
संपूर्ण अलग अलग रूप मिलते हैं :—

श्रेय-श्रेय (better) श्रेष्ठ—उत्तम (best)

कुछ वाक्यांश

विदाय दिछे
बबशी बाइछे
बज्जार कबिछे
बताइ बलिछे
भोक गुचिछे
बबगुण आहिछे
चकूत लगा
छूपब हैछे
दोकान दिछे
एकेबाबे, साईलाथ
एकेबाबे एक
गधुलि हैछे
गात ल
हमुनिया पेलाइछे
जुई पुराईछे—
जुई धबिछे—
कापोर बाचिछे
कथमपि
मने मने
मूब आँछुबिछे
पेटे पेटे
ब'द लैछे

विदा की
बंसी लगायी है।
बाजार किया है।
हवा चल रही है
भूख मिटी।
वर्षा आयी है।
सुन्दर
दोपहर हुआ है
दूकान खोली है।
एकदम, अविकल
बिलकुल एक
शाम हुई
दायित्व ले
आहे भरी
आगमें तापता है
आग सुलगी है
कपड़े चुन रहा है
किसी तरह
चुपचाप
कंधी है
अंदर ही अंदर
धूप ले रहे है

ब'द दिछे }
ब'द गुलाइछे }
बाति पुराईछे
माझ लागिछे
मेरा कबिछे—

धूप निकली है
सुबह हुई, भोर हुआ
सांझ हुई।
प्रणाम किया

बातचीत और कुछ उपयोगी कथन समाजमें

हिन्दी

नमस्कार—
अच्छा, अब चलो—
अच्छा, चलिये—
कैसे हैं—तबीयत ठीक है ?—
घरमें सब अच्छे हैं ?—
जी, किसी तरह हूँ।—
धन्यवाद—
बहुत धन्यवाद—
कृपया आपकी कलम देंगे क्या ?—

मुझे जरा मदद करेंगे क्या ?—
जी हाँ, जरूर।—
तुम कौन हो ?—
तुम कहाँ से आये हो ?—
तुम्हारा नाम क्या है ?—
क्या मैं अंदर आ सकता हूँ ?—
मुझे क्षमा कर दीजिये।—

असमीयामें

नमस्कार।
ভাল, আহো এতিয়া।
ভাল, যাওক এতিয়া।
কেনে ভালনে ?
ঘবত ভালনে ?
হয়, এক প্রকাৰ ভাল।
ধন্যবাদ।
অশেষ ধন্যবাদ।
অনুগ্রহ কৰি আপোনাৰ
কলমটো দিবনে ?
মোক এটা সহায় কৰিবনে ?
হয়, নিশ্চয়।
তুমি কোন ?
তুমি ক'ব পৰা আহিছা ?
তোমাৰ নাম কি ?
মই ভিতৰলৈ আহিব পাৰোনে
মোক মাফ (ক্ষমা) কৰিব।

हिन्दी

असमीया

क्या मैं आपका नाम जान सकता हूँ ?— मई आपोनाब नामटो
जानिव पाबोने।
आइये, आइये।— आहक, आहक।
क्या आप असमीया बोल सकते हैं !— आपुनि असमीया कब पाबोने ?
जी हां, मैं समझ सकता हूँ।— हय मई बुजिव पाबो।।
लेकिन मैं अच्छी तरह बोल नहीं पाता।— किन्तु, मई भानदबे
कब नोराबो।।
मैंने सुना नहीं, (कृपया) फिर से कहिये— मई ब्रुशुनिलो, आको
कओकछोन।
बुरा मत मानियेगा— बेया नेपाव देई।
मेरा नाम है— मोब नाम.....
आप क्या करते हैं ? (आपका धंधा क्या है) — आपोनाब बारसाय कि ?
मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूँ— मई आपोनाब काबणे कि
कबिव पाबो ?
डॉ बरुवाजी का घर कौन सा है डाक्टर बरुवाब घर कौनटो
क्या आप मुझे बता सकते हैं ?— मोक कब पाबोने ?
मेरे साथ आइये मैं दिखा दूंगा— मोब लगत आहक, मई देखुराई दिम।
बैठिये— बहक।
क्या मुझे जानेकी अनुमति देंगे—या
क्या मैं अब जा सकता हूँ— मई एतिया याव पाबोने ?
मुझे बहुत अफसोस है— मई बब छुःथित।
बात क्या है— कथाटो कि ?
नहीं, कुछ नहीं— नाई, एको नहय।
आपने ठीक ही कहा है— आपुनि ठिकेई कैछे।
आपको यहाँ कुछ तकलीफ है क्या— आपुनि इयात किवा
अशुविधा पाईछेनेकि।

हिन्दी

असमीया

नहीं, नहीं मैं आराम से (मजेमें) हूँ—नाई, नाई, खुब आरामते आछे।
बहुत दिनों के बाद मैंने आपको देखा—मई आपोनाक बहत दिनब
मूबत देखा पालो।
मैं बरपेटा गया था— मई बबपेटोलै गैछिलो।
आपलोग इसे असमीयामें क्या कहते हैं—आपोनालोकै इयाक
असमीयात कि बोले।
वह हो ही नहीं सकता— सेइटे। हबई नोराबे।
छिः छिः बड़ी लज्जाकी बात है— छि छि लाज लगा कथा।
आहः बिचारी— एह, बेचाबी।
अच्छा ठीक है— बाक, ठिक आछे।
चुप रहो-- चुप, मने मने थाक,
निकल जाओ-- बाहिब ह।
मुझे तंग मत करो-- मोक आमनि नकबिवा।
मैं आशा करता हूँ कि— मई आशा कबो ये—
मैंने सोचा नहीं था कि— मई भवा नाछिलो ये—
दूसरी तरफ— आन हाते।
उसदिन— सिदिना।
गतवर्ष— योरा बहब।
आगामी वर्ष-- अहा बहब।
यह तो सभी जानते हैं-- एहैटो मुकलोबे जाने।
होगा, उतने से होगा— हब, सिमानेई हब।
मुझे किसने बुलाया— मोक कोने मातिछे ?
उन्हें दोष मत देना— तेओंक दोष निदिवा।
मैं इसे बिना किये रह नहीं सका— मई एहैटो नकबि
नोराबिलो।
आजका समाचार पत्र देखा है क्या-- आजि खब कागजखन
देखिछाने ?

हिन्दी

असमीया

वह खबर सुनकर मुझे बड़ी खुशी हुई—मैंने खबरटो सुनि बब
बंग पाईछो ।

वे आपसे मिलना चाहते थे— तेथेते आपोनाक लग
पाव थुज्जिहिल ।

आपकी क्या राय है— आपोनाब मतमत कि ?
आपके लड़के-लड़कियाँ कितने हैं ?— आपोनाब ल'बा-छोराली
केईटि ?

मेरी दो लड़कियाँ हैं और एक लड़का— मोब छोराली छुज्जनौ आक
ल'बा एटा ।

मैंने अभी तक शादी नहीं की— मैंने एतियाओ बिया कबोरा नाई
कृपया आज शामको आइयेगा— अनुग्रह करि आज्जि आवेलि
आहिव ।

समय, आबोहावा स्वास्थ्य सम्बन्धी

अब कितना बजा है ? अब एतिया किमान बाज्जिछे ।
समय क्या हुआ— एतियासमय किमान हैछे ।

अभी पांच (साढ़े चार, डेढ़, ढाई) एतिया पाच (चाबेचाबि,
बजता है— डेढ़, आठे) बाज्जिछे ।

छः बजनेकी बीस मिनट बाकी है— छय बाज्जिबलै कुबि मिनिट
बाकी आछे ।

सात बजकर दस मिनट हुआ है— सात बाज्जि दस मिनिट गैछे ।
सबरे नौ बजे— पूरा न बज्जात

शामको तीन बजे— आवेलि तनि बज्जात ।

आज रात को वर्षा हो सकती है— आज्जि बाति बबयुग दिव पावे ।

असममें बहुत वर्षा होती है— असमत बब बबयुग दिये ।

आसमान में बादल नहीं है— आकाशत मेघ नाई ।

हिन्दी

असमीया

आज बहुत गरम है (ठण्ड है) — आज्जि बब गबम पबिछे
(ठाण्डा पबिछे)

वर्षा हो रही है, छतरी को साथ बबयुग दिछे, चाटिटो लोराई
ले जाना अच्छा है— ভাল হব ।

इस जगह की आबोहवा आपकी এই ठाईब जलवायुरे
उपयोगी रही— आपोनाक सुज्जिछे ।

मैं अब बहुत ठीक हूँ— मोब एतिया बहत ভাল
हैछे ।

गत शुक्रवार से मेरी तबीयत खराब थी— मोब शुकुबबाबब पबा
मोब असुथ हैछिल ।

चता मत कीजिये, दो एक दिन में ही—चित्ता नकबिब, दुई एदिनते
ठीक हो जायेंगे । आपुनि ভাল हब ।

भ्रमणकारी और अनजान आदमी

यहां आप कब पहुँचे— आपुनि केतिया ऐइथिनि
पालेहि ?

मैं परसों ही यहाँ आया— मैंने इयाँलै पबहिये आहिले ।
मैं दो-चार दिन योरहाट में रहूँगा— मैंने दुदिन मानब (अनिश्चयता)
काबने योबहाटत थाकिम ।

मुझे एक अच्छी होटलमें ले चलो— मोक एटा ভাল होटेललै लै
ब'ला ।

मुझे एक विश्वस्त नौकर चाहिये— मोक एटा विश्वासि चाकब लागे ।
ढाकघर के लिये मैं किस तरफसे जाऊँगा—ढाकघरलै कोन फाले याम ।

आप सीधे जाइये, इसके बाद बायें आपुनि पौने पौने याब ताब
घूमियेगा (मोड़ लीजियेगा)— पाचत बाँडफाले घुबिब ।

अह ... का घर है क्या— ऐइटो ... ब घर हय ने ?

हिन्दी

असमीया

वे घरमें है क्या—

তেখেত ঘৰত আছেনে ?

नहीं, वे अभी अभी निकल पड़े—

নাই, তেখেত ওলাই গ'ল।

मैं बससे मराण जाना चाहता हूँ—

মই মৰাণ (জগহুৰ নাম) লৈ

বাচিব যাব খুজিছো।

यहाँ से मराण कितनी दूर है—

ইয়াৰ পৰা মৰাণলৈ কিমান দূৰ ?

मराण के लिये बस कितने बजे जायेगी—

মৰাণলৈ বাচ কেই বজাত যাব ?

तुम किराया कितना लोगे—

তুমি কিমান ভাড়া লবা।

यहाँ कोई बैठा है क्या—

এই ঠাইত কোনোবা বহিছে
নেকি ?

हम सुबह ही निकले थे—

আমি পুৱাই ওলাইছিলো।

मौसम ठीक न होने की वजह से

বতৰ বেয়া কাৰণে

देर हो गयी—

আমাৰ পলম হল।

गाड़ी तेजीसे चलाइये, मुझे

গাড়ীখন বেগাই চলোৱা, মই

समयानुसार पहुँचना है—

সময়মতে পাব লাগে।

नौकर से

जल्दी जा, देर मत करना—

সোনকালে যা, পলম নকৰিব।

यह चिट्ठी डाकघर में डालना—

চিঠিখন ডাকঘৰত দিব।

जल्दी कर, मुझे देर हो रही है—

খব কৰ, মোৰ দেৱী হৈছে।

दो कप (प्याली) चाय बना—

দুকাপ চাহ কৰ।

चीनी जरा ज्यादा डालना—

অলপ বেচিকৈ চেনি দিব।

दरवाजा खोल दे—

দুৱাখন খুলি দে।

खिड़की बंद कर—

খিৰিকিখন জপাই (মৰি,
বন্ধ কৰি) দে।

आज सुबह कौन आया था—

আজি পুৱা কোন আহিছিল।

उन्होंने क्या कहा था—

তেওঁ কি কৈছিল।

उन्हें रुकने को कह—

তেওঁক ববলৈ ক।

हिन्दी

असमीया

मेरी ऐनक को कहां रखा

মোৰ চচমাজোৰ ক'ত থলি ?

तुम्हें कितना तनख्खाह चाहिये

তোক কিমান দৰমহা লাগিব ?

शहर और गांवमें

गजका भाव क्या है

গজে কিমান দাম।

आपको और कुछ नहीं चाहिये ?

আপোনাক আৰু কিবা লাগিবনে

नहीं, मुझे और कुछ नहीं चाहिये

নাই, আৰু একো নালাগে।

बहुत ज्यादा बताया है, कुछ

বহু দাম কৰিছে, অলপ কম দাম

कम करके दीजिये

দিয়ব

हमने ठीक दाम ही कहा है

আমি ঠিক দাম কৈছো।

माफ कीजियेगा, और कम भाव

মাফ কৰিব, আৰু কম দামত দি

में दे नहीं सकेंगे

নোৱাৰি

मुझे थोड़ासा मूंगा कपड़ा दीजिये

মোক অলপ মুগা কাপোৰ দিয়ব

बुरा मत मानियेगा, मुझे पसन्द

বেয়া নেপাব, মোৰ পছন্দ হোৱা

नहीं

না

इस गांवका नाम क्या है

এই গাঁওখনৰ নাম কি ?

यह पहाड़ बहुत सुंदर है

এই পাহাৰটো বহু ধুনীয়া।

पैदल चलकर मैं थक गया हूँ

খোজ কাঢ়ি মোৰ ভাগৰ লাগি

मुझे भूख (प्यास) लगी है

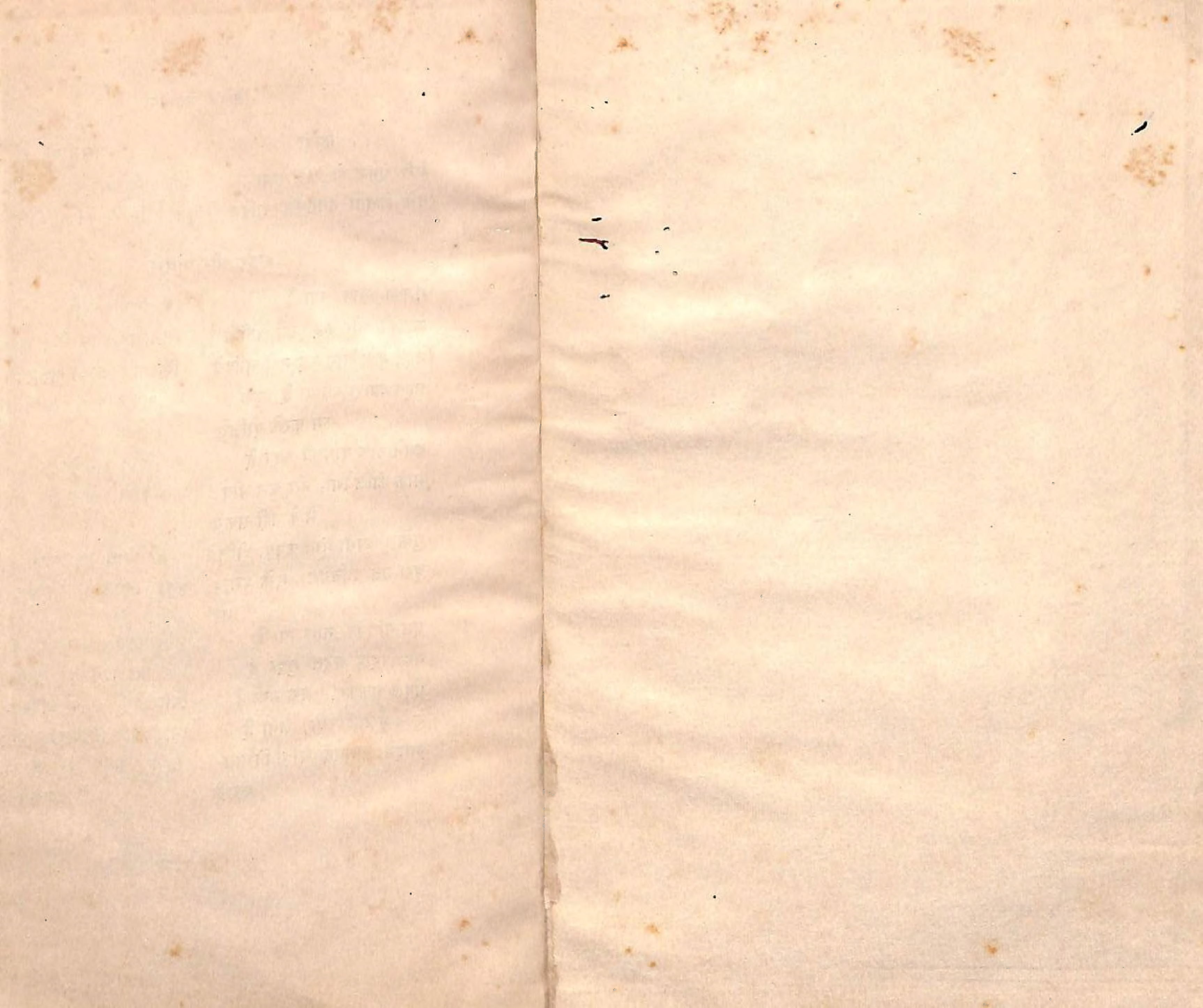
মোৰ ভোক (পিয়াহ) লাগিছে।

आइये, हम यहां थोड़ा विश्राम

আহক, আমি ইয়াতে অলপ

कर लें

জিবনি লও



राष्ट्रभाषा प्रेस, गुवाहाटी में मुद्रित ।